शर्मा शर्डअवेब
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947
70025-06581

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in

हिंदी दैनिक

गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 10 | अंक : 175 | गुवाहाटी | मंगलवार, 23 जनवरी, 2024 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

मुझे मंदिर जाने से रोका गया, मैंने क्या अपराध किया है : राहुल — पेज 2

राममय समूचा असम, मंदिरों में पूजन-अर्चना, निकलीं शोभायात्राएं — पेज 3

मंदिर वहीं बना है, जहां बनाने का संकल्प लिया था : मुख्यमंत्री योगी — पेज 5

पेरिस सेंट जर्मेन फ्रेंच कप के प्री-क्वार्टर फाइनल में पहुंचा, किलियन एम्बाप्पे ... — पेज 7

प्रभु - प्राण श्रीराम

नई दिल्ली। अयोध्या में रामलला के आगमन का इंतजार खत्म हो गया। राम मंदिर की प्राण-प्रतिष्ठा का कार्यक्रम पूरा हो गया है। इस कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, लोकप्रिय क्रिकेटर, मशहूर हस्तियां, उद्योगपति, संत और विभिन्न देशों के प्रतिनिधि शामिल हुए। भारत समेत दुनिया की नजरें प्राण-प्रतिष्ठा की ऐतिहासिक घड़ी पर टिकी रहीं। समारोह पूरा होने के बाद अवधपुरी 10 लाख दीपों से जगमगा गई। आइये जानते हैं कि प्राण-प्रतिष्ठा का पूरा कार्यक्रम क्या रहा? विधि-अनुष्ठान कितने बजे से शुरू हुए? मेहमान कब आए? मुख्य कार्यक्रम कब हुआ? 22 जनवरी को प्राण-प्रतिष्ठा के लिए न्यूनतम विधि-अनुष्ठान रखे गए। अयोध्या में श्री राम जन्मभूमि पर होने वाली प्राण-प्रतिष्ठा समारोह में प्रातः काल 10 बजे से *मंगल ध्वनि* के भव्य वादन शुरू हुआ। विभिन्न राज्यों से 50 से अधिक मनोरम वाद्ययंत्र लगभग दो घंटे तक इस शुभ घटना का साक्षी बनें। 10:30 बजे तक प्राण-प्रतिष्ठा समारोह में शामिल होने वाले अतिथियों का आगमन हुआ। श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र द्वारा जारी की गई प्रवेशिका के जरिए ही प्रवेश कराया गया। ट्रस्ट ने सोशल मीडिया पर प्रवेशिका का एक प्रारूप भी साझा किया था। रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा की विधि दोपहर 12:20 बजे शुरू हुई। प्राण-प्रतिष्ठा की मुख्य पूजा अभिजीत मुहूर्त में हुई। रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा का समय काशी के विद्वान गणेश्वर शास्त्री द्रविड़ ने निकाला था। यह कार्यक्रम पौष माह के द्वादशी तिथि (22 जनवरी 2024) को अभिजीत मुहूर्त, इंद्र योग, मृगशिरा नक्षत्र, मेष लग्न एवं वृश्चिक नवांश में हुआ। शुभ मुहूर्त दिन के 12 बजकर 29 मिनट और 08 सेकंड से 12 बजकर 30 मिनट और 32 सेकंड तक का रहा। यानि प्राण-प्रतिष्ठा का शुभ मुहूर्त केवल 84 सेकंड का रहा। पूजा-विधि के जजमान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हाथों श्रीरामलला के विग्रह की प्राण-प्रतिष्ठा हुई। अनुष्ठान को काशी के प्रख्यात वैदिक आचार्य गणेश्वर द्रविड़ और आचार्य लक्ष्मीकांत दीक्षित के निर्देशन में 121 वैदिक आचार्यों ने संपन्न कराया। इस दौरान 150 से अधिक परंपराओं के संत-धर्माचार्य और 50 से अधिक आदिवासी, गिरिवासी, तटवासी, द्वीपवासी, जनजातीय परंपराओं की भी उपस्थिति रही। श्रीरामजन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय ने बताया कि प्राण-प्रतिष्ठा का पूरा कार्यक्रम दोपहर एक बजे तक पूरा हो गया। सभी पूजा-विधि समाप्त होने के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, संघ प्रमुख मोहन भागवत ने संदेश दिया। पीएम मोदी सोमवार को चार घंटे अयोध्या में रहे। पीएम सुबह 10:25 बजे अयोध्या एयरपोर्ट पहुंचे और 10:55 बजे राम जन्मभूमि पर आगमन हुआ। प्राण-प्रतिष्ठा समारोह में शामिल होने के बाद सभा को संबोधित किया। 2:10 पर पीएम ने कुबेर टीला का दर्शन किया। प्राण-

-शेष पृष्ठ दो पर

त्रेतायुगीन दिव्य आभूषणों में श्रीरामलला

अयोध्या (हि.स.)। श्रीराम जन्मभूमि मंदिर में प्राण प्रतिष्ठित होकर अपने महा प्रासाद में भगवान श्री रामलला जी दिव्य आभूषणों और वस्त्रों से सजधज कर विराजमान हैं। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने बताया कि इन दिव्य आभूषणों का निर्माण अध्यात्म रामायण, श्रीमद् वाल्मिकि रामायण, श्रीरामचरिमानस तथा आलवन्दार स्तोत्र के अध्ययन और उनमें वर्णित श्रीराम की शास्त्रसम्मत शोभा के अनुरूप शोध और अध्ययन के उपरान्त किया गया है। इस शोध के अनुरूप अयोध्या राज परिवार यतींद्र मिश्र की परिकल्पना और निर्देशन से इन आभूषणों का निर्माण लखनऊ के अंकुर आनन्द की संस्थान

-शेष पृष्ठ दो पर

पूर्वांचल केशरी
(असमीया दैनिक)
PURVANCHAL KESARI
(ASSAMESE DAILY)
GOOD LUCK PUBLICATIONS
House No. 30, D. Neog Path,
ABC, Guwahati - 781005
Mob: 94350 14771, 97070 14771

door graph
Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path,
Near Dona Planet
ABC, G.S. Road,
Guwahati - 05
97079-99344

सुप्रभात
विद्या ही निर्धन का धन है।
- आचार्य चाणक्य

न्यूज गैलरी

प्रतीक्षा और प्रतिज्ञा पूर्ण : अमित शाह

नई दिल्ली (हि.स.)। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने रामलला के भव्य मंदिर में विराजमान होने के बाद देशवासियों को बधाई देते हुए कहा कि आज पांच सदी की प्रतीक्षा और प्रतिज्ञा पूर्ण हुई है। यह दिन ऐतिहासिक है। इसे कभी भूला नहीं जा सकेगा। शाह ने सोमवार को एक्स पर लिखा कि आज का दिन करोड़ों रामभक्तों के लिए कभी ना भूलने वाला दिन है। उन्होंने कहा कि आज जब हमारे रामलला अपने भव्य मंदिर में विराजमान हुए हैं, तब असंख्य रामभक्तों की तरह वह भी भावविभोर हैं। इस भावना को शब्दों में समेट पाना उनके लिए संभव नहीं है। शाह ने कहा कि इस पल

-शेष पृष्ठ दो पर

राम आग नहीं...ऊर्जा हैं, राम विवाद नहीं...समाधान हैं : पीएम

अयोध्या। 500 सालों के संघर्ष का इतिहास आज खत्म हो गया। राम मंदिर के गर्भगृह में भगवान राम लला की प्राण-प्रतिष्ठा हो गई है। इस अवसर पर पीएम मोदी ने प्राण-प्रतिष्ठा कार्यक्रम में शामिल हुए लोगों को संबोधित किया। पीएम मोदी ने कहा कि आज का अवसर उत्सवता का तो क्षण है ही भारत के समाज के परिपक्वता का क्षण है। दुनिया का इतिहास साक्षी है कई राष्ट्र अपने ही उलझन में उलझ गए। उन्होंने कहा कि कई लोग बोलते थे कि राम मंदिर बना तो आग लग

जाएगी, ऐसे लोग भारत के परिपक्वता को नहीं जान पाए। मैं उन लोगों को कहना चाहूंगा कि आइए महसूस कीजिए राम आग नहीं ऊर्जा हैं। राम समाधान हैं। राम सबके हैं। राम सिर्फ वर्तमान नहीं, अनंत काल हैं। पीएम मोदी ने कहा कि राम भारत की आस्था हैं, राम भारत का आधार हैं। राम भारत का विचार हैं, राम भारत का विधान हैं। राम भारत की चेतना हैं, राम भारत का चिंतन हैं, राम भारत की प्रतिष्ठा हैं, राम भारत का प्रताप हैं। राम प्रभाव हैं,

-शेष पृष्ठ दो पर

गुलामी का अंत रामराज्य शुरू : सीएम

गुवाहाटी (हि.स.)। असम के मुख्यमंत्री डॉ हिमंत विश्व शर्मा ने कहा है कि पांच सौ वर्ष की गुलामी का अंत होने के साथ ही आज से रामराज्य की शुरुआत हुई है। आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत में सब कुछ संभव है। मुख्यमंत्री डॉ हिमंत विश्व शर्मा सोमवार को अयोध्या के रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा समारोह का गुवाहाटी के आमबारी में सीधा प्रसारण देखने के बाद पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज पांच सौ वर्ष की गुलामी से छुटकारा मिला है। देश के लोगों ने देखा कि

-शेष पृष्ठ दो पर

रामलला के साथ भारत का *स्व* लौटकर आया है : मोहन भागवत

अयोध्या (हि.स.)। श्रीरामलला की प्राणप्रतिष्ठा के मौके पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन राव भागवत ने सोमवार को कहा कि आज आनंद का क्षण है। आज अयोध्या में रामलला के साथ भारत का *स्व* लौटकर आया है। संपूर्ण विश्व को त्रासदी से राहत देने वाला नया भारत खड़ा होकर रहेगा, इसका प्रतीक आज है। इस

आनंद का वर्णन कोई अपने शब्दों में नहीं कर सकता है। हमारे दूरदर्शन के माध्यम से इस कार्यक्रम को दूर दराज के लोग देखकर भावविभोर हो रहे हैं। दुनिया देख रही है। मोहन भागवत ने कहा कि आज हमने सुना है कि प्रधानमंत्री मोदी ने कठोर व्रत किया। जितना कठोर कहा गया था, उससे ज्यादा कठोर व्रत किया है। उन्हें हम पहले से जानते हैं। वे कठोर व्रती हैं। वे अकेले व्रत करेंगे तो हम क्या करेंगे? राम बाहर क्यों गए थे। इस पर विचार कीजिए। अयोध्या में कभी कलह नहीं थी। कलह के कारण बन गए। 14 वर्षों तक बाहर रहकर दुनिया की कलह को समाप्त कर वापस आए थे। आज एक बार फिर राम जी वापस आए हैं। आज

-शेष पृष्ठ दो पर

मेहमानों को मिला उपहार में धातु का दीया-माला...

अयोध्या। राम नगरी अयोध्या में भव्य समारोहों के बीच नवनिर्मित मंदिर में रामलला की नई मूर्ति की प्राण-प्रतिष्ठा की गई। इस अनुष्ठान में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी समेत आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत, उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, अभिनेता अमिताभ बच्चन, अभिषेक बच्चन, विक्की कौशल, कैटरीना कैफ, अरुण गोविल, पूर्व क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर, रविशंकर प्रसाद और उद्योगपति अनिल अंबानी और कई अन्य लोग शामिल हुए। श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ने

-शेष पृष्ठ दो पर

आज से दर्शन शुरू, केवल नौ घंटे ही पूजा-अर्चना कर पाएंगे आम श्रद्धालु

अयोध्या। राम मंदिर को लेकर जो सदियों का इंतजार था, आखिरकार वह खत्म हो गया। अयोध्या में भव्य राम मंदिर में श्री रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा भी हो गई है। गर्भगृह में रामलला की 51 इंच की मूर्ति की प्राण-प्रतिष्ठा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने की। इस दौरान देश के विभिन्न जगत के गणमान्य लोग भी मौजूद रहे। इस मूर्ति को कर्नाटक के मूर्तिकार अरुण योगीराज ने बनाया है। प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में साफ तौर पर कहा कि आज सदियों का इंतजार खत्म हुआ। आज हमारे राम आ ही गए। उन्होंने यह भी कहा कि राम सिर्फ हमारे नहीं, राम तो सभी के हैं। राम

आग नहीं, बल्कि ऊर्जा हैं राम विवाद नहीं बल्कि समाधान है। आज अयोध्या में सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे। अयोध्या में आज राम मंदिर प्राण-प्रतिष्ठा होने के बाद गणमान्य लोगों ने दर्शन किया है। ऐसे में बड़ा सवाल यही है कि आखिर आम लोग राम मंदिर में दर्शन कब से कर सकेंगे? इसको लेकर बड़ी जानकारी सामने आई है। बताया जा रहा है कि राम मंदिर को आम लोगों के लिए 23 जनवरी से ही खोल दिया जाएगा। इतना ही नहीं, ट्रस्ट को इस बात का अनुमान है कि हर दिन डेढ़ लाख से ज्यादा श्रद्धालु वहां पहुंच सकते हैं। ऐसे में रामलला के दर्शन के लिए हर श्रद्धालुओं को 15 से 20 सेकंड ही मिल सकेगा। समय की बात करें तो श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की वेबसाइट के

-शेष पृष्ठ दो पर

अभिषेक बहुसंख्यकवाद का संकेत : पाकिस्तान

इस्लामाबाद। पाकिस्तान ने अयोध्या में राम मंदिर के अभिषेक की निंदा की है। देश के विदेश कार्यालय ने एक बयान में कहा कि अभिषेक समारोह भारत के बढ़ते बहुसंख्यकवाद का संकेत है। पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय ने बयान में कहा कि *चरमपंथियों की भीड़* ने बाबरी मस्जिद को ध्वस्त कर दिया था। इसमें कहा गया कि दुर्भाग्य से भारत की सर्वोच्च न्यायपालिका ने न केवल इस घृणित कृत्य के लिए जिम्मेदार अपराधियों को बरी कर दिया, बल्कि ध्वस्त मस्जिद के स्थान पर एक मंदिर के निर्माण

-शेष पृष्ठ दो पर

पूरे अमेरिका के मंदिरों में मनाया गया उत्सव

वाशिंगटन। अमेरिका में सैकड़ों की संख्या में मंदिरों और सामुदायिक संस्थाओं ने सोमवार को अयोध्या में *राम लला* की प्राण-प्रतिष्ठा का उत्सव मनाने के लिए न्यूयॉर्क के प्रतिष्ठित टाइम्स स्क्वायर सहित विभिन्न स्थानों पर कार्यक्रम आयोजित किए। अमेरिका की विश्व हिंदू परिषद ने रविवार को यहां पूरे देश में मुख्य कार्यक्रम आयोजित किए। वहीं समुदाय के कई सदस्य इस ऐतिहासिक कार्यक्रम के लिए न्यूयॉर्क के प्रतिष्ठित टाइम्स स्क्वायर पर इकट्ठा हुए। उन्होंने आने-जाने वाले लोगों को लड्डू बांटे। साथ ही टाइम्स स्क्वायर की स्क्रीन पर अयोध्या के राम

मंदिर की तस्वीरें और दृश्य भी प्रदर्शित किए गए। वाशिंगटन में वर्जीनिया के फेयरफैक्स काउंटी में स्थित एसवी लोटस टेंपल में सिख, मुस्लिम और पाकिस्तानी अमेरिकी समुदाय के लोग भी इस समारोह में शामिल हुए। उनका कहना है कि यह पूरे समुदाय के लिए खुशी मनाने का क्षण है और यह एक सपने के सच होने जैसा है। सिख ऑफ अमेरिका संगठन के सदस्य जस्सी सिंह ने कहा कि यह एक बहुत ही खुशी का मौका है। सिंह ने कहा कि सिख समुदाय और सिख ऑफ अमेरिका की ओर से मैं भारत में श्रीराम मंदिर के उद्घाटन के इस खुशी के अवसर पर अपने हिंदू भाइयों और बहनों को शुभकामनाएं देता हूं। हम सभी समुदाय सिख, हिंदू, मुस्लिम और ईसाई यहां इस खुशी के मौके

-शेष पृष्ठ दो पर

एक करोड़ घरों पर लगेगा सोलर पैनल : प्रधानमंत्री

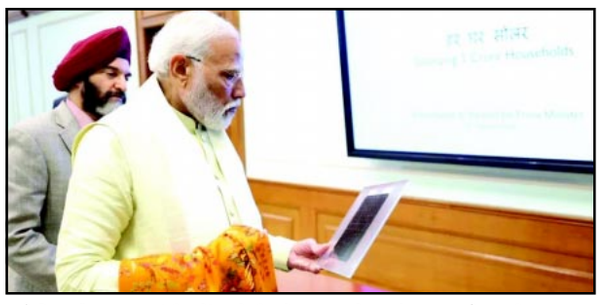

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सोमवार को अयोध्या में राम मंदिर प्राण-प्रतिष्ठा समारोह में शामिल रहे। अयोध्या से लौटते ही उन्होंने नई दिल्ली में मीटिंग की, जिसके बाद गरीबों और मध्यम वर्ग के लिए बड़ी घोषणा की। मोदी सरकार ने देश में एक करोड़ घरों की छत पर रूफटॉप सोलर लगाने का लक्ष्य रखा है। प्रधानमंत्री मोदी ने एक्स पर ट्वीट करके *प्रधानमंत्री सोलर योजना* की घोषणा की। इस योजना ने गरीब और मध्यम वर्ग का बिजली बिल कम होगा। साथ ही भारत के ऊर्जा क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनने में भी मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि सूर्यवंशी भगवान श्री राम के आलोक से विश्व के सभी भक्तगण सदैव ऊर्जा प्राप्त करते हैं। आज अयोध्या में प्राण-प्रतिष्ठा के शुभ अवसर पर मेरा ये संकल्प और प्रशस्त हुआ कि भारतवासियों के घर की छत पर उनका अपना सोलर रूफ टॉप सिस्टम हो।

-शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

मुझे मंदिर जाने से रोका गया, मैंने क्या अपराध किया है : राहुल

मोरीगांव। भारत जोड़ो न्याय यात्रा के दौरान राहुल गांधी असम में मौजूद हैं। सोमवार को मीडिया से बात करते हुए उन्होंने आरोप लगाए कि उन्हें आज मंदिर जाने से रोका जा रहा है। राहुल गांधी ने कहा कि पहले उन्हें मंदिर जाने की अनुमति दी गई थी, लेकिन आज मना किया जा रहा है। राहुल गांधी के नेतृत्व में निकाली जा रही है भारत जोड़ो न्याय यात्रा असम के नगांव जिले में पहुंची हुई है। यहां बताद्रवा थान इलाके में वैष्णव संत श्रीमंत शंकरदेव की जन्मस्थली है। राहुल गांधी को कार्यक्रम के तहत आज शंकरदेव के मंदिर जाना था, लेकिन अब राहुल गांधी ने मीडिया से बात करते हुए आरोप लगाया है कि उन्हें आज मंदिर जाने से रोका जा रहा है। राहुल गांधी ने कहा कि हम मंदिर जाना चाहते हैं। मैंने क्या अपराध किया है जो मैं मंदिर नहीं जा सकता? गौरतलब है कि मंदिर की प्रबंध समिति ने राहुल गांधी को सोमवार को दोपहर तीन बजे के बाद आने की जानकारी रविवार को ही दे दी थी। प्रबंध समिति के प्रमुख जोगेंद्र देव महंत ने बताया कि राम मंदिर के प्राण-प्रतिष्ठा कार्यक्रम के अवसर पर कई संगठनों ने मंदिर परिसर में भक्ति कार्यक्रमों के आयोजन की योजना बनाई है। इस अवसर पर बड़ी संख्या में लोग मंदिर आएंगे, ऐसे में राहुल गांधी को दोपहर तीन बजे के बाद मंदिर आने को कहा गया है। कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने कहा कि राहुल गांधी मंदिर (बताद्रवा मंदिर) जाना चाहते थे... हम 11 जनवरी से इसकी कोशिश कर रहे हैं। हमारे दो विधायकों ने मंदिर समिति से मुलाकात भी की थी। हमने उन्हें बताया था कि हम 22 जनवरी को सुबह 7 बजे आएंगे, लेकिन कल हमें अचानक बताया गया कि तीन बजे के बाद आएं। यह राज्य सरकार के दबाव में हो रहा है। हम मंदिर जाने की कोशिश करेंगे, लेकिन तीन बजे के बाद जाना मुश्किल हो जाएगा क्योंकि हमें आगे भी दूरी तय करनी है।

हिमंत ने कसा, तंज कहा- राम राज्य

मोरीगांव। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने सोमवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर उनकी भारत जोड़ो न्याय यात्रा के दौरान नगांव जिले में समाज सुधारक श्रीमंत शंकरदेव की जन्मस्थली बताद्रवा थान जाने की अनुमति नहीं दिए जाने पर कटाक्ष किया। मुख्यमंत्री ने एक्स पर लिखा कि राम राज्य। राहुल गांधी ने अन्य कांग्रेस कार्यकर्ताओं के साथ सोमवार को नगांव में धरना दिया, जब उन्होंने आरोप लगाया कि उन्हें बताद्रवा थान जाने की अनुमति नहीं दी गई। स्थानीय सांसद और विधायक को छोड़कर, किसी भी कांग्रेस नेता को मंदिर स्थल से लगभग 20 किमी दूर हैबरगांव से आगे जाने की अनुमति नहीं दी गई। वीडियो में राहुल गांधी एक सुरक्षा अधिकारी से रोके जाने का कारण पूछते नजर आ रहे हैं। वरिष्ठ कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने आज कहा कि राहुल गांधी वहां जाना चाहते थे। हम 11 जनवरी से कोशिश कर रहे थे और हमारे दो विधायकों ने इसके लिए प्रबंधन से मुलाकात की थी। रमेश ने कहा कि हमने कहा था कि हम 22 जनवरी को सुबह 7 बजे वहां आएंगे। हमें बताया गया था कि हमारा स्वागत किया जाएगा। लेकिन कल, हमें अचानक बताया गया कि हम दोपहर 3 बजे से पहले वहां नहीं आ सकते। वरिष्ठ कांग्रेस नेता ने संवाददाताओं से कहा कि यह राज्य सरकार का दबाव है। हम वहां जाने की कोशिश करेंगे, लेकिन दोपहर 3 बजे के बाद वहां जाना बहुत मुश्किल है क्योंकि हमें अतिरिक्त दूरी तय करनी होगी।

भारत-म्यांमार सीमा पर फेंसिंग का मिजोरम के छात्र संगठन ने किया विरोध

एजल (हि.स.)। मिजोरम के छात्र संगठन मिजो जिरलाई पावल (एमजेडपी) ने भारत-म्यांमार सीमा पर फ्री मूवमेंट रिजीम (एफएमआर) और सीमा बाड़ लगाने के केंद्र के फैसले का कड़ा विरोध करते हुए प्रधान मंत्री नरेन्द्र मोदी को एक ज्ञापन सौंपा है। छात्र संगठन ने राज्यपाल हरि बाबू कंभमपति के माध्यम से अपना ज्ञापन सौंपा। उन्होंने भारत के उपराष्ट्रपति, केंद्रीय गृह मंत्री और केंद्रीय गृह सचिव को भी इसकी प्रतियां भेजीं। अपने स्मारपत्र में संगठन ने फ्री मूवमेंट रिजीम (एफएमआर) और भारत-म्यांमार सीमा पर सीमा बाड़ लगाने पर भारत सरकार के फैसले के प्रति अपनी गहरी चिंता और विरोध व्यक्त करते हुए कहा कि इससे भारत और म्यांमार में रहने वाले *जो* लोग विभाजित हो जाएंगे। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि जो लोगों को औपनिवेशिक काल से प्रशासनिक प्रभागों द्वारा और औपनिवेशिक युग के बाद अंतर्राष्ट्रीय सीमाओं द्वारा विभाजित किया गया है। इन विभाजनों के बावजूद, हम भारत सरकार द्वारा स्थापित मुक्त आवाजाही व्यवस्था के कारण अलग महसूस नहीं करते हैं। यह हमें एक-दूसरे के अंतिम संस्कार, विवाह समारोहों में भाग लेने, घर पर मरीजों से मिलने, धार्मिक बैठकों में शामिल होने और स्थानीय स्तर के खेल टूर्नामेंट में शामिल होने में इससे सुविधा होती है। इस व्यवस्था को समाप्त करने का हालिया निर्णय अब इन आवश्यक सुविधाओं से वंचित कर देगा। स्मारपत्र में लिखा है कि वे यूनाइटेड नेशंस डिक्लेरेशन आन राइट्स आफ इंडीजीनस पीपल 2007 (यूएनडीआरआईपी) पर हस्ताक्षर करने वाले भारत सरकार के फैसले से हैरान हैं। यह भी कहा गया कि यह घोषणा संविधान के अनुच्छेद 36 अंतर्राष्ट्रीय सीमाओं से विभाजित स्वदेशी लोगों के आध्यात्मिक, सांस्कृतिक, राजनीतिक, आर्थिक और सामाजिक उद्देश्यों के लिए सीमाओं के पार संपर्क, संबंध और सहयोग बनाए रखने और विकसित करने के अधिकार का हनन है।

सरकारी निर्देश के बावजूद खुला मछली बाजार

कोकराझाड़ (हि.स.)। आज राम जन्मभूमि अयोध्या में रामलला के प्राण-प्रतिष्ठा के मौके पर असम के मुख्यमंत्री डॉ हिमंत विश्व शर्मा ने आज शाम 04 बजे तक मछली और मांस बाजार को बंद रखने के रविवार को निर्देश दिए थे। बावजूद इसके कोकराझाड़ के मछली बाजार में इसका उल्टा असर देखने को मिला। कुछ व्यापारियों ने सुबह मछली बाजार शुरू कर दिया। इसको लेकर बाजार परिसर में उत्तेजना फैल गई। बाद में हालांकि, कोकराझाड़ पुलिस ने मछली बाजार में आकर उसे बंद करा दिया।

ट्रैक्टर दुर्घटना में एक की मौत

नगांव (हि.स.)। जिले के दक्षिणपाट में ट्रैक्टर दुर्घटना में एक व्यक्ति की मौत हो गई। पुलिस ने आज बताया कि यह मौत ट्रैक्टर हादसे में उस समय हुआ, जब सामान से भरा ट्रैक्टर नियंत्रण खोने के बाद सड़क से नीचे पलट गया। हादसे में ट्रैक्टर चालक की घटनास्थल पर ही मौत हो गई जबकि, एक अन्य घायल हो गया। मृत ड्राइवर की पहचान रकीबुल हुसैन के रूप में हुई है।

डीडीएसई इगो डोए गिरफ्तार

इटानगर (हि.स.)। अरुणाचल पुलिस के विशेष जांच सेल (एसआईटी) ने शिक्षा विभाग में कथित अवैध नियुक्ति मामले में तिरप स्कूल शिक्षा उप निदेशक (डीडीएसई) इगो डोए को गिरफ्तार किया है। डोये को चांगलांग जिले में शिक्षा विभाग में प्राथमिक शिक्षकों और अन्य कर्मचारियों की कथित अवैध नियुक्ति में शामिल होने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। पिछले साल 17 अगस्त को शुरू हुआ यह मामला जिला-आधारित छात्र संघों और समुदाय-आधारित संगठनों द्वारा जिला अवैध शिक्षक और अन्य कर्मचारी नियुक्ती दर्ज की गई शिकायतों पर कारवाई करते हुए पुलिस ने डोये को गिरफ्तार किया है। एसआईसी (सतर्कता) अधिक्षक अनंत मित्तल ने आज कहा कि डोए को दस्तावेजों की सावधानीपूर्वक जांच, पूछताछ और तकनीकी विश्लेषण के बाद रविवार को गिरफ्तार किया गया। डोए, जो पहले चांगलांग डीडीएसई के रूप में तैनात थे। एसपी मित्तल ने आगे बताया कि मामले की जांच जारी है। उन्होंने कहा कि चांगलांग जिले में कथित अवैध नियुक्तियों की गहन जांच सुनिश्चित करने के लिए अधिकारी मामले के सभी पहलुओं की सख्ती से जांच कर रहे हैं।

चाय बागान में नृशंस हत्या, सनसनी

चराइदेउ (हि.स.)। जिले के सोनारी के चाय बागान में हुई एक नृशंस हत्या को लेकर पूरे बागान इलाके में सनसनी फैल गई है। विश्वजीत बाउरी नामक व्यक्ति ने अपनी चाची पूर्णिमा क्षेत्रपाल की हत्या कर दी। यह हत्या एक डिप्लिंग चाय बागान के बीच के लाइन में हुई। पुलिस ने आज बताया कि यह क्रूर घटना घरेलू हिंसा के कारण हुई। काकोतिबाड़ी पुलिस इसी बीच मौके पर पहुंचकर हत्यारे को गिरफ्तार कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

मणिपुर की स्थिति पर मुख्यमंत्री ने की सर्वदलीय बैठक

इंफाल (हि.स.)। मणिपुर के मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह ने हिंसा प्रभावित मणिपुर की स्थिति पर विचार-विमर्श करने के लिए बुलाई गई एक सर्वदलीय बैठक की अध्यक्षता की। राज्य की मुख्य विपक्षी पार्टी कांग्रेस काफी समय से मुख्यमंत्री से सर्वदलीय बैठक बुलाने की मांग कर रहे थे। इस बैठक में राज्य के 10 राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। इन प्रतिनिधियों में कांग्रेस पार्टी की ओर से राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री तथा मणिपुर विधानसभा में प्रतिपक्ष के नेता इकराम इबोबी सिंह भी शामिल हुए। बैठक में राज्य की वर्तमान स्थिति से निपटाने के लिए मुख्यमंत्री ने राजनीतिक दलों से सुझाव मांगे। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने 20 जनवरी को एक पत्र लिखकर मुख्यमंत्री से राजनीतिक दलों की बैठक बुलाने का आग्रह किया गया था। इस आग्रह पर मुख्यमंत्री ने रविवार की देर शाम को बैठक निर्धारित किया। राज्य सचिवालय के मुख्यमंत्री कक्ष में रात तक चली बैठक में मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्होंने बीते वर्ष 3 मई को शुरू हुई हिंसक गतिविधियों के बाद कई बार सभी राजनीतिक दलों के विधायकों को बुलाकर इस पर विचार-विमर्श करने की कोशिशें की, लेकिन उन्हें इसमें निराशा हासिल हुई। विधायकों के राज्य से बाहर होने की बात कहकर इसे डाल दिया गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि इसी बीच कई विधायकों ने इस्तीफा भी दे दिया। वे चाहते हैं कि सर्वसम्मति से मणिपुर की समस्या का स्थायी समाधान हो। बैठक में मुख्यमंत्री ने मौजूदा स्थिति से निपटने के लिए किए जा रहे प्रयासों की बैठक के दौरान विस्तारपूर्वक जानकारी दी। राजनीतिक दलों ने मुख्यमंत्री को एक प्रतिवेदन भी इस दौरान सौंपा, जिसमें प्रधानमंत्री से इन सभी राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों की बैठक आयोजित करवाने की मांग की गई है। इस बैठक में सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी, कांग्रेस के साथ ही जनता दल-यूनाइटेड, सीपीआई सीपीआईएम, एआईटीसी, आम आदमी पार्टी, एआईएफबी, एनसीपी, शिवसेना (यूबीटी) तथा आरएसपी के प्रतिनिधि शामिल हुए। बैठक के बाद कांग्रेस नेता इकराम इबोबी सिंह ने पत्रकारों से कहा कि बैठक के दौरान उन्होंने प्रधानमंत्री से मुलाकात का समय मांगा है, ताकि इस मसले पर उनसे समाधान संबंधी उपायों पर बात की जा सके। इबोबी सिंह ने कहा कि केंद्र और राज्य दोनों जगह भाजपा की सरकार है। ऐसे में राज्य सरकार आवश्यकतानुसार केंद्रीय बलों की मांग केंद्र सरकार से कर सकती है। उन्होंने कहा कि पर्याप्त संख्या में केंद्रीय बलों की तैनाती करके मणिपुर की स्थिति को संभालने का प्रयास किया जाना चाहिए।

स्थिति का आकलन करने मणिपुर पहुंचा केंद्रीय गृह मंत्रालय का तीन सदस्यीय दल

इंफाल (हि.स.)। हिंसा प्रभावित मणिपुर की वर्तमान स्थिति के समीक्षा करने के लिए केंद्रीय गृह मंत्रालय का एक तीन सदस्यीय दल आज मणिपुर पहुंचा। टीम का नेतृत्व सुरक्षा सलाहकार एके मिश्रा कर रहे हैं। गृह मंत्रालय के सूत्रों ने बताया कि इस टीम का उद्देश्य राज्य की मौजूदा स्थिति का आकलन करने के साथ ही जमीनी हकीकत को अपनी आंखों से देखना है। टीम के तीनों सदस्य आज शाम इंफाल हवाईअड्डे पर पहुंचे। सूत्रों ने बताया कि यह टीम मणिपुर की जमीनी स्थिति के सच्ची तस्वीर केंद्रीय गृह मंत्रालय के समक्ष प्रस्तुत करेगी। एक अन्य रिपोर्ट के अनुसार मणिपुर सरकार द्वारा सीमावर्ती जिलों के प्रशासन से भारत-म्यांमार सीमा पर स्थित उन गांव की सूची मांगी गई है जिनमें फेंसिंग लगाया जाना है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने इसी सप्ताह अपने तीन दिवसीय पूर्वोत्तर यात्रा के दौरान कहा था कि भारत-म्यांमार पर शीघ्र ही फेंसिंग लगा दिये जाएंगे।

पृष्ठ एक का शेष

प्रभु- प्राण श्रीराम...

प्रतिष्ठा समारोह पूर्ण होने के उपरांत *राम ज्योति* प्रज्ज्वलित कर दीपावली मनाई गई। शाम को अयोध्या 10 लाख दीपों से जगमगा गई। इसके साथ ही मकानों, दुकानों, प्रतिष्ठानों और पौराणिक स्थलों पर राम ज्योति प्रज्ज्वलित की गई। अयोध्या सरयू नदी के तटों की मिट्टी से बने दीपों से रोशन हुई। रामलला, कनक भवन, हनुमानगढ़ी, गुप्तारघाट, सरयू तट, लता मंगेशकर चौक, मणिराम दास छावनी समेत 100 मंदिरों, प्रमुख चौराहों और सार्वजनिक स्थलों पर दीप प्रज्ज्वलित किए गए।

त्रेतायुगीन दिव्य आभूषणों ...

हरसहायमल श्यामलाल ज्वैलर्स ने किया है। भगवान बनारसी वस्त्र की पीताम्बर धोती तथा लाल रंग के पटुके/अंगवस्त्रम में सुशोभित हैं। इन वस्त्रों पर शुद्ध स्वर्ण की ज़री और तारों से काम किया गया है, जिनमें वैष्णव मंगल चिन्ह- शंख, पद्म, चक्र और मयूर अंकित हैं। इन वस्त्रों का निर्माण श्री अयोध्या धाम में रहकर दिल्ली के वस्त्र सज्जाकार मनीष त्रिपाठी ने किया है। **शीश पर मुकुट/किरीट :** यह उत्तर भारतीय परंपरा में स्वर्ण निर्मित है, जिसमें माणिक्य, पन्ना और हीरो से अलंकृत किया गया है। मुकुट के ठीक मध्य में भगवान सूर्य अंकित हैं। मुकुट के दायी ओर मोतियों की लड़िया पिरोई गई हैं। **कुंडल :** मुकुट/किरीट के अनुरूप और इस डिजाइन के क्रम में भगवान के कर्ण-आभूषण बनाए गए हैं, जिसमें मयूर आकृतियां बनी हैं और यह भी सोने-हीरे, माणिक्य और पन्ने से सुशोभित है। **कण्ठा :** गले में अर्द्ध चंद्राकार रत्न से जनित कण्ठा सुशोभित है, जिसमें मंगल का विधान रचते पुष्प अर्पित हैं और मध्य में सूर्यदेव बने हैं। सोने से बना हुआ यह कण्ठाहार हीरे, माणिक्य और पन्नों से जड़ा है, कंठे के नीचे पन्ने की लड़िया लगाई गई हैं। **भगवान के हृदय :** भगवान के हृदय में कौस्तुभ मणि धारण कराया गया है, जिसे एक बड़े माणिक्य और हीरो के अलंकरण से सजाया गया है। यह शास्त्र विधान है कि भगवान विष्णु तथा उनके अवतार हृदय में कौस्तुभ मणि धारण करते हैं, इसलिए इसे धारण कराया गया है। **पदिक :** कंठ से नीचे तथा नाभि कमल से ऊपर पहनाया गया हार होता है। जिसका देवता अलंकरण में विशेष महत्व है। यह पदिक पांच लड़ियों वाला हीरो और पन्ने का ऐसा पांच लड़ा है, जिसके नीचे एक बड़ा सा अलंकृत पेंडेंट लगाया गया है। **वैजयंती या विजयमाल :** यह भगवान को पहनाया जाने वाला तीसरा और सबसे लंबा और स्वर्ण से निर्मित हार है। इसमें कहीं-कहीं माणिक्य लगाए गए हैं। इस विजय के प्रतीक के रूप में पहनाया जाता है, जिसमें वैष्णव परंपरा के समस्त मंगल चिन्ह, सुदर्शन चक्र पद्म, पुष्प, शंख और मंगल कलश दर्शाया गया है। इसमें पांच प्रकार के देवताओं को प्रिया पुष्पों का भी अलंकृत किया गया है, जो मणिक, चंपा, पारिजात कुंड और तुलसी है। **कमर में कांची/करधनी :** भगवान के कमर में करधनी धारण कराई गई है, जिससे रतनजोत बनाया गया है। स्वर्ण पर निर्मित इसमें प्राकृतिक सुषमा का अंकन है और हीरे, माणिक्य, मोतियों और पन्नों से यह अलंकृत है। पवित्रता का बोध कराने वाली छोटी-छोटी 05 घंटियां भी इसमें लगाई गई है। इन घंटियों से मोती, माणिक्य और पन्ने की लड़ियां लटक रही है। **भुज बंद/अंगद :** भगवान की दोनों भुजाओं में स्वर्ण और रत्न से जड़ित भुजबंध बनाए गए हैं। **कोंकण कंगन :** दोनों ही हाथों में रत्न के सुंदर कंगन पहनाए गए हैं। **मुद्रिका :** बाएं और दाएं दोनों हाथों की मुद्रिकाओं में रत्न जणित मुद्रिकाएं सुशोभित हैं। जिनमें से मोतिकाया लटक रही है। **पैरों में छड़ा और पैजानिया :** पैरों में छड़ा और पैजानिया पहनाए गए हैं, जो स्वर्ण की हैं। **भगवान के बाएं हाथ :** भगवान के बाएं हाथ में स्वर्ण का धनुष है। जिसमें मोती माणिक और पन्ने की लटकने लगी हैं। इसी तरह दाहिने हाथ में स्वर्ण का बाण धारण कराया गया है। **भगवान के गले में :** भगवान के गले में रंग-बिरंगे फूलों की आकृतियों वाली वनमाला धारण कराई गई है। जिसका निर्माण हस्त शिल्प के लिए समर्पित शिल्प मंजरी संस्था ने किया है। **भगवान के मस्तक पर :** भगवान के मस्तक पर उनके पारंपरिक मंगल तिलक को हीरे और माणिक्य से रचा गया है। **भगवान के चरणों के नीचे :** भगवान के चरणों के नीचे जो कमल सुसज्जित है, उसके नीचे एक स्वर्णमाला सजाई गई है। चूंकि पांच वर्ष में बालक स्वरूप में श्रीरामलला विराजे हैं। इसलिए पारंपरिक ढंग से उनके सम्मुख खेलने के लिए चांदी से निर्मित खिलौने रखे गए हैं। ये झुनझुना, हाथी, घोड़ा, ऊंट, खिलौना गाड़ी तथा लट्टू हैं। भगवान के प्रवाह मंडल के ऊपर स्वर्ण का छत्र लगा है।

राम आग नहीं...

राम प्रवाह हैं, राम नेति भी हैं, राम नीति भी हैं। राम नित्यता भी हैं, राम निरंतरता भी हैं, राम व्यापक हैं, विश्व हैं, विश्वात्मा हैं। इसलिए जब राम की प्रतिष्ठा होती है तो उसका प्रभाव शताब्दियों तक नहीं होता उसका प्रभाव हजारों वर्षों तक होता है। उधर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को अयोध्या में नवनिर्मित श्रीराम जन्मभूमि मंदिर में श्रीरामलला के प्राण-प्रतिष्ठा समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि सदियों की लंबी प्रतीक्षा के बाद आज हमारे राम आ गए हैं। हमारे राम लला अब टेंट में नहीं बल्कि दिव्य मंदिर में रहेंगे। प्रधानमंत्री ने देशवासियों से अब अगले एक हजार वर्षों के भारत की नींव रखने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि त्रेता युग में भगवान राम के आने के बाद राम राज्य की स्थापना हुई। वह हजारों वर्षों तक हमें रास्ता दिखाते रहे। अब, अयोध्या की भूमि हमसे सवाल पूछ रही है, सदियों का इंतजार खत्म हो गया है। मोदी ने कहा कि आज मैं पूरे पवित्र मन से महसूस कर रहा हूं कि कालचक्र बदल रहा है। ये सुखद संयोग है कि हमारी पीढ़ी को एक कालजयी पथ के शिल्पकार के रूप में चुना गया है। हजार वर्ष बाद की पीढ़ी राष्ट्रनिर्माण के हमारे आज के कार्यों को याद करेगी। इसलिए मैं कहता हूं - यही समय है, सही समय है। हमें आज से, इस पवित्र समय से अगले 1 हजार साल के भारत की नींव रखनी है। मंदिर निर्माण से आगे बढ़कर हम सभी देशवासी इस पल से समर्थ, सक्षम, भव्य, दिव्य भारत के निर्माण की सौगंध लेते हैं। प्रधानमंत्री ने न्याय करने और कानून के मुताबिक मंदिर बनाने के लिए सुप्रीम कोर्ट का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि भारत के संविधान की पहली प्रति में भगवान राम विराजमान हैं। संविधान के अस्तित्व में आने के बाद भी दशकों तक प्रभु श्रीराम के अस्तित्व को लेकर कानूनी लड़ाई चली। मैं आभार व्यक्त करूंगा भारत की न्यायपालिका का, जिसने न्याय की लाज रख ली। प्रधानमंत्री ने कहा कि आज देश में निराशा के लिए रत्ती भर भी जगह नहीं है। भगवान राम के अस्तित्व पर सवाल उठाने वालों को आड़े हाथों लेते हुए मोदी ने कहा कि कुछ लोग कहते थे कि राम मंदिर बना तो आग लग जाएगी। ऐसे लोग भारत के सामाजिक भाव की पवित्रता को नहीं जान पाए। रामलला के इस मंदिर का निर्माण भारतीय समाज के शांति, धैर्य, आपसी सद्भाव और समन्वय का भी प्रतीक है। ये निर्माण किसी आग को नहीं बल्कि ऊर्जा को जन्म दे रहा है। मोदी ने ऐसे लोगों का अपनी सोच पर पुनर्विचार करने की सलाह देते हुए कहा कि राम आग नहीं है, राम ऊर्जा है। राम विवाद नहीं, राम समाधान है। राम सिर्फ हमारे नहीं, राम तो सबके हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि 22 जनवरी, 2024 का ये सूरज एक अद्भुत आभा लेकर आया है। ये कैलेंडर पर लिखी एक तारीख नहीं बल्कि ये एक नए कालचक्र का उद्गम है। आज गांव-गांव में एक साथ कीर्तन, संकीर्तन हो रहे हैं। आज मंदिरों में उत्सव हो रहे हैं, स्वच्छता अभियान चलाए जा रहे हैं, पूरा देश आज दीपावली मना रहा है। आज शाम घर-घर राम ज्योति प्रज्वलित करने की तैयारी है। उन्होंने मंदिर निर्माण में हुई देरी के लिए प्रभु श्रीराम से क्षमा याचना की। उन्होंने कहा कि हमारे पुरुषार्थ, त्याग और तपस्या में कुछ तो कमी रह गई होगी कि हम इतनी सदियों तक ये कार्य कर नहीं पाए। आज वो कमी पूरी हुई है। उन्होंने कहा कि आज हमारे राम आ गए हैं। सदियों की प्रतीक्षा के बाद हमारे राम आ गए हैं। सदियों के अभूतपूर्व धैर्य, अनगिनत बलिदान, त्याग और तपस्या के बाद हमारे प्रभु राम आ गए हैं। इस शुभ घड़ी की आप सभी को, समस्त देशवासियों को बहुत-बहुत बधाई। उन्होंने कहा कि हमारे रामलला अब टेंट में नहीं रहेंगे। हमारे रामलला अब इस दिव्य मंदिर में रहेंगे। मेरा पक्का विश्वास और अपार श्रद्धा है कि जो घटित हुआ है, इसकी अनुभूति देश के, विश्व के कोने-कोने में रामभक्तों को हो रही होगी। ये क्षण आलौकिक है, ये पल पवित्रतम है। प्रधानमंत्री ने प्राण-प्रतिष्ठा के लिए अपने 11 दिवसीय धार्मिक अनुष्ठान का जिक्र करते हुए कहा कि उन्होंने इस दौरान उन स्थानों पर जाने की कोशिश की जहां भगवान राम ने कदम रखे थे। पिछले 11 दिनों में अलग-अलग भाषाओं और अलग-अलग राज्यों में रामायण सुनने का मौका मिला। भगवान राम को परिभाषित करते हुए संतों ने कहा है कि भगवान राम हर किसी में बसते हैं। हर युग के लोगों ने भगवान राम को जीया है। हर युग के लोगों ने युगों ने भगवान राम को अपनी भाषाओं में व्यक्त किया है।

गुलामी का अंत ...

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत में सब कुछ संभव है। देश की जनता को एक नई सुबह देखने का सौभाग्य प्राप्त हुआ है। एक प्रश्न के उत्तर में मुख्यमंत्री ने कहा कि पूरे देश में राम भक्ति का माहौल है और अब यही माहौल बना रहेगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत फिर से विश्व गुरू बनेगा।

रामलला के साथ ...

के दिन का इतिहास जो-जो सुनेगा वह राष्ट्र कार्य को समर्पित होगा और खुद का कल्याण करेगा। प्रधानमंत्री ने तप किया। अब हमें भी तप करना है। मानस की चौपाइयों को सुनाते हुए संघ प्रमुख ने कहा कि राम राज्य का जो वर्णन किया गया है। उस भारत माता की हम संतानें हैं। कलह को विदाई देनी होगी। छोटे-छोट कलह को छोड़कर हमें आगे बढ़ना होगा। भगवान राम के चरित्र को अपनाना होगा। उन्होंने कहा कि कठिन भाषण बहुत हो सकता है। युगानुकूल आचरण देखना होगा। सत्य कहता है कि सब घट में राम हैं। हमें यह जानकार आपस में समन्वय करके चलना होगा। यह धर्म का पहला आचरण है। दूसरा कदम करुणा है। इसका मतलब सेवा और परोपकार करना है। सरकार करती है लेकिन हमें भी करना है। दोनों हाथों से कमाएं और अपने साथ-साथ दूसरों की सेवा करें। दान करें। इसके बाद खुद को संयम में रखने को कहा गया है। अनुशासन का पालन करना है। अपने समाज, कुटुम्ब, सामाजिक जीवन में अनुशासन का पालन करना है। भगिनी निवेदिता कहती हैं कि यही असली जीवन है। उन्होंने कहा कि पांच सौ वर्षों तक अनेक तपस्वियों ने अपने प्राणों की आहुति तक दी। इसके बाद यह अवसर आया है। मुझे यहां बिठाया गया तो मैं सोचता हूं कि मैंने क्या किया। उन आत्माओं को समर्पित करते हुए इसे मैं इसे स्वीकार करता हूं। मुझे राम के आदर्शों को लेकर जाना है। मंदिर निर्माण के साथ ही विश्व गुरु का सपना भी पूरा हो जाएगा।

मेहमानों को मिला ...

पहले कहा था कि मेगा समारोह में 7,000 से अधिक मेहमानों को आमंत्रित किया गया था। अभिनेता अनुपम खेर, मनोज जोशी, गायक कैलाश खेर, जुबिन नौटियाल, गीतकार प्रसून जोशी भी यहां जल्दी पहुंचने वाले मेहमानों में शामिल थे। रविवार को हेमा मालिनी, कंगना रनौत, श्री श्री रविशंकर, मोरारी बापू, रजनीकांत, पवन कल्याण, मधुर भंडारकर, सुभाष घई, शेफाली शाह और सोनू निगम अयोध्या पहुंचे थे। कार्यक्रम स्थल पर अतिथियों का स्वागत मंदिर परिसर की जीवंत पुष्प सजावट से किया गया। सूत्रों ने बताया कि मेहमानों को वस्तुओं का एक विशेष सेट उपहार में दिया गया है, जिसमें अयोध्या पर एक किताब, एक धातु की *दीया,* एक तुलसी *माला* और भगवान राम के नाम वाला एक दुपट्टा शामिल है। पुस्तक का शीर्षक *अयोध्या धाम- द लॉर्ड्स एबोड* है, जिसके कवर पर रामलला की पुरानी मूर्ति की छवि भी है। *माला* एक कपड़े की थैली लेकर आई है, जिस पर *उत्तर प्रदेश पर्यटन* और इसकी टैगलाइन लिखी है। मेहमानों को चार लड्डू, चिप्स, रेवड़ी, काजू और किशमिश का डिब्बा भी मिला है। धार्मिक उत्साह ने अयोध्या को जकड़ लिया है और कड़कड़ाती ठंड उन लोगों के उत्साह को कम नहीं कर पाई है, जो इस ऐतिहासिक क्षण का गवाह बनने के लिए यहां आए हैं। इस भव्य मंदिर का निर्माण पारंपरिक नागर शैली में किया गया। इसकी लंबाई (पूर्व-पश्चिम) 380 फीट, चौड़ाई 250 फीट और अंततः 161 फीट (शिखर) हो जाएगी। यह 392 स्तंभों पर आधारित है और इसमें 44 दरवाजे हैं। मंदिर के स्तंभों और दीवारों पर हिंदू देवी-देवताओं और देवी-देवताओं के जटिल चित्रण प्रदर्शित हैं। रामलला की नई मूर्ति को मंदिर के भूतल पर गर्भगृह में रखा गया है।

आज से दर्शन शुरू...

मुताबिक मंदिर को दर्शन के लिए सुबह और शाम में खोला जाएगा। सुबह 7:00 से 11:30 तक खुला रहेगा जबकि दोपहर में 2:00 से शाम 7:00 बजे तक दर्शन हो सकेंगे। कुल मिलाकर देखें तो 24 घंटे में 9 घंटे ही श्री राम के दर्शन आम लोग कर सकेंगे। आरती का समय सुबह 6:30 और शाम को 7:30 रहने वाला है। सुबह की आरती में शामिल होने के लिए पहले से बुकिंग करवानी होगी। शाम की आरती को लेकर भी यही प्रक्रिया है। बुकिंग के लिए आप श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की वेबसाइट पर जाकर अपना डिटेल्स भर सकते हैं। फिलहाल पास फ्री में रखा गया है। एक वक्त की आरती के लिए सिर्फ 30 लोगों को ही पास दिया जाएगा। बाद में इस संख्या को बढ़ाया जा सकता है। हालांकि, इस दौरान हमने खूब चर्चा यह भी सुनी थी कि मंदिर का निर्माण पूरा नहीं हुआ है। ऐसे में सवाल यह भी है कि मंदिर का निर्माण कब पूरा होगाड़ राम मंदिर निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्र ने बताया कि इस साल मंदिर पूरा बनकर तैयार हो जाएगा। उन्होंने बताया कि 23 जनवरी से ही पूरे उत्साह और चरणबद्ध तरीके से निर्माण कार्य को फिर से चालू कर दिया जाएगा। मुख्य मंदिर के अलावा 6 मंदिर और बनने हैं। यह मंदिर पूरा परिसर 70 एकड़ में बन रहा है।

अभिषेक बहुसंख्यकवाद ...

की भी अनुमति दे दी। इसमें कहा गया है, पिछले 31 वर्षों के विकास, जिसके कारण आज का अभिषेक समारोह हुआ, भारत में बढ़ते बहुसंख्यकवाद का संकेत है। ये भारतीय मुसलमानों के सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक हाशिए पर जाने के लिए चल रहे प्रयासों का एक महत्वपूर्ण पहलू है। पाकिस्तान ने यह भी दावा किया कि मस्जिद भारत के लोकतंत्र पर एक धब्बा है। देश ने दावा किया, विशेष रूप से वाराणसी में ज्ञानवापी मस्जिद और मथुरा में शाही ईदगाह मस्जिद सहित मस्जिदों की सूची बढ़ती जा रही है, जो अपवित्रता और विनाश के समान खतरे का सामना कर रही हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज अभिषेक समारोह की अध्यक्षता की, जिसमें हजारों गणमान्य व्यक्तियों और स्थानीय लोगों ने भाग लिया। कई राजनेताओं, अभिनेताओं और खेल सितारों ने आज अयोध्या का दौरा किया और नवनिर्मित मंदिर में भगवान राम की मूर्ति के स्थापना समारोह में भाग लिया। भारत के सर्वोच्च न्यायालय ने 2019 में कहा कि ऐसे सबूत हैं जो बाबरी स्थल पर एक हिंदू मंदिर के अस्तित्व को साबित करते हैं। इसने विवादित स्थल पर मंदिर के निर्माण की अनुमति दे दी। इसने अधिकारियों को एक भव्य मस्जिद के निर्माण के लिए जमीन का एक अलग टुकड़ा उपलब्ध कराने का भी आदेश दिया।

पूरे अमेरिका के ...

पर जश्न मना रहे हैं। मुस्लिम ऑफ अमेरिका संगठन के सदस्य और पाकिस्तानी अमेरिकी साजिद तरार भी वर्जीनिया के एसवी लोटस टेंपल में आयोजित कार्यक्रम में शामिल हुए। उन्होंने कहा कि मैं यहां शांति और सद्भाव का संदेश लेकर आया हूं। हम वर्षों से उपमहाद्वीप में एक साथ रह रहे हैं लेकिन आज हमारे बीच बहुत सारे मतभेद पैदा हो गए हैं। मुझे लगता है कि अब आगे बढ़ने का समय आ गया है। उन्होंने मंदिर के उद्घाटन के लिए हिंदू समुदाय को बधाई दी।

एक करोड़ घरों ...

पीएम मोदी ने आगे कहा कि अयोध्या से लौटने के बाद मैंने पहला निर्णय लिया है कि हमारी सरकार 1 करोड़ घरों पर रूफटॉप सोलर लगाने के लक्ष्य के साथ प्रधानमंत्री सूर्योदय योजना प्रारंभ करेगी। इससे गरीब और मध्यम वर्ग का बिजली बिल तो कम होगा ही, साथ ही भारत ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर भी बनेगा।

प्रतीक्षा और प्रतिज्ञा...

की प्रतीक्षा में न जाने हमारी कितनी पीढ़ियां खप गईं लेकिन कोई भी डर और आतंक रामजन्मभूमि पर फिर से मंदिर बनाने के संकल्प और विश्वास को डिगा नहीं पाया। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में यह संकल्प सिद्ध हुआ है। इसके लिए वह हृदय की गहराइयों से उनका आभार व्यक्त करते हैं। शाह ने कहा कि आज के इस पावन दिन पर वह सदियों तक इस संघर्ष और संकल्प को जीवित रखने वाले महापुरुषों को भी नमन करते हैं, जिन्होंने अनेक अपमान और यातनाएं सहीं परन्तु धर्म का मार्ग नहीं छोड़ा। विश्व हिंदू परिषद, हजारों श्रेष्ठ संत और असंख्य नामी-गुमनामी लोगों के संघर्ष का आज सुखद व सुफल परिणाम आया है। यह विशाल श्रीराम जन्मभूमि मंदिर युगों-युगों तक अविरल अविनाशी सनातन संस्कृति का अद्वितीय प्रतीक रहेगा। उल्लेखनीय है कि आज अयोध्या में राम जन्मभूमि पर राम मंदिर में रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा हुई। प्रधानमंत्री मोदी ने पूरे विधि-विधान से मंदिर के गर्भगृह रामलला को प्रतिष्ठित किया।

राममय समूचा असम, मंदिरों में पूजन-अर्चना, निकलीं शोभायात्राएं

गुवाहाटी से निकाली गई रैली।

वशिष्ठ स्थित राम मंदिर।

चाबीपुल राम जानकी मंदिर

कोकराझाड़ से निकाली गई रैली।

गुवाहाटी (हि.स.)। अयोध्या में नवनिर्मित राममंदिर में श्री राम की प्राण-प्रतिष्ठा को लेकर पूरे देश में हर्षोल्लास का माहौल है। असम में भी सुबह से ही राम भक्ति का माहौल देखने को मिला। असम के अधिकांश मठों, मंदिरों, धार्मिक स्थलों और नामघरों में राम मंदिर में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित हो रहे हैं। समूचा राज्य आज राममय दिखाई दे रहा है। अयोध्या के कार्यक्रम को लेकर राज्य के कई हिस्सों में भी धार्मिक कार्यक्रम एवं शोभायाएं निकाली गयीं। शाम के समय सभी मंदिरों में दीप जलाने की भी तैयारी की गयी है। राजधानी गुवाहाटी के सभी मंदिरों को फूलों से भव्य रूप से सजाया गया है। मुख्यमंत्री डॉ हिमंत विश्व शर्मा ने गुवाहाटी के फटासील आमबाड़ी स्थित हरिजन कॉलोनी राम मंदिर में पहुंचकर पूजा-अर्चना की। अधिकांश मंदिरों की ओर से राम शोभायात्रा निकाली गयी। जिसमें हजारों की संख्या में पुरुष एवं महिलाओं ने हिस्सा लिया। जोरहाट जिला के टियक स्थित प्रसिद्ध ढेकियाखोवा बरनामघर विशेष पूजन-अर्चन किया गया। डिमा हसाओ जिला मुख्यालय हाफलांग शहर के सनातनी जागरण मंच ने सांस्कृतिक शोभायात्रा निकाली गयी। इस दौरान पूरा शहर श्रीराम के नारों से गुंजायमान हो उठा। इसी तरह गोलाघाट जिला शहर में निकाली गयी शोभायात्रा में राज्य की वित्त मंत्री अजंता नेउग ने हिस्सा लिया। वहीं नलबाड़ी जिला के सर्थेबाड़ी में श्री रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा के मौके पर एक हनुमान मंदिर का उद्घाटन किया गया। इस मंदिर का निर्माण सीआरपीएफ के जवान बीरेन डेका के प्रयास से किया गया। मंदिर को आज पूजा अर्चना के लिए खोल दिया गया।

वशिष्ठ से हमारे संवाददाता बताते हैं कि गुवाहाटी महानगर के वशिष्ठ स्थित राम मंदिर में हजारों राम भक्तों ने आज पूजा अर्चना की, ज्ञात है कि अयोध्या स्थित श्री राम मंदिर में श्री राम भगवान के बाल रूप की स्थापना कर प्राण-प्रतिष्ठा की गई इसी के उपलक्ष में पूरे देश विदेश सहित गुवाहाटी में भी विभिन्न मंदिरों में पूजा अर्चना की गई। आज सुबह से ही बेलतला क्षेत्र के विभिन्न सामाजिक धार्मिक संगठनों द्वारा भव्य शोभायात्रा के रूप में पूरे गाजियाबाद के साथ झांकी निकाली गई जिसका समापन श्री राम मंदिर पहुंचकर हुआ, वशिष्ठ स्थित श्री राम मंदिर के मुख्य पुजारी प्रकाश चंद्र शर्मा के अनुसार लखी मंदिर से श्री श्याम सत्संग मंडल की झांकी एवं शोभा यात्रा आई उसके पश्चात राम भक्त मंडल तथा अन्य संगठनों के लोग श्री रामनामी झंडा और गाजेबाज के साथ मंदिर पहुंचे जहां उनका स्वागत मंदिर पक्ष के लोगों ने किया इसके उपरांत शुभ मुहूर्त में अयोध्या स्थित श्री राम मंदिर में भगवान श्री राम की प्राण-प्रतिष्ठा के बाद गुवाहाटी के वशिष्ठ स्थित राम मंदिर में पूजा अर्चना के बाद प्रसाद वितरण किया गया इसी के साथ ही बेलतला क्षेत्र के भजन कलाकारों द्वारा भजनों का कार्यक्रम चला रहा वहीं संध्या समय स्थानीय लोगों के साथ मिलकर आर्मी के जवानों ने दीप प्रज्वलित कर राम मंदिर के स्थापना एवं प्राण-प्रतिष्ठा दिवस की खुशियां मनाईं।

चाबीपुल राम जानकी मंदिर से निकली विराट शोभायात्रा

चाबीपुल के हमारे संवाददाता बताते हैं कि चाबीपुल स्थित श्री राम जानकी मंदिर सेवा समिति के तत्वावधान में अयोध्या में रामलला प्राण-प्रतिष्ठा के शुभ अवसर पर चाबीपुल से आज विराट शोभायात्रा निकाली गई। शोभायात्रा में बड़ी संख्या में महिलाओं, पुरुषों के अलावा बच्चों ने बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया। शोभायात्रा का शुभारंभ चाबीपुल स्थित श्री राम जानकी मंदिर से किया गया। इस मौके पर आवासीय व शहरी विकास मामलों के मंत्री अशोक सिंहल, आरएसएस प्रचारक उल्लास कुलकर्णी पूर्व गुवाहाटी से विधायक सिद्धार्थ भट्टाचार्य, आईपीएस अधिकारी आनंद मिश्रा पूर्व सांसद रमन देखा जीएमसी पार्षद रतन सिंह शंकर चक्रवर्ती सहित कई विशिष्ट अतिथियों ने रैली में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। इस दौरान समूचा इलाका जय श्रीराम के जयकारों के गुंजामन हो उठा। शोभायात्रा में प्रभु श्री राम, माता सीता, भाई लक्ष्मण, वीर बजरंगबली की जीवंत झांकियां लोगों के बीच आकर्षण का केंद्र रही। शोभायात्रा चाबीपुल से होते हुए आर्या चौक, रिहाबाड़ी, एटी रोड, आठगांव के रास्ते पुनः मंदिर प्रांगण पहुंची। रास्ते भर रैली को देखने के लिए राम भक्तों की जगह-जगह भारी भीड़ देखी गई। वहीं शाम को श्री राम जानकी मंदिर सेवा समिति की ओर से दीपोत्सव का आयोजन किया गया, जिसमें समाज के हर वर्ग के लोगों ने बड़चढ़ कर हिस्सा लिया। तत्पश्चात सायं 7 बजे से भक्तों के लिए प्रसाद स्वरूप अमृत भंडारे का आयोजन मंदिर सेवा समिति की ओर से किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में भक्तों ने प्रसाद ग्रहण किया। इससे पूर्व मंदिर के महंत किशोर दास की उपस्थिति में आज सुबह अखंड रामायण पाठ को विराम महाआरती के साथ दिया गया। दो दिवसीय इस भव्य आयोजन को सफल बनाने में श्री राम-जानकी मंदिर सेवा समिति के सभी सदस्यों का भरपूर सहयोग रहा।

प्राण-प्रतिष्ठा : कोकराझाड़ में रैली, यज्ञ और दीप प्रजोलन किया गया

कोकराझाड़ से हमारे संवाददाता के मुताबिक अयोध्या में आज राम लाला प्राण-प्रतिष्ठा का कार्यक्रम का आयोजन हुवा वही आज कोकराझाड़ जिले के चिताला, फकीराग्राम, कोकराझाड़, ओर शक्तिआश्रम में बिभिन्न कार्यक्रम का आयोजन किया गया वही चिताला राम मंदिर प्राण-प्रतिष्ठा आयोजक समिति के नेतृत्व में आज सुबह 10:00 बजे से एक बिशाल रैली का आयोजन किया गया इस रैली में महिलाओं नें एक रंग की साड़ी पहिनी हुई थी इस रैली में हजारो हजार की संख्या में लोग उपस्थित थे। यह रैली चिताला बसंती मंदिर से सुरु हुवा ओर प्रतापखाता आमतौली संकर पारा, मिस्त्रीपारा माजेरगांव, चिताला बाजार में गया ओर बासंती मंदिर में समाप्त हुवा। इस रैली में चितला के सुकुमार देवनाथ, राजू बर्मन, बिशु देवनाथ, रंजीत देवनाथ, लखन साहा, सुरेश साहा, निर्मल साहा, इंद्रजीत देवनाथ, निकुंजो तालुकदार सहित कई जाने माने लोग उपस्थित थे। यहां महा प्रसाद बितरण किया गया। वही दूसरी ओर कोकराझाड़ जिले के फकीराग्राम कुमारगंज बाजार में सुबह यज्ञ का आयोजन किया गया इसके बाद हजारो की संख्या में लोगो नें मिलकर एक बिसाल सोभायात्रा का आयोजन किया गया इस सोभायात्रा में जय श्रीराम के नारो से पूरा इलाका गुज गया। इसके बाद महाप्रसाद बितरण किया गया शाम को दीप प्रजोलन का कार्यकम आयोजन किया गया वही शक्तिआश्रम में हिन्दू जागरण असम के नेतृत्व में शक्तिआश्रम के शिव मंदिर प्रांगण में यज्ञ कार्यक्रम का आयोजन किया गया साथ ही कृर्तन कार्यक्रम हुई वही अयोध्या में आज राम लाला प्राण-प्रतिष्ठा कार्यक्रम का सीधा प्रसारण लोगो को दिखाया गया।

रामलला प्राण-प्रतिष्ठाः राज्यपाल ने दुर्गा मंदिर में राम नाम संकीर्तन के पवित्र पाठ में भाग लिया

इटानगर (हि.स.)। अरुणाचल प्रदेश के राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) केटी परनायक ने आज राजधानी के नीति विहार स्थित दुर्गा मंदिर में रामलला प्राण-प्रतिष्ठा समारोह के शुभ अवसर पर राम नाम संकीर्तन के पवित्र पाठ में भाग लिया। राज्यपाल ने पूजा-अर्चना की और सभी के लिए शांति और समृद्धि की प्रार्थना की। राज्यपाल ने श्री राम जन्मभूमि मंदिर, अयोध्या में रामलला की प्रतिष्ठा के पवित्र अवसर पर अरुणाचल प्रदेश के लोगों को बधाई और शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि भगवान राम धर्म, भक्ति और त्याग के प्रतीक हैं और अपने साहस, निष्ठा और भक्ति के लिए प्रसिद्ध हैं। उन्होंने कहा, भगवान राम दृढ़ता और न्याय के प्रतीक हैं और प्रत्येक मनुष्य में पूर्णता के आदर्श हैं। राज्यपाल ने लोगों से भगवान राम की वीरता, सदाचार और नैतिकता को अपनाने की अपील की, जो मूल्यों और सिद्धांतों के प्रतीक हैं, जिनका दुनिया भर में लाखों लोग सम्मान करते हैं। उन्होंने सभी से विकसित भारत के दृष्टिकोण को साकार करने के लिए राम राज्य के सिद्धांत और सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास की भावना का पालन करने का आह्वान किया। राज्यपाल ने मंदिर परिसर में सभी वर्ग के लोगों के साथ प्राण-प्रतिष्ठा कार्यक्रम का सीधा प्रसारण देखा। इससे पहले, मंदिर पहुंचने पर राज्यपाल का राज्य के पर्यावरण एवं वन और खेल एवं युवा मामलों के मंत्री मामा नातुंग और मंदिर समिति ने गर्मजोशी से स्वागत किया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में अधिकारियों, पेशेवरों और सभी समुदायों के लोगों ने भाग लिया।

भारत जोड़ो न्याय यात्रा के लिए असम पुलिस ने जारी की एडवाइजरी

गुवाहाटी (हि.स.)। राज्य में कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए असम पुलिस ने कांग्रेस सांसद राहुल गांधी द्वारा आयोजित *भारत जोड़ो न्याय यात्रा* के मद्देनजर एक एडवाइजरी जारी की है। एडवाइजरी के अनुसार यात्रा के दौरान निर्धारित स्थानों पर ही ठहराव की अनुमति दी जाएगी। कार्यक्रम के सुचारू संचालन को सुनिश्चित करने के लिए पुलिस यह निर्देश जारी किया गया है। एडवाइजरी के अनुसार आयोजकों को सलाह गई है कि राहुल गांधी एएसएल के प्रस्तावों पर कायम रहें, क्योंकि जेड श्रेणी एएसएल पीपी आयोजन का हिस्सा है। एएसएल पीपी को सलाह दी गई है कि वह स्थानीय प्रशासन और पुलिस को अग्रिम सूचना देकर ही वाहन छोड़ें। असम पुलिस के एक आईजीपी व्यवस्थाओं की निगरानी कर रहे हैं। एसपी रैंक के अधिकारी पर्याप्त बल के साथ रूट तैनाती के अलावा काफिले के साथ यात्रा कर रहे हैं। सड़क कार्यक्रमों में भाग लेने वालों को सलाह दी गई है कि वे आयोजन के स्थानीय राजनीतिक विरोध का शारीरिक रूप से विरोध न करें और इसे तैनात या साथ आने वाली पुलिस टुकड़ी पर छोड़ दें। डीजीपी जीपी सिंह ने एक्स पर लिखा है कि एएसएल में चर्चा और निर्णय के अनुसार हम सड़क कार्यक्रम के लिए सुरक्षित मार्ग प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। उल्लेखनीय है कि असम के मुख्यमंत्री डॉ हिमंत विश्व शर्मा द्वारा पुलिस को राज्य के शोणितपुर जिले में कांग्रेस नेता जयराम रमेश की कार पर कथित हमले की जांच करने का आदेश देने के बाद पुलिस द्वारा यह एडवाइजरी जारी की गई है।

अब्दुल मेडिकल स्टोर और डायग्नोस्टिक सेंटर का उद्घाटन

नगरबेड़ा (विभास)। ग्वालपाड़ा जिले के पूर्वी गोवालपाड़ा निर्वाचन क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले शिमलिटोला में आज अब्दुल मेडिकल एंड डायग्नोस्टिक नामक एक केंद्र का उद्घाटन किया गया, ताकि रोगियों के उपचार की सुविधा प्रदान की जा सके। उल्लेखनीय है कि केंद्र में प्रतिदिन सुबह 8 बजे से रात 8 बजे तक सभी प्रकार के डिजिटल एक्सरे करने की सुविधा होगी। क्लिनिक का उद्घाटन करते हुए, दोनों वक्ताओं ने अब्दुल हई नागरिकों को शिमलिटोला जैसे दूरस्थ स्थान पर एक्स-रे केंद्र खोलकर मरीजों की सेवा के लिए आगे आने के लिए हार्दिक धन्यवाद व्यक्त किया। सेंटर के संचालक अब्दुल हई नगरी ने बताया कि बहुत ही कम समय में सेंटर में अल्ट्रासाउंड के अलावा लेबोरेटरी, अच्छी क्वालिटी के डॉक्टर उपलब्ध हो जाएंगे। इस अवसर पर सेवानिवृत्त प्रवक्ता अब्दुल हलीम, बाजार प्रबंध समिति के सचिव हनीफुद्दीन अहमद, रफीकुल इस्लाम, हबीबुर्रहमान, अब्दुल हई नगरी के पिता मुन्नाफ अली सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित थे।

खाटू श्याम बाबा का विराट महोत्सव आयोजित

गुवाहाटी (विभास)। श्री श्याम सत्संग मंडल बेलतला द्वारा खाटू श्याम बाबा का भव्य श्रृंगार के साथ महोत्सव मनाया गया। ज्ञात है कि श्री श्याम सत्संग मंडल बेलतला द्वारा श्याम बाबा का महोत्सव पिछले कई सालों से आयोजित किया जा रहा है, जहां भारत के विभिन्न प्रदेशों के ख्याति प्राप्त भजन कलाकारों को लेकर जागरण तथा झांकियो का प्रदर्शन किया जाता है। इस वर्ष भी श्याम बाबा के भव्य श्रृंगार के साथ ही छप्पन भोग लगाकर विद्वान ब्राह्मणों द्वारा अखंड ज्योति जलाकर पूजन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। तदुपरांत पूरी रात भजनों की गंगा बही। इस बार भी कानपुर से आए प्रसिद्ध कलाकार रामजी श्याम जी ने अपने भजनों से पूरे माहौल को भक्तिमय बना दिया। बीच-बीच में मनोरम झांकियो ने माहौल को और भी गरिमामय बना दिया। दो दिवसीय कार्यक्रम में पहले दिन 21 तारीख को बाबा का श्रृंगार, अखंड ज्योति तथा रात्रि जागरण हुआ। दूसरे दिन अर्थात 22 को महा प्रसाद के साथ ही महोत्सव का समापन हो गया। समिति के पदाधिकारियों ने कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए पधारे हुए सभी लोगों का आभार व्यक्त किया।

असम योग महोत्सव का समापन समारोह संपन्न

गुवाहाटी (विभास)। भारतीय योग संस्कृति और योग चिकित्सा केंद्र के तत्वावधान में असम मिसिंग काउंसिलर के प्रत्यक्ष सहयोग और रुद्राक्ष योग केंद्र के सौजन्य से धेमाजी जिले के गोगामुख में 12 दिसंबर को राज्य के शिक्षा मंत्री रनोज पेगू की ओर शुभारंभ तथा राज्य के विभिन्न जिलों में व्यापक कार्यक्रमों के साथ 40 दिनों तक आयोजित हुए 17वें योग महोत्सव का मालीगांव स्थित सेंट्रल गोटानगर के योगा तीर्थ कंप्लेक्स में समापन किया गया । समापन समारोह में योग प्रदर्शन, बिहू नृत्य, मिसिंग कृष्टि नृत्य, बंगाली धामाइल नृत्य, जुंबा, समूह योगाभ्यास और असम के विभिन्न जिलों में आयोजित योग प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया,जिसमें प्रतियोगियों को पुरस्कार और प्रमाण पत्र वितरण सम्मानित थे। इस कार्यक्रम में 300 से अधिक योग एथलीटों, योग प्रशिक्षकों और योग सीखने वालों ने भाग लिया। भारतीय योग संस्कृति और योग चिकित्सा केंद्र के संस्थापक अध्यक्ष योगाचार्य शुभाशीष कोर,जोरहाट योग विज्ञान महाविद्यालय के प्रिंसिपल प्रवीण कुमार गोस्वामी, विवेकानंद केंद्र, गुवाहाटी के सुभ्रत मुखर्जी, बीएसएनएल के सेवानिवृत्त कार्यकारी अभियंता चितरंजन बरुवा,भारतीय योग संस्कृति और योग चिकित्सा केंद्र के सचिव प्रफुल्ल बर्मन, 17वें असम योग महोत्सव के महासचिव डॉ. अनिल कुमार पेगु, योग प्रशिक्षक यादव पोखरेल, भानुमती पाओ, लिली हैंडिक, सुरेश पोद्दार, अधिवक्ता गौतम पटवारी, धेमाजी रुद्राक्ष योग केंद्र के योगी विद्यावती पाटीर, तनुजा पेगु, उत्तम काफके, रीता काफके, जोत्सना मीली,गुण सिंद्धु पेगु, गुवाहाटी मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल के योग थैरेपिस्ट चिक्तादेव कर के आलावा योग संगठक, योग प्रचारक और योग साधना पुरस्कार विजेता धनंजय तालुकदार उपस्थित थे। देश में कई तरह के योग चिकित्सक हैं। वे देश में सबसे लोकप्रिय योग चिकित्सक हैं। कार्यक्रम में 66वीं राष्ट्रीय स्कूल खेल योगासन प्रतियोगिता की रजत पदक विजेता उदिता रानी बोरा, सीबीएसई इंटर-स्कूल राष्ट्रीय योगासन प्रतियोगिता की रजत पदक विजेता कुही डेका और 52वीं केंद्रीय विद्यालय संगठन के अंतर-स्कूल राष्ट्रीय योग प्रतियोगिता की रजत पदक विजेता हर्षित कोंवर बोरा को विशेष उपलब्धियों के लिए प्रमाण पत्र और मोमेंटो से सम्मानित किया गया। देश के विभिन्न हिस्सों से 17 योगविद, योग संगठक और योग प्रचारकों को उनकी विशेष सेवाओं के सम्मान में योग प्रेरणा पुरस्कार, योग प्रचारकों, योग संगठक, योग विशेषज्ञों, योग मूर्तिकारों, योग अलंकार, योग सम्राट, योग सेवक, योग प्राचुर्य, योग विभूति, योग उत्कर्ष, योग ज्योति आदि उपाधियों से सम्मानित किया गया। समापन समारोह की मेजबानी योग विशेषज्ञ दिव्यज्योति डेका और अरुंधति तालुकदार ने की।

देश भर के कवियों ने प्रभु श्री राम की महिमा गाकर दीं काव्यांजलि

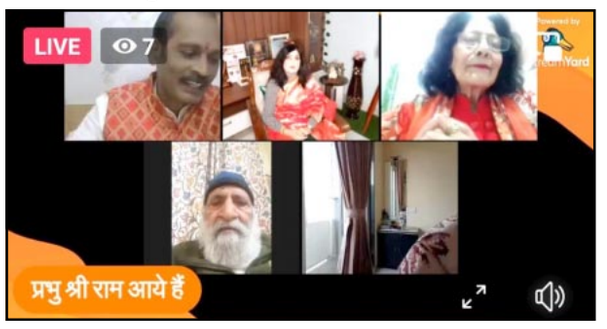

विश्वनाथ (विभास)। अयोध्या के भव्य श्री राम मंदिर के उद्घाटन और राम लला मूर्ति प्राण-प्रतिष्ठा कार्यक्रम के कारण संपूर्ण देश में राम लहर व्याप्त है। इस पावन तिथि को लेकर देश के साहित्यकारों में भी काफी उत्साह है। इसी क्रम में कल प्रभु श्रीराम पर आधारित एक राष्ट्रीय कवि सम्मेलन साहित्य सुधा मंच, न्यू बंगाईगांव, असम द्वारा *प्रभु श्री राम आये हैं* शीर्षक से ऑनलाइन प्लेटफार्म स्ट्रीम यार्ड पर आयोजित की गई। यह कार्यक्रम 21 जनवरी को संध्या 4 बजे से आयोजित की गई, जिसका फेसबुक व यूट्यूब पर भी लाइव प्रसारण हुआ जो तीन घंटे तक चली जिसे हजारों लोगों ने देखा। प्रमुख साहित्यिक संगठन साहित्य सुधा मंच, असम द्वारा आयोजित कार्यक्रम की जानकारी देते हुए सचिव संतोष कुमार महतो ने बताया कि इस राष्ट्रीय कवि सम्मेलन में देश भर के कई नामी-गिरामी साहित्यकारों ने भाग लिया जिसमें प्रयागराज से प्रोफेसर विमला व्यास, इंदौर से हेमलता शर्मा *भोली बेन,* पूर्णिया से बाबा वैद्यनाथ झा, शिलांग से डॉ. अनिता पंडा, दिल्ली से कंचन पाठक, लखनऊ से विजय कुमार मौर्य, तेजपुर से रीता सिंह सर्जना, मुम्बई से प्रभा प्रदीप शर्मा सागर, नागपुर से लक्ष्मण शिवहरे, प्रयागराज से सुनील गुप्ता, सिलीगुड़ी से मनोज कुमार शर्मा, खगड़िया से साधना भगत, विश्वनाथ से सैयदा आनोवारा खातून, बंगाईगांव से प्रफुल्ल कुमार गुप्ता, सीवान से रूचिका, विश्वनाथ से हरि प्रसाद शर्मा, यूमियम से ज्योत्सना वर्मा, महासमुंद से सुंदर लाल डडसेना, जयपुर से अशोक राय वत्स, डिब्रुगढ़ से ललित शर्मा, शिलांग से दया शर्मा, सहरसा से कृष्ण कुमार क्रांति, बंगाईगांव से मानब दे, सहरसा से प्रोफेसर शिप्रा वर्मा, भुवनेश्वर से विक्रमादित्य सिंह, विश्वनाथ से सुरेन्द्र कुमार सहनी, गुवाहाटी से आभा कुमारी चौधरी, विश्वनाथ से संतोष कुमार महतो, न्यू बंगाईगांव से विनय कुमार बुद्ध इत्यादि शामिल थे। इन कवि-कवयित्रियों ने प्रभु राम पर कविता सुनाकर माहौल को राममय बना दिया। प्रोफेसर, शिक्षाविद और वैज्ञानिक प्रोफेसर विमला व्यास की अध्यक्षता में आयोजित राष्ट्रीय कवि सम्मेलन में उन्होंने राम की महिमा का वर्णन कर अपनी रचना सुनाई। मंच के अध्यक्ष व असम के वरिष्ठ साहित्यकार विनय कुमार *बुद्ध* ने इस कार्यक्रम का सफलतापूर्वक संचालन किया। मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व कुलपति डॉ0 कुलदीप चंद अग्निहोत्री ने राम की महिमा का अपनी शब्दों में वर्णन किया। विशिष्ट अतिथि के रूप में रेलवे के उप-महाप्रबंधक विक्रम सिंह मौजूद थे। विशिष्ट अतिथि ने इस सुंदर आयोजन के लिए पूरी टीम और आमंत्रित कवियों को बधाई दिया। रेलवे के कनीय अभियंता रिंटू दे ने तकनिकी सहयोग दिया और श्रीमती रितु कुमार गुप्ता ने स्टुडियो में सफल संचालन के लिए अपना सहयोग दिया।

संपादकीया

एंटीबायोटिक्स के खतरे

आज भारत समेत दुनिया के तमाम देशों में एंटीबायोटिक्स दवाओं का अंधाधुंध सेवन लोगों के स्वास्थ्य के लिये एक गंभीर चुनौती बनता जा रहा है। दरअसल, इनके अत्यधिक प्रयोग से शरीर में रोगाणुओं से प्रतिरोध की क्षमता को खतरा पैदा होता जा रहा है। भारत के स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय यानी डीजीएचएस ने डॉक्टरों और फार्मासिस्टों को सलाह दी है कि दवाओं का विवेकपूर्ण उपयोग सुनिश्चित करें। जहां तक हो सके अधिक तीव्र क्षमता वाली एंटीबायोटिक्स दवाएं मरीजों को देने से परहेज करें। डॉक्टरों से कहा गया है कि रोगाणुरोधी दवाएं लिखते समय संकेत,कारण और औचित्य का स्पष्ट रूप से उल्लेख करें। क्योंकि कहा भी गया है 'अति सर्वत्र वर्जयेत्।' दरअसल, इन दवाओं में एंटीबॉयोटिक्स, एंटीवायरल, एंटीफंगल और एंटीपैरासिटिक्स दवाएं शामिल हैं। उल्लेखनीय है कि एंटीबायोटिक्स औषधि नियम 1945 की अनुसूची एच और एच-1 के अनुसार केवल पंजीकृत चिकित्सा पेशेवर ही ऐसी दवाओं को लेने के लिये परामर्श दे सकते हैं। हालांकि, नियम को लागू करने में सख्ती के अभाव तथा लोगों में जागरूकता की कमी के चलते ये दवाएं मेडिकल स्टोरों पर बिना डॉक्टरी परामर्श के भी बेची जाती हैं। यही वजह है कि रोगाणुरोधी दवाओं के अत्यधिक सेवन व बिना डॉक्टरी परामर्श के दिये जाने से लोगों में रोगप्रतिरोधक क्षमता में गिरावट आती है। कालांतर शरीर में रोगाणुओं के हमले पर ये दवाएं काम नहीं करती। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2019 में वैश्विक स्तर पर बैक्टीरियल एएमआर 12.7 लाख मौतों के लिये जिम्मेदार था, जबकि 49.5 लाख मौतें दवा प्रतिरोधी संक्रमण से जुड़ी थीं। दरअसल, भारत के स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय ने इस बात का उल्लेख किया है कि एएमआर प्रतिरोधी रोगाणुओं के कारण होने वाले संक्रमण की प्रभावी रोकथाम और उपचार को खतरे में डालता है, जिसके परिणामस्वरूप लंबी बीमारी होती है और मृत्यु का खतरा बढ़ जाता है। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2016 में केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय ने एएमआर पर 'रेड लाइन' जागरूकता अभियान आरंभ किया था। जिसमें रोगियों व उनके परिजनों से बिना डॉक्टरी परामर्श के लाल खड़ी रेखा से चिन्हित दवाएं उपयोग न करने के लिये कहा गया था। अमेरिका में एक अध्ययन के बाद आई रिपोर्ट में भारत की इस पहल की सराहना की गई थी। इस रिपोर्ट में सलाह दी गई थी कि यदि आवश्यक हो तो एंटीबायोटिक्स पैकेजिंग के लिये इसके लेबलिंग में सुधार किया जा सकता है। ऐसी मुहिम विश्व स्तर पर शुरू की जानी चाहिए। निस्संदेह, विषय की गंभीरता को देखते हुए मूल्यांकन किया जाना चाहिए कि पिछले आठ साल में इस अभियान के परिणाम कैसे आए हैं। क्या उन खामियों को दूर किया गया जो इसकी प्रभावशीलता में बाधक बन रही थीं। निश्चित रूप से इससे जुड़े हितधारकों मसलन डॉक्टरों, फार्मासिस्टों, फार्मा कंपनियों और ग्राहकों को एंटीबायोटिक्स दवाओं के अंधाधुंध नुस्खे लिखने, बिक्री और उपयोग पर अंकुश लगाने के लिये जारी दिशानिर्देशों और नियमों का पालन करना चाहिए। साथ ही भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद द्वारा स्थापित एएमआर निगरानी और अनुसंधान नेटवर्क को मजबूत करने की जरूरत है।

भारत के स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय यानी डीजीएचएस ने डॉक्टरों और फार्मासिस्टों को सलाह दी है कि दवाओं का विवेकपूर्ण उपयोग सुनिश्चित करें। जहां तक हो सके अधिक तीव्र क्षमता वाली एंटीबायोटिक्स दवाएं मरीजों को देने से परहेज करें। डॉक्टरों से कहा गया है कि रोगाणुरोधी दवाएं लिखते समय संकेत,कारण और औचित्य का स्पष्ट रूप से उल्लेख करें। क्योंकि कहा भी गया है 'अति सर्वत्र वर्जयेत्।' दरअसल, इन दवाओं में एंटीबॉयोटिक्स, एंटीवायरल, एंटीफंगल और एंटीपैरासिटिक्स दवाएं शामिल हैं। उल्लेखनीय है कि एंटीबायोटिक्स औषधि नियम 1945 की अनुसूची एच और एच-1 के अनुसार केवल पंजीकृत चिकित्सा पेशेवर ही ऐसी दवाओं को लेने के लिये परामर्श दे सकते हैं। हालांकि, नियम को लागू करने में सख्ती के अभाव तथा लोगों में जागरूकता की कमी के चलते ये दवाएं मेडिकल स्टोरों पर बिना डॉक्टरी परामर्श के भी बेची जाती हैं। यही वजह है कि रोगाणुरोधी दवाओं के अत्यधिक सेवन व बिना डॉक्टरी परामर्श के दिये जाने से लोगों में रोगप्रतिरोधक क्षमता में गिरावट आती है। कालांतर शरीर में रोगाणुओं के हमले पर ये दवाएं काम नहीं करती। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2019 में वैश्विक स्तर पर बैक्टीरियल एएमआर 12.7 लाख मौतों के लिये जिम्मेदार था, जबकि 49.5 लाख मौतें दवा प्रतिरोधी संक्रमण से जुड़ी थीं। दरअसल, भारत के स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय ने इस बात का उल्लेख किया है कि एएमआर प्रतिरोधी रोगाणुओं के कारण होने वाले संक्रमण की प्रभावी रोकथाम और उपचार को खतरे में डालता है, जिसके परिणामस्वरूप लंबी बीमारी होती है और मृत्यु का खतरा बढ़ जाता है। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2016 में केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय ने एएमआर पर 'रेड लाइन' जागरूकता अभियान आरंभ किया था। जिसमें रोगियों व उनके परिजनों से बिना डॉक्टरी परामर्श के लाल खड़ी रेखा से चिन्हित दवाएं उपयोग न करने के लिये कहा गया था।

रामलला अवधपुरी के अपने पुराने जन्मभूमि स्थल के नये भव्य विशाल भवन में 22 जनवरी 2024 को विराजित हो रह है

अयोध्या का इतिहास, जहाँ 496 साल बाद घर लौट रहे हैं राम

आत्माराम यादव पीव

उत्तरकोशला की राजधानी अयोध्या जिसे अवध और साकेत भी कहते है तथा जो तीर्थ-रूपी विष्णु का मस्तक कही गयी है और इस अयोध्या की गणना इस धरा के सात तीर्थों में प्रथम है होती है, यथा- अयोध्या मथुरा माया काशी कांची अवन्तिका। पुरी द्वारावती चैव सप्तेता मोक्षदायिकाः। अयोध्या का सौन्दर्य ब्रम्हलोक के सौन्दर्य व छटा पर विजय पताका फहरा रहा था जिसका उल्लेख मिलता है कि -अयोध्यानगरी रम्या सर्व्वलक्षणसंयुता। जितब्रम्हपुरी साक्षाद्वैकुण्ठ इव विश्रुता।''वह नगरी जिसके समक्ष ब्रम्हलोक की मनोहरता फीकी पड़ती थी, उस नगरी के अधिपति राम को उनकी जन्मभूमि ''रामकोट मंदिर'' से शैतान लुटेरा मुस्लिम आक्रांता शासक बाबर ने हजारों साधु-सन्यासियों व रामभक्त नागरिकां का खून बहाकर सन 1528 में विध्वंस कर कब्जा किया और अपने पुरूषप्रेमी बाबरी के नाम से मस्जिद बनवाकर जिस बर्बरता का परिचय दिया, आज उस खूनी बर्बर और अन्यायी बादशाह की पहचान हटने के साथ भव्य भगवान रामलला के मंदिर बनने के साथ 496 साल बाद रामलला अवधपुरी के अपने पुराने जन्मभूमि स्थल के नये भव्य विशाल भवन में 22 जनवरी 2024 को विराजित हो रह है। अवधपुरी में रामलला के विराजित होने का महोत्सव को भव्यतम स्वरूप दिए जाने में समूचा देश अपने पलक पॉवने बिछाए तैयार है, जिसकी गूंज दुनियाभर के देशों में है और विश्व के अनेक देशों में करोड़ों श्रद्धालुओं द्वारा यह पावन अवसर का यादगार बनाए जाने की तैयारी है ताकि 496 सालों की अंधियारी रातों का अंधेरा ऐसा गायब हुआ कि इस राजवंश के निवास स्थान तथा सूर्यवंश से उत्पन्न रामलला के जन्मस्थान मंदिर अपने आप में एक भव्य तीर्थ बन गया जिसकी प्रशंसा एवं भक्ति में हर व्यक्ति अयोध्या की रज को अपने मस्तक पर लगाए जाने हेतु अयोध्या की ओर भाग रहा है। अयोध्या का एतिहासिक पहलु- वाल्मीकि रामायण में कौशल का वर्णन मिलता है -कोसलो नाम विदितःस्फीतो जनपदों महान। निविष्टः सरयूतीरे प्रभूतधनधान्यवान।'' अर्थात सरयू के किनारे धनधान्यवान देश कौशल है ''निविष्ट'' शब्द का अभिप्राय यह कोशल सरयू के दोनों किनारों पर बसा है। उत्तरकोशला की राजधानी अयोध्या तीर्थों में पहली पुरी है। विष्णु के मस्तक से सुशोभित

अयोध्या जिसे अवध और साकेत भी कहते है तथा जो तीर्थ-रूपी विष्णु का मस्तक कही गयी है और इस अयोध्या की गणना इस धरा के सात तीर्थों में प्रथम है होती है, यथा- अयोध्या मथुरा माया काशी कांची अवन्तिका। पुरी द्वारावती चैव सप्तेता मोक्षदायिकाः। अयोध्या का सौन्दर्य ब्रम्हलोक के सौन्दर्य व छटा पर विजय पताका फहरा रहा था जिसका उल्लेख मिलता है कि -अयोध्यानगरी रम्या सर्व्वलक्षणसंयुता।

अयोध्या के विषय में उल्लेख मिलता है कि -'विष्णोः पादमवन्तिकां गुणवतीं मध्ये च कांचीपुरीन। नाभिं द्वारवतीन्तथा च हृदये मायापुरी पुण्यदाम्। तीर्थराज प्रयाग, मुक्तिदायिनी विश्वनाथपुरी काशी इसी कोशला में है। इसी कोशला में अयोध्या के राजा भगीरथ कठिन परिश्रम से गंगा को पृथ्वी पर लाए थे तथा 24 तीर्थकरों में से 22 इक्ष्वाकुवंशी थे जिनमें पहले तीर्थकर आदिनाम ऋषभदेव सहित चार अन्य तीर्थकरों का जन्म इसी अवध में हुआ था। शाक्य मुनि की जन्मभूमि कपिलवस्तु और निर्वाणभूमि कसियो कोशला में थे और इसकी राजधानी अयोध्या में उन्होंने अपने धर्म की शिक्षा दी और सिद्धान्त बनाए जो जगप्रसिद्ध हुए जिसे बौद्धमत वाले आकांक्षा करने के साथ निर्माण नाम देते है। वाल्मीकि रामायण में अयोध्या की तुलना उससमय मृत्युलोक की अमरावती से बढ़कर करते हुए कहा गया है कि भूमण्डल की सबसे पहली लोकप्रसिद्ध राजधानी स्वयं आदिराज महाराज मनु ने बसाई थी जिसका विस्तार अडतालीस कोस लम्बी और बारह कोस चौड़ी थी देखें- ''अयोध्या नाम तत्रास्ति नगरी लोकविभूता। मनुना मानवेन्द्रण पुरैव निर्मिता स्वयंम। आयता दश च द्वे च योजनानि महापुरी। श्रीमति त्रीणि विस्तर्णा नानासंस्थनशोभिता।'' इस वर्णन मेंनगरमात्र का उल्लेख मिलता है जिसमें राजमहल वा दुर्ग पृथक रहे है। ''अयोध्या'' नाम की सार्थकता में कहा गया है 'जिसे शत्रु जीत न सके, वहीं अयोध्या है। अयोध्या नगरी के वर्णन में वाल्मीकि ''दुर्गगम्भीर-परिखा'' विशेषण देते है वहीं स्वामी रामानुजाचार्य ने व्याख्या की है कि-जल दुर्गेण गम्भीरा अगाधा परिखा यस्याम। जिससे समझा जा सकता था कि अयोध्या जलदुर्ग से पूर्णतया सुरक्षित थी। तब रामराज्य में अयोध्या नगरी के मार्गों का सुन्दर ओर स्पष्ट वर्णन में उल्लेख मिलता है कि नगर के चारों ओर सैर करने के मार्ग महापथ कहलाते थे एवं राजप्रसाद महल के मध्य भाग के चार द्वार थे जो सभी ओर से शोभित राजमार्ग कहाते थे। अवधपुरी को सुवासित किए जाने हेतु प्रतिदिन राजपथ ,महापथ ही नहीं अपितु नगर के मोहल्लों में सुगंधित पुष्पों की वर्षा की जाती थी देखें- मुक्तपुष्पावकीणन जलस्किन नित्यशः। जब भी अवधपुरी में कोई विशेष उत्सव होता तब सर्वत्र चंदन के जल का छिडकाव होता और कमल तथा उत्पल सब जगह शोभित किए जाथे थे। मार्ग और सड़कों पर रात्रिके समय दीपक का प्रकाश राजकीय प्रबन्ध से किया जाता था, राम राज्याभिषेक की पहली रात्रि को भी सभी मार्गोमें दीपकवृक्ष लगाकर अवधपुरी को दिनमान जैसा रोशन किया गया था।यथा- प्रकाशीकरणार्थश्च निशागमनशंक्ख्या। दीपवृक्षांस्तथा चक्रुरनुरथ्यासु सर्व्वशः।ऐसे उत्सव के समय मार्ग के दोनों और पुष्पमाला, ध्वजा और पताका लगायी गयी। राजमार्ग के दोनों और सुन्दर सजी सजाई नाना प्रकार की दुकानें शोभायमान थी। इसके सिवाय कहीं उच्च अटटालिका सुसमृद्ध चारू दृश्यमान बाग थे, कहीं वाणिज्यागार और कहीं भूधर-शिखर सम देव निकेतन पुरी की शोभा बढ़ा रहे थे जिसका वर्णन स्वयं ब्रम्हा भी नहीं कर सकते थे। आज 496 सालों बाद अवधपुरी में मर्यादा पुरूषोत्तम श्रीराम अपने बालरूप में जन्मस्थान पर विराजमान होने जा रहे है। वाल्मीकि जी के अनुसार रामराज्य में जिस तरह अयोध्या वासी धर्मपरायण, जितेन्द्रिय, साधु और राजभक्त थे, चार वर्ण के लोग अपने अपने धर्म में स्थित थे, सभी हष्ट, पुष्ट, तुष्ट,अलुब्ध और सत्यवादी थे, नारियॉ धर्मशीला और पतिव्रता थी, आज के सन्दर्भ में भले ही वाल्मीकि जी की ये सभी बातें कल्पनामयी हो किन्तु राम के प्रति आस्था, राममंदिर निर्माण के बाद उनके श्रीविग्रह की प्राणप्रतिष्ठा ने पूरे राष्ट्र में राम के प्रति जो अलग जगायी है, वह ज्योति पूरे राष्ट्र में प्रज्वलित हो चुकी है और लोगों के मन में रामजन्मभूमि पर स्थापित राममंदिर उनकी श्रद्धा एवं आस्था का केन्द्र बन चुका है। देश राममय हो गया है, हर नगर, हर गॉव में राम के आगमन का स्वागत में ध्वाजाओं से मनोहारी सजावट हो रही है।

दृष्टि कोण

नेता जी सुभाष चन्द्र बोस, युवाओं के प्रेरणा स्रोत

भारत प्रेरणाओं वाला देश है। यहां की माटी में जन्में महापुरूषों ने न केवल भारत के नौजवानों के लिए उत्साहवर्धन का काम किया है अपितु दुनिया भर में साहस और शौर्य का प्रतीक बने हैं। भारत विविधताओं से भरी क्षमताओं वाला देश है। विपरीत परिस्थितियों से लडकर जीत हासिल करने में पारंगत लोगों की फेहरिस्त में अग्रिणी नाम है नेताजी सुभाषचन्द्र बोस का, जिनके जन्म दिवस 23 जनवरी को भारत ''पराक्रम दिवस'' के रूप में मनाता है। उनकी सूझबूझ और रणनीति से प्रेरित होकर जर्मनी के तानाशाह हिटलर ने उन्हें नेताजी कहकर संबोधित किया। 23 जनवरी 1897 को उडीसा के कटक में जानकीनाथ बोस और प्रभावतीदत्त बोस के घर जन्में बालक सुभाषचन्द्र बोस आज भी युवाओं के जोशीले नेताजी के रूप में भारत के तमाम नवयुवकों के हीरों हैं। जो जीवन की चुनौतियों को स्वीकारना जानते हैं। सदियों से कहावत रही है कि 'पूत के पांव पालने में दिख जाते हैं' जिसका बेहतरीन उदाहरण सुभाषचन्द्र बोस हैं। साहस के साथ समाज सेवा, देश प्रेम के साथ राष्ट्र भक्ति की मिशाल हैं सुभाषचन्द्र बोस। बचपन में आप जितने साहसी थे उतने ही उदार भी। कहते हैं कि ओडिशा के कटक शहर में स्थित उड़िया बाजार में प्लेग फैला हुआ था। उस इलाके में केवल बापू पाडा मोहल्ला इस बीमारी से बचा हुआ था। उसकी

बडी वजह थी वहां पर मौजूद साफ-सफाई के पुख्ता इंतजाम। जिसे करने के लिए 10 वर्ष से 18 वर्ष के नौवयुवकों ने एक टीम बनायी हुई थी उस टीम का नेतृत्व कर रहा था 12 साल का एक बालक। इस बाजार में हैदर अली नाम के एक व्यक्ति का दबदबा था। हैदर बापू पाडा में साफ-सफाई करने वाले बच्चों को अकसर डाट फटकार कर भगा देता। उसके दुर्व्यवहार के चलते कई बार वह जेल भी जा चुका था। लोग उससे बहुत परेशान थे। कुछ समय बाद हैदर के बेटे और पत्नी को भी प्लेग हो गया यह खबर सुनते ही अभियान दल का मुखिया हैदर की मदद में जुट गया। जबकि लोग उससे दूर भागने लगे। हैदर के मन में उस बालक के सेवाभाव को देखकर और स्वयं के किए गए बर्ताव को देखकर आत्मगिलानी का भाव उत्पन्न हो गया और उसका हृदय परिवर्तन हो गया। हैदर का हृदय परिवर्तन करने वाला वह असाधारण बालक और कोई नहीं बल्कि सुभाषचन्द्र बोस ही थे। जिनमें नेतृत्व में कमाल की शक्ति थी कि बडे.से बडे.सूरमा भी परास्त हो जाते थे। बडे. होकर अंग्रेजों को नाकों चने चबवाने का काम सुभाषचन्द्र बोस ने बाखूबी किया। जीवन की जटिलताओं को सरल बनाने का साहस जैसा नेताजी सुभाष चन्द्र बोस में दिखाई देता है ऐसा कम ही देखने को मिलता है। आज भी भारतीय युवाओं में सिविल सेवा की परीक्षा को पास करने के जज्बे पर नेताजी को देखा जा सकता है। आप ने वर्ष 1919 में भारतीय सिविल सेवा ''आई.सी.एस.'' की परीक्षा उत्तीर्ण की और बाद में इस्तीफा देकर देश की आजादी के सपने को सच करने के मिशन में लग गए। सुभाषचन्द्र बोस अपने आध्यात्मिक गुरू विवेकानन्द जी को एवं राजनीतिक गुरू चितरंजन दास को मानते थे। सन 1921 में नेताजी सुभाषचन्द्र बोस ने चितरंजन दास की स्वराज पार्टी द्वारा प्रकाशित समाचार पत्र 'फारवर्ड' के सम्पादन का कार्यभार संभाला। भारत पूर्ण स्वराज के साथ दुनिया से नजरें मिलाए यह सपना नेताजी सुभाषचन्द्र बोस का था। ऐसे कई मौके आए जब नेताजी ने भारत की गुलामी की जंजीरों को पिघलाने की कोशिश की। कभी जेल गए तो कभी ब्रिटिश हुकूमत को आसानी से चकमा देकर अपने सीक्रेट मिशन को पूरा करने में सफल रहे। वो जब तक रहे अंग्रेजी हुकूमत को चैन से सोने न दिया। भारत में आजादी का दिन 15 अगस्त 1947 के दिन के रूप में दर्ज है लेकिन आजादी के इस दिन से लगभग 4 साल पहले ही नेताजी सुभाषचन्द्र बोस ने हिन्दुस्तान की पहली सरकार का गठन कर दिया था। 21 अक्टूबर सन 1943 का दिन इतिहास कभी न भुला पाएगा, जब भारत पर अंग्रेजी हुकूमत थी और नेताजी ने सिंगापुर में आजाद हिंद सरकार की स्थापना कर डाली थी। नेताजी का यह कदम अंग्रेजी सरकार को यह बतलाने के लिए पर्याप्त था कि भारत में उनकी सरकार का कोई अस्तित्व नहीं रह गया है भारतीय अपनी सरकार चलाने में सक्षम है। आजाद हिंद फौज के सर्वोच्च सेनापति के तौर पर सुभाष चन्द्र बोस ने स्वतंत्र भारत की अस्थायी सरकार बनायी। जिसे 9 देशों ने मान्यता दी जिसमें जर्मनी, फिलीपींस, जापान जैसे देश शामिल थे। जापान के द्वारा अंडमान और निकोबार द्वीप आजाद हिंद सरकार को दे दिए गए जिनका सुभाषचन्द्र बोस ने नामकरण किया। अंडमान को शहीद द्वीप और निकोबार को स्वराज द्वीप के नाम से संबोधित किया। 30 दिसम्बर 1943 को अंडमान निकोबार में पहली बार सुभाषचन्द्र बोस ने आजाद हिन्द सरकार का तिरंगा फहराया।

कुछ अलग

समस्या मोबाइल फोन है

अगर आप सारा दिन अपने मोबाइल फोन से चिपके रहते हैं, तो इससे आपको नींद संबंधी विकारों का सामना करना पड़ सकता है, कार्टिसोल का स्तर बढ़ सकता है, जोड़ों में दर्द रह सकता है और आपके रिश्ते भी इससे प्रभावित हो सकते हैं। लेकिन अगर आप मोबाइल फोन से निकलने वाले विकिरण (रेडिएशन) से डरे हुए हैं, तो विशेषज्ञों का कहना है कि इस डर से आपको फोन छोड़ने की कतई जरूरत नहीं है। नॉर्थवेस्टर्न यूनिवर्सिटी के एसोसिएट डीन गेल वोलोस्चक के अनुसार सेलफोन का विकिरण बिल्कुल भी खतरनाक नहीं होता। बर्मिंघम में अलबामा यूनिवर्सिटी की प्रोफेसर एमिला कैफ्रे कहती हैं कि स्मार्टफोन विकिरण उत्सर्जित करते हैं, क्योंकि ये आवाज, टेक्स्ट, फोटो और ई-मेल को नजदीकी मोबाइल टावर तक पहुंचाने के लिए अदृश्य ऊर्जा तरंगों का उपयोग करते हैं। लेकिन विशेषज्ञों का मानना है कि इस संबंध में करीब तीन दशक के वैज्ञानिक अनुसंधान बताते हैं कि इस विकिरण का कैंसर या किसी भी दूसरी बीमारी से कोई संबंध नहीं है। न्यूयॉर्क में कार्नेल मेडिकल सेंटर में ब्रेन ट्यूमर केंद्र के निदेशक डॉ हॉवर्ड फाइन के अनुसार विकिरण कई प्रकार के होते हैं, जिनमें से कुछ ही हानिकारक होते हैं। डॉ फाइन कहते हैं, 'परमाणु बम या काफी हद तक एक्सरे मशीनें आयनीकृत विकिरण का उत्सर्जन करती हैं, जो डीएनए को नुकसान पहुंचा सकती हैं और कैंसर का कारण भी बन सकती हैं।' लेकिन, डॉ कैफ्री के अनुसार स्मार्टफोन से उत्सर्जित होने वाला विकिरण गैर-आयनीकृत श्रेणी का होता है, जो उतना शक्तिशाली नहीं होता कि नुकसान पहुंचा सके। आयनीकृत विकिरण ज्यादा खतरनाक होते हैं, जो हमारे डीएनए को बनाने वाले परमाणुओं से इलेक्ट्रॉनों को अलग कर देते हैं, जिससे कैंसर होने की आशंका पैदा होती है। लेकिन इसका प्रमाण नहीं कि स्मार्टफोन विकिरण स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हो सकता है। प्यू रिसर्च सेंटर के अनुसार आज ज्यादातर लोगों के पास स्मार्टफोन होता है। लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि कैंसर का कारण मोबाइल फोन है। धूम्रपान, प्रदूषण, खराब जीवनशैली इत्यादि कैंसर का कारण तो कुछ भी हो सकता है, इसे मोबाइल विकिरण से जोड़ने का कोई अर्थ नहीं। आज जो मोबाइल फोन आ रहे हैं, वे सन 2000 की तुलना में ज्यादा सुरक्षित हैं। 5जी विकिरण दरअसल 4जी से ज्यादा खतरनाक नहीं है, यह सिर्फ ज्यादा डाटा ट्रांसफर की अनुमति देता है। डॉ कैफ्री के अनुसार यह विकिरण शरीर के तापमान को एक डिग्री तक बढ़ा दता है, लेकिन डॉ वालोस्चेक के अनुसार बुखार या किसी अन्य स्वास्थ्य जोखिम को पैदा करने के लिए विकिरण को हमारे शरीर को एक डिग्री गर्म करने की जरूरत होगी, जो एक सेलफोन कभी नहीं कर सकता।

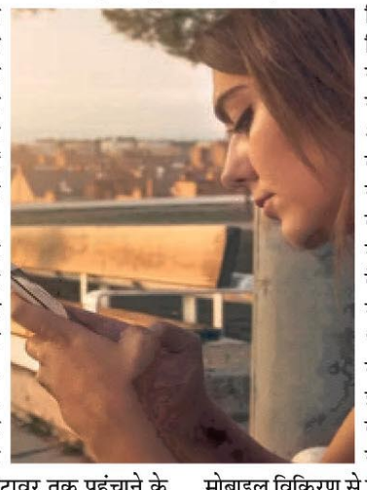

देश दुनीया से

शहरों का समावेशी विकास हो ध्येय, आमजन की आजीविका और पर्यावरण का ध्यान जरूरी

पिछले कुछ दिनों से दिल्ली में झुग्गी-झोपड़ी हटाए जाने को लेकर कई विवाद और आंदोलन चल रहे हैं। क्या सही है और क्या गलत, यह अलग विषय है। लेकिन मूल विषय यह है कि जब भी शहरों के विकास की बात आती है, तो पहला कहर झुग्गी-झोपड़ियों या छोटे-छोटे व्यवसायियों पर ही गिरता है। संभवतः ये सुगम लक्ष्य होते हैं, जिन्हें बेदखल करना आसान होता है। उनकी कोई सशक्त आवाज भी नहीं होती और कुछ राजनीतिक उद्देश्यों से उनकी वकालत होती है, किंतु समय के साथ वह भी क्षीण पड़ जाती है। आमतौर पर शहरीकरण का दृष्टिकोण हर व्यक्ति, हर समाज और हर वर्ग के लिए भिन्न होता है। इसमें समग्रता, सततता और संपूर्णता का नितांत अभाव पाया जाता है। वर्तमान में शहरों के विकास की चर्चा में मूलतः सौंदर्यीकरण को प्राथमिकता दी जाती है। सिकुड़ते या लुप्त होते फुटपाथ, उजड़ती हरियाली, बढ़ता धुआं, बेतरतीब बाजारों का विकास, अवैध बस्तियां, विनाशकारी गगनचुंबी इमारतें, अनियोजित नगरीय योजना, अतिक्रमण, जल-मल निकास की अपर्याप्त व्यवस्था, बंद होती नालियां, पर्यावरण के लिए नुकसानदेह परिवहन, अनियंत्रित वाहन बिक्री, बिगड़ती/अनियंत्रित कानून व्यवस्था, शायद यही शहरों की पहचान बन गए हैं। नीति निर्धारकों एवं कार्यपालिका का संपूर्ण ध्येय या तो शहर को सुंदर बनाना या गाड़ियों के लिए सहज मार्ग विकसित करने तक रह गया है। इसके लिए इन दिनों एक नया चलन चला है- चौराहों को सिग्नल फ्री करने का। लेकिन पैदल यात्री या साइकिल या अन्य पर्यावरण सम्मत साधन कैसे चलेंगे, यह किसी के जेहन में नहीं है। जबकि 80 प्रतिशत से अधिक आबादी अब भी पैदल या सार्वजनिक परिवहन की मोहताज है। स्वास्थ्य एवं पर्यावरण की दृष्टि से भी निजी वाहनों का उपयोग अनुकूल नहीं है। ऐसे में, सिग्नल फ्री चौराहों की परियोजनाओं पर असीमित व्यय न्यायसंगत नहीं लगते। राजस्थान में कोटा शहर को सिग्नल फ्री बनाने की कवायद तो की गई, लेकिन सार्वजनिक परिवहन को सशक्त बनाने के लिए कोई कदम नहीं उठाया गया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पहल पर प्रधानमंत्री आवास योजना के माध्यम से समावेशी विकास की ओर कदम बढ़ाया गया है, ताकि आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों को भी सिर छिपाने की जगह मिल सके। इससे समावेशी समाज की संकल्पना को साकार करने में मदद मिलेगी। इसी प्रकार छोटे कारोबारियों, रेहड़ी वालों आदि के लिए भी व्यापक कार्यक्रम की आवश्यकता है, ताकि वे निरंतर विस्थापित होने से बचकर अपनी आजीविका कमा सकें। राष्ट्र की अर्थव्यवस्था में 26 प्रतिशत के भागीदार सूक्ष्म एवं छोटे, अनौपचारिक कारोबारी हैं, जिन्हें अक्सर विस्थापित किया जाता है। जबकि शहरी जीवन के लिए यह वर्ग जीवनरेखा के रूप में कार्य करता है। नई नगरीय योजनाओं में तकनीक सुलभता के बावजूद समेकित सेवाओं का अभाव परिलक्षित होता है। सड़कों, गलियों और उद्यानों में इतनी गाड़ियां होती हैं कि न तो पैदल चलने की जगह रह पाती है और न ही ठीक से सफाई कार्य हो पाता है। शहरों के विकास में सर्वाधिक अहम भूमिका सार्वजनिक परिवहन की रहती है, जिसके बिना व्यापार एवं सामान्य जीवन निजी वाहनों पर निर्भर रहता है और वातावरण प्रदूषित होता रहता है। हालांकि मेट्रो नेटवर्क के विकास और इलेक्ट्रिक बसों के विस्तार से थोड़ा सुधार होना शुरू हुआ है। शहरी सार्वजनिक परिवहन को मात्र यात्रा के साधन के रूप में नहीं, बल्कि पर्यावरण, आर्थिक बचत और सामाजिक विकास के साधन के रूप में भी समझा जाना चाहिए। संभवतः पश्चिम में ऐसा कोई भी विकसित शहर नहीं होगा, जो बिल्डिंग लाइन का अनुसरण नहीं करता हो। वहां सौंदर्यीकरण के साथ-साथ मूलभूत सुविधाओं के विकास पर भी ध्यान दिया जाता है। आज जब हम नए भारत की अवधारणा के साथ विकास की नीतियों का निर्धारण कर रहे हैं, तो हमारा ध्येय समेकित और समावेशी विकास होना चाहिए, जिसके मूल में आमजन, बेहतर पर्यावरण, व्यापक आजीविका के अवसर, सुरक्षित एवं स्वस्थ जीवन हो, न कि मात्र सौंदर्यीकरण।

सिकुड़ते या लुप्त होते फुटपाथ, उजड़ती हरियाली, बढ़ता धुआं, बेतरतीब बाजारों का विकास, अवैध बस्तियां, विनाशकारी गगनचुंबी इमारतें, अनियोजित नगरीय योजना, अतिक्रमण, जल-मल निकास की अपर्याप्त व्यवस्था, बंद होती नालियां, पर्यावरण के लिए नुकसानदेह परिवहन, अनियंत्रित वाहन बिक्री, बिगड़ती/अनियंत्रित कानून व्यवस्था, शायद यही शहरों की पहचान बन गए हैं। नीति निर्धारकों एवं कार्यपालिका का संपूर्ण ध्येय या तो शहर को सुंदर बनाना या गाड़ियों के लिए सहज मार्ग विकसित करने तक रह गया है। इसके लिए इन दिनों एक नया चलन चला है- चौराहों को सिग्नल फ्री करने का।

आप का नजरीया

विश्व में पैलने लगी है सनातन की सुगन्ध

'वसुधैव कुटुम्बकम' के आदर्श वाक्य को जीवन का मूलमंत्र मानने वाली सनातन परम्परा का एक प्राचीन स्तम्भ लगभग 500 वर्ष बाद पुनः अपनी गरिमा प्राप्त कर रहा है। त्रेता युग के जीवन्त कथानकों की प्रेरणायें सदैव से ही समरसता, सद्भावना और सहयोग की स्थापना हेतु प्रयासरत रही है। आव्रान्ताओं की क्रूरता ने सहृदयता को तार-तार ही नहीं किया बल्कि सनातन के प्रतीकों को भी नष्ट कर दिया था। गुलामी की बेड़ियां कटने के बाद भी देश के काले अंग्रेजों ने वैमनुष्यता की वुटिल चालों के तहत संवैधानिक व्यवस्थायें लागू कर दी। परिणामस्वरूप अतीत की वैभवशाली स्मृतियां अपने पुनस्थापना के लिए जार-जार आंसू बहातीं रही। वास्तविक घटनाओं को काल्पनिक बताने वालों ने न्यायालयीन प्रक्रिया के तहत मामले को हमेशा ही उलझाने का काम किया किन्तु सनातन के पक्षधरों ने थोपे गये संविधान का सम्मान करते हुए 'सत्यमेव जयते' को ही अंगीकार किया। आखिरकार न्यायालय ने भी सत्य को स्वीकारा और त्रेताकालीन राम जन्मभूमि पर सदियों बाद मंदिर का निर्माण प्रारम्भ हुआ। विदेशी षडयंत्रकारियों के हाथों की कठपुतली बनकर देश की संस्वृति को विवृत करने वालों के मंसूबों पर पानी फिर गया। चारों ओर खुशी की बयार चलने लगी। सनातन की सुगन्ध से समूची धरा सुवासित होने लगी। षडयंत्रकारियों ने एक बार फिर अपने हथकण्डे आजमाने की कोशिश की। अपनों को ही अपने का खून बहाने के लिए तैयार किया गया। वेदों की मनमानी व्याख्याओं को आधार बनाकर श्री अयोध्या धाम में होने वाले दिव्य प्राण-प्रतिष्ठा महोत्सव में अवरोध उत्पन्न करने की कोशिशें की जाने लगीं। ऐसे लोगों ने गूढ ग्रन्थों को स्वयं के विश्लेषण से लेकर अप्रमाणित वृतियों तक का सहारा लिया परन्तु देश की आम आवाम ने एक मत से प्राण-प्रतिष्ठा महोत्सव का शंखनाद कर दिया। महोत्सव पर छाये काले बादल छट गये किन्तु इस दौरान आयोजनकारी ट्रस्ट के वुछ पदाधिकारियों ने अपने मनमाने रवैये से अनेक वार विवाद की स्थिति पैदा करने की कोशिश की किन्तु इन कथित वृत्यों को निरंतर अदृष्टिगत करते हुए सनातन प्रेमी अपनी आस्था के आयामों की स्थापना पर अडिग रहे ताकि निंविध्न रूप से महोत्सव सम्पन्न हो सके। ऐसे विध्नसंतोषी लोग लगभग प्रत्येक संस्थानों में रंगे सियार की कहावत को चरितार्थ करते हुए चाटुकारिता की दम पर प्रवेश पा जाते हैं और फिर अपने आकाओं के इशारों पर नाचने लगते हैं। देव और दैत्यों का प्रत्येक स्थान पर अस्तित्व होता है तो फिर महोत्सव की आयोजन समिति में भी यह दृश्य सजीव है, तो आर्यं नहीं होना चाहिए। आमंत्रण देकर न आने का फरमान जारी करने वालों को आखिरकार श्रद्धालुओं की भावनाओं के आगे घुटने टेकने ही पड़े, भले ही उन्होंने कल्याण सिह प्रकरण में जीत हासिल कर ली थी। इसी तरह की अनेक व्यवस्थाओं में मनमानी का आलम देखने को मिलता रहा।

मंदिर वहीं बना है, जहां बनाने का संकल्प लिया था : मुख्यमंत्री योगी

अयोध्या, (हि.स.)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने श्री अयोध्याधाम में श्रीरामलला के बालरूप विग्रह की प्राण-प्रतिष्ठा समारोह पूर्ण होने के उपरांत अपने मनोभाव प्रकट किया। उन्होंने कहा कि मंदिर वहीं बना है, जहां बनाने का संकल्प लिया था। उन्होंने अपने सम्बोधन की शुरूआत 'रामाय रामभद्राय रामचन्द्राय वेधसे। रघुनाथाय नाथाय सीतायाः पतये नमः' से की। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि 500 वर्षों के लबे अंतराल के उपरांत आज के इस चिरप्रतीक्षित मौके पर अंतर्मन में भावनाएं कुछ ऐसी हैं कि उन्हें व्यक्त करने को शब्द नहीं मिल रहे हैं। मन भावुक है, भाव विभोर है, भाव विह्वल है। निश्चित रूप से आप सब भी ऐसा ही अनुभव कर रहे होंगे। आज इस ऐतिहासिक और अत्यंत पावन अवसर पर भारत का हर नगर-हर ग्राम अयोध्याधाम है। हर मार्ग श्रीरामजन्मभूमि की ओर आ रहा है। हर मन में राम नाम है। हर आंख हर्ष और संतोष के आंसू से भीगा है। हर जिह्वा राम-राम जप रही है। रोम रोम में राम रमे हैं। पूरा राष्ट्र राममय है। ऐसा लगता है हम त्रेतायुग में आ गए हैं। आज रघुनन्दन राघव रामलला, हमारे हृदय के भावों से भरे संकल्प स्वरूप सिंहासन पर विराज रहे हैं। आज हर रामभक्त के हृदय में प्रसन्नता है, गर्व है और संतोष के भाव हैं। आखिर भारत को इसी दिन की तो प्रतीक्षा थी। उन्होंने कहा कि भाव-विभोर कर देने वाली इस दिन की प्रतीक्षा में लगभग पांच शताब्दियां व्यतीत हो गईं, दर्जनों पीढ़ियां अधूरी कामना लिए इस धराधाम से साकेतधाम में लीन हो गईं, किन्तु प्रतीक्षा और संघर्ष का क्रम सतत जारी रहा। मुख्यमंत्री ने कहा कि श्रीरामजन्मभूमि, संभवतः विश्व में पहला ऐसा अनूठा प्रकरण रहा होगा, जिसमें किसी राष्ट्र के बहुसंख्यक समाज ने अपने ही देश में अपने आराध्य के जन्मस्थली पर मंदिर निर्माण के लिए इतने वर्षों तक और इतने स्तरों पर लड़ाई लड़ी हो। संन्यासियों, संतों, पुजारियों, नागाओं, निहंगों, बुद्धिजीवियों, राजनेताओं, वनवासियों सहित समाज के हर वर्ग ने जाति-पाति, विचार-दर्शन, उपासना पद्धति से ऊपर उठकर राम काज के लिए स्वयं का उत्सर्ग किया। अंततः आज वह शुभ अवसर आ ही गया कि जब कोटि-कोटि सनातनी आस्थावानों के त्याग और तप को पूर्णता प्राप्त हो रही है। उन्होंन कहा कि आज संतोष इस बात का भी है कि मंदिर वहीं बना है, जहां बनाने का संकल्प लिया था। संकल्प और साधना की सिद्धि के लिए, हमारी प्रतीक्षा की समाप्ति के लिए, हमारे संकल्प पूर्णता के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का हृदय से आभार और अभिनंदन। प्रधानमंत्री जी! 2014 में आपके आगमन के साथ ही भारतीय जनमानस कह उठा था... मोरे जिय भरोस दृढ़ सोई। मिलिहहिं राम सगुन सुभ होई॥ अभी गर्भगृह में वैदिक विधि-विधान से रामलला के बाल विग्रह के प्राण-प्रतिष्ठा के हम सभी साक्षी बने। अलौकिक छवि है हमारे प्रभु की। बिल्कुल वैसे, जैसा संत तुलसीदास जी ने वर्णन किया है...नवकंज लोचन। कंज मुख। कर कंज। पद कन्जारुणम्। उन्होंने कहा कि धन्य हैं वह शिल्पी, जिसने हमारे मन में बसे राम की छवि को मूर्त रूप प्रदान किया। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि विचारों और भावनाओं की विह्वलता के बीच मुझे पूज्य संतों और अपनी गुरु परम्परा का पुण्य स्मरण हो रहा है। आज उनकी आत्मा को असीम संतोष और आनन्द की अनुभूति हो रही होगी, जिन परम्पराओं की पीढ़ियां श्रीराम जन्मभूमि मुक्ति यज्ञ में अपनी आहुति दे चुकी हैं, उनकी पावन स्मृति को यहां पर कोटि-कोटि नमन करता हूँ। उन्होंने कहा कि

श्रीरामजन्मभूमि मुक्ति महायज्ञ न केवल सनातन आस्था व विश्वास की परीक्षा का काल रहा, बल्कि, संपूर्ण भारत को एकात्मकता के सूत्र में बांधने के लिए राष्ट्र की सामूहिक चेतना जागरण के ध्येय में भी सफल सिद्ध हुआ। सदियों के बाद भारत में हो रहे इस चिरप्रतिक्षित नवविहान को देख अयोध्या समेत भारत का वर्तमान आनन्दित हो उठा है। भाग्यवान है हमारी पीढ़ी, जो इस राम-काज के साक्षी बन रहे हैं और उससे भी बड़भागी हैं वो जिन्होंने सर्वस्व इस राम-काज के लिए समर्पित किया है और करते चले जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि जिस अयोध्या को 'अवनि की अमरावत' और 'धरती का वैकुंठ' कहा गया, वह सदियों तक अभिशप्त रही। उपेक्षित रही। सुनियोजित तिरस्कार झेलती रही। अपनी ही भूमि पर सनातन आस्था पददलित होती रही, चोटिल होती रही। राम का जीवन हमें संयम की शिक्षा देता है और भारतीय समाज ने संयम बनाये रखा, लेकिन हर एक नए दिन के साथ हमारा संकल्प और दृढ़ होता गया। और आज देखिए... पूरी दुनिया अयोध्या जी के वैभव को निहार रही है। हर कोई अयोध्या आने को आतुर है। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि आज अयोध्या में त्रेतायुगीन वैभव उतर आया है। दिख रहा है। यह धर्म नगरी विश्व की सांस्कृतिक राजधानी के रूप में प्रतिष्ठित हो रही है। पूरा विश्व दिव्य और भव्य अयोध्या का साक्षात्कार कर रहा है। आज जिस सुनियोजित एवं तीव्र गति से अयोध्यापुरी का विकास हो रहा है, वह प्रधानमंत्री के दृढ़संकल्प, इच्छाशक्ति एवं दूरदर्शिता के बिना संभव नहीं था। कुछ वर्षों पहले तक यह कल्पना से परे था कि अयोध्या में एयरपोर्ट होगा। यहां नगर के भीतर 04 लेन सड़क होगी। सरयू जी में क्रूज चलेंगे। अयोध्या की खोई गरिमा वापस आएगी, लेकिन डबल इंजन सरकार के प्रयासों से यह सब सपना साकार हो रहा है। सांस्कृतिक अयोध्या, आयुष्मान अयोध्या, स्वच्छ अयोध्या, सक्षम अयोध्या, सुरम्य अयोध्या, सुगम्य अयोध्या, दिव्य अयोध्या और भव्य अयोध्या के रूप में पुनरोद्धार के लिए हजारों करोड़ रुपये लग रहे हैं। आज यहां राम जी की पैड़ी, नया घाट, गुप्तार घाट, ब्रह्मकुंड आदि विभिन्न कुंडों के कायाकल्प, संरक्षण, संचालन और रखरखाव का कार्य हो रहा है। उन्होंने कहा कि रामायण परंपरा की 'कल्चरल मैपिंग' कराई जा रही है, राम वन गमन पथ पर रामायण वीथिकाओं का निर्माण हो रहा है। इस नई अयोध्या में पुरातन संस्कृति और सभ्यता का संरक्षण तो हो ही रहा है, भविष्य की जरूरतों को देखते हुए आधुनिक पैमाने के अनुसार सभी नगरीय सुविधाएं भी विकसित हो रहीं हैं। इस मोक्षदायिनी नगरी को प्रधानमंत्री की प्रेरणा से सोलर सिटी के रूप में विकसित किया जा रहा। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि नई अयोध्या पूरे विश्व के सनातन आस्थावानों, संतों, पर्यटकों, शोधार्थियों, जिज्ञासुओं के लिए प्रमुख केंद्र बनने की ओर अग्रसर है। उन्होंने कहा कि यह एक नगर या तीर्थ स्थल भर का विकास नहीं है, यह उस विश्वास की विजय है, जिसे सत्यमेव जयते के रूप में भारत के राजचिह्न में अंगीकार किया गया है। यह लोकआस्था-जन विश्वास की विजय है। भारत के गौरव की पुनर्प्रतिष्ठा है। अयोध्या का दिव्य दीपोत्सव नए भारत की सांस्कृतिक पहचान बन रहा है और श्री रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा समारोह भारत की सांस्कृतिक अन्तरात्मा की समरस अभिव्यक्ति सिद्ध हो रहा। उन्होंने कहा कि श्रीरामजन्मभूमि मंदिर की स्थापना भारत के सांस्कृतिक पुनर्जागरण का आध्यात्मिक अनुष्ठान है, यह राष्ट्र मंदिर है। निःसन्देह! श्रीरामलला विग्रह की प्राण-प्रतिष्ठा राष्ट्रीय गौरव का ऐतिहासिक अवसर है। निश्चिंत रहिए! रामकृपा से अब कभी कोई भी अयोध्या की परिक्रमा में बाधक नहीं बन पाएगा। अयोध्या की गलियों में गोलियों की गड़गड़ाहट नहीं होगी। कर्फ्यू नहीं लगेगा। अपितु राम नाम संकीर्तन से गुंजायमान होगी। अवधपुरी में रामलला का विराजना भारत में रामराज्य की स्थापना की उद्घोषणा है।

रामराज बैठे त्रैलोका। हर्षित भये गए सब सोका।।

रामराज्य, भेदभाव रहित समरस समाज का द्योतक है। हमारे प्रधानमंत्री की नीतियों-विचारों और योजनाओं का आधार है। उन्होंने अंत में भव्य दिव्य श्रीरामजन्मभूमि मंदिर के स्वप्न को साकार रूप देने में योगदान करने वाले सभी वास्तुविदों, अभियंताओं, शिल्पियों और श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र न्यास के सभी पदाधिकारियों को हृदय से धन्यवाद दिया। पुनः आप सभी को श्रीरामलला के विराजने की ऐतिहासिक पुण्य घड़ी की बधाई। जो संकल्प हमारे पूर्वजों ने लिया था, उस-की सिद्धि की सभी को बधाई। प्रभु के चरणों मे नमन। सभी को कोटि-कोटि बधाई। समारोह के पूर्व उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री व गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सर संघचालक मोहन भागवत का स्वागत किया। सीएम ने दोनों अभ्यागतों को श्रीराम मंदिर का चांदी का मॉडल भेंट कर अयोध्या धाम की पावन धरा पर अभिनंदन किया।

सिर पर कलश, भगवा साड़ी और जयकारा के साथ नजर आईं स्मृति ईरानी

अमेठी, (हि. स.)। अयोध्या में राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा के दिन लोगों में गजब का उत्साह देखने को मिल रहा है, क्या आम और खास सभी राम के रंग में रंगें हैं। अमेठी से सांसद और केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी भी सोमवार को अमेठी की सड़कों पर राम के रंग में रंगी नजर आईं। सिर पर कलश और भगवा रंग की साड़ी पहने ईरानी जय श्रीराम का जयकारा लगाते हुए अमेठी की सड़कों पर नजर आईं। रामलला की प्राण प्रतिष्ठा पर शोभा यात्रा का यह सोशल मीडिया पर भी खूब वायरल हो रहा है। दरअसल, सोमवार को भगवान श्री राम की प्राण-प्रतिष्ठा के मौके पर अमेठी में भव्य शोभायात्रा निकाली गई थी, जिसमें सैकड़ों की भीड़ थी। महिलाएं और पुरुष भी बड़ी संख्या में शामिल थे। अमेठी सांसद स्मृति ईरानी भी अपने

दो दिवसीय दौरे पर अपने संसदीय क्षेत्र में हैं और वह शोभायात्रा में शामिल भी हुईं। भगवा साड़ी में सिर पर कलश लेके वह कई किलोमीटर पैदल चलीं। बीच-बीच में वह जय श्रीराम का जयकारा भी लगा रही थीं। मीडिया से बात करते हुए स्मृति ईरानी ने कहा कि 22 जनवरी पूरे देश के लिए गौरव का दिन है, रामलला भव्य मंदिर में विराजमान हो रहे हैं और चारों ओर दिवाली जैसा माहौल है। विपक्ष पर निशाना साधते हुए स्मृति ईरानी ने कहा कि जिसकी जैसी मति वैसी उसके कर्म,आज हम प्रकाश की बात कर रहे हैं जबकि कुछ लोग ऐसे हैं जिन्होंने केवल अंधेरा ही सबको दिया। उन्होंने कहा कि यह दिन इतिहास में दर्ज हो गया और इसके लिए जिन्होंने अपना सर्वस्व दिया उनका नमन है। इसके पहले स्मृति ईरानी ने कारसेवकों को सम्मानित भी किया।

अयोध्या में प्राण प्रतिष्ठा पर कन्नौज जिले में भी जश्न का माहौल

कन्नौज, (हि. स.)। अयोध्या में भगवान श्री राम के प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम को लेकर जिले में लोगों में काफी उत्साह देखने को मिल रहा है। जगह-जगह भगवान श्री राम से जुड़ी हुई झांकियां निकाल कर सड़कों पर लंबे काफिले की शक्ल में लोग अपनी खुशियों का इजहार कर रहे हैं। जिले के छिबरामऊ सौरिख गु-रसहायगंज, तिर्वा कस्बो में सांसद सुब्रत पाठक की अगुवाई में भगवान राम के मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा को लेकर शोभायात्रा निकाली गई। सांसद सुब्रत पाठक ने शिरकत की और लोगों का उत्साह देखकर वह काफी अभिभूत दिखे। मीडिया से बात करते हुए स-ांसद सुब्रत पाठक ने कहा कि आज जिस तरह से खुशी का वातावरण पूरे देश में है, कन्नौज जिले के लोग भी

खुशी से झूम रहे हैं और अपनी खुशियों का इजहार सड़क पर उतरकर कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अगुआई में आज भव्य राम मंदिर का उद्घाटन और मूर्ति के प्राण प्रतिष्ठा का कार्यक्रम हो रहा है। उन्होंने कहा कि आज 11 दिनों से विभिन्न विधि विधान द्वारा मंदिर को लेकर कार्यक्रम किया जा रहे हैं। उन्होंने आम जनमानस के साथ खुशियां मनाने की बात कही। उन्होंने कहा कि भगवान राम सबके हैं इसलिए हर कोई आज खुश है।

देश भर से श्रीराम मंदिर निर्माण में मिला है योगदान : चंपत राय

अयोध्या, (हि.स.)। श्रीरामजन्म तीर्थ भूमि ट्रस्ट के महासचिव एवं विश्व हिन्दू परिषद (विहिप) के अंतरराष्ट्रीय उपाध्यक्ष चंपत राय ने मंच का संचालन करते हुए अयोध्या में श्रीराम भव्य-नव्य मंदिर निर्माण में मिले देशभर से योगदान की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि किस तरह से अयोध्या में युगों-युगों तक श्रद्धालुओं के दर्शन के लिए तैयार किया गया है। उन्होंने बताया कि देशभर से स्वर्ण, चांदी समेत बहुत कुछ मिला है। उन्होंने बताया कि एटा के जलेसर से 24 कुंतल का विशाल घंटा स्वेच्छा से भेजा है। गुजरात के दमगर समाज ने विशाल नगाड़ा भेंट किया है। जनकपुर यानि मिथिला सीतामणी बक्सर और रामजी के ननिहाल छत्तीसगढ़ से बड़े थाल 'भार' आए हैं। भार का अर्थ संत आदि समझते हैं। भार में अनाज, चौवड़ा, सोना-चांदी, फल, मेवा, वस्त्र हैं। जोधपुर के एक महंत ने छह कुंतल घी बैलगाड़ियों से लाया गया है। ट्रस्ट के महासचिव ने बताया कि युगों-युगों तक श्रीराम मंदिर के निर्माण की जमीन को मजबूत करने और नींव में मध्यप्रदेश के छतरपुर से गिट्टी आई है। राख रायबरेली से लाई गई है। तेलांगना और कर्नाटक से ग्रेनाइट आया है। मंदिर में राजस्थान के भरतपुर का पत्थर है। सेफद रंग मार्बल राजस्थान के मकराना का है।

मंदिर के दरवाजों की लकड़ी महाराष्ट्र के वल्लार शाह की है। उस पर चढ़ा सोना मुम्बई के एक डायमंड के व्यापारी ने भेंट किया है। भगवान की मूर्ति जिस पत्थर से बनी है वह कर्नाटक का है। इसे मैसूर के कारीगर अरूण योगीराज ने बनाई है। यह प्रभु श्रीराम के बाल्यकाल अव्यस्था का स्वरूप है। मंदिर की सीढ़ियों पर दो गज, सिंह, एक जगह हनुमान और गुरूड़ आदि राजस्थान के मूर्तिकार ने ने बनाए हैं। लकड़ी के दरवाजों की नक्काशी का कार्य हैदराबाद के कारीगारों ने किया है। ये सारे कारीगर तमिलनाडु के थे। मार्बल के काम में राणा मार्बल के कारीगरों ने सम्पन्न किया है। भगवान के वस्त्र कपड़े दिल्ली के कारीगर मनीष त्रिपाठी अपने हाथ से अयोध्या में ही तैयार किए हैं।

भगवान के आभूषण लखनऊ के एक व्यापारी राजस्थान से बनवाकर लाए हैं। इस दौरान प्रभु श्रीराम का मंदिर भव्य और नव्य बनकर तैयार हुआ है। इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, राष्ट्रीय स्वंयसेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत, राज्यपाल आनंदीबेन पटेल, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ मंच पर मौजूद रहे। वहीं मंदिर प-रिसर में देशभर से आए गणमान्य लोग मौजूद थे।

राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा को लेकर बासुकीनाथ मंदिर में विशेष पूजा

दुमका, (हि.स.)। अयोध्या में राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा को लेकर बाबा बासुकीनाथ मंदिर में जश्न का माहौल है। मंदिर को आकर्षक फूलों और रंग-बिरंगे बिजली के बल्बों से सजाया गया है। रात्रि में जागरण का आयोजन किया गया। अयोध्या में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के अवसर पर प्रसिद्ध तीर्थस्थल बाबा बासुकीनाथ धाम मंदिर में काफी चहल-पहल है। राम मंदिर के प्रतिष्ठापन की खुशी में बासुकीनाथ के पंडा-पुजारियों में उत्साह का माहौल है। इस शुभ अवसर को ऐतिहासिक बनाने के लिए बासुकीनाथ धाम मंदिर में विशेष पूजा की व्यवस्था है। पंडा धर्म रक्षिणी सभा के अध्यक्ष मनोज पंडा ने कहा कि यहां कई धार्मिक अनुष्ठान का आयोजन किया जा रहा है। बासुकीनाथ मंदिर को दीपों से सजाया

जाएगा और मंदिर प्रबंधन और स्थानीय लोगों के सहयोग से हवन-पूजन के साथ-साथ भोग प्रसाद का भी वितरण किया जाएगा। लोग सुबह से ही मंदिर में बाबा को जल चढ़ा रहे हैं और जय श्री राम के नारे लगा रहे हैं। मनोज पंडा ने बताया कि सोमवार रात बाबा मंदिर को आकर्षक ढंग से सजाया जायेगा और क्षेत्र में उत्सव मनाया जायेगा। बाबा बासुकीनाथ मंदिर को उसी तर्ज पर आकर्षक तरीके से सजाया जा रहा है जिस तरह राम की प्राण प्रतिष्ठा के लिए अयोध्या में राम मंदिर को सजाया गया है, इलाके के सभी लोगों ने अपने घरों को सजाया है।

आरडीबीए के चुनाव में शंभू प्रसाद फिर बने अध्यक्ष और सचिव संजय विद्रोही

रांची, (हि. स.)। रांची जिला बार एसोसिएशन (आरडीबीए) के सात पदधारियों के लिए रविवार देर रात मतगणना संपन्न हुई। अध्यक्ष पद पर एक बार फिर सबसे अधिक 915 वोट लाकर शंभू प्रसाद अग्रवाल विजयी रहे। जबकि सचिव पद पर संजय कुमार विद्रोही ने 678 वोट लाकर फिर से जीत दर्ज की। उपाध्यक्ष पद के लिए विनय कुमार राय ने 527 वोट और कोषाध्यक्ष पद के लिए मुकेश कुमार केसरी ने 680 वोट लाकर विजयी रहे। इसीप्रकार सहायक कोषाध्यक्ष पद के लिए दीनदयाल सिंह ने 428 वोट लाकर जीत दर्ज की। संयुक्त सचिव (प्रशासन) के लिए अभिषेक कुमार भारती 903 वोट और संयुक्त सचिव (लाइब्रेरी) पद के लिए प्रदीप कुमार चौरसिया 560 वोट लाकर जीत दर्ज की। चुनाव पदाधिकारी अजय कुमार तिवारी ने सोमवार को यह जानकारी दी। पदधारी के लिए 33 उम्मीदवार मैदान में थे। वहीं 1863 लोगों ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया था जबकि मतदाताओं की कुल संख्या 2163 थी।

राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा के मद्देनजर डीसी और एसएसपी ने विधि व्यवस्था का लिया जायजा

रात दस के बाद गाना बजाने पर रही पाबंदी

रांची, (हि. स.)। अयोध्या में प्राण प्रतिष्ठा के मद्देनजर रांची जिला में विधि व्यवस्था और सुरक्षा व्यवस्था को लेकर दंडाधिकारियों, पुलिस पदाधिकारी एवं पुलिस बलों की प्रतिनियुक्ति की गई है। उपायुक्त और एसएसपी की ओर से प्रमुख स्थानों पर सामाजिक सौहार्द, लोक परिशांति एवं विधि-व्यवस्था बनाए रखने के लिए रविवार देर रात संयुक्तादेश जारी किया गया है। राम मंदिर अयोध्या में प्राण प्रतिष्ठा के मद्देनजर रांची जिला में विभिन्न धार्मिक स्थानों पर कार्यक्रमों का आयोजन किया गया है। इन कार्यक्रम स्थलों पर जिला प्रशासन के जरिये नियमानुसार लाउडस्पीकर और डीजे के इस्तेमाल का निर्देश है। सभी आयोजकों को उच्च न्यायालय के आदेशानुसार लाउडस्पीकर एक्ट का अनुपालन सुनिश्चित करने को कहा गया है। सभी को इस बात का ध्यान रखने को कहा गया है कि ध्वनि प्रदूषण न हो, तय मानक और

निर्धारित समयानुसार लाउडस्पीकर का इस्तेमाल किया जाए, रात दस बजे के बाद लाउडस्पीकर का उपयोग ना किया जाए। विभिन्न स्थानों पर आयोजित किए गए कार्यक्रमों में किसी भी तरह के विवादित गाने बजाए जाने की मनाही है। असामाजिक तत्व बेवजह फायदा ना उठा पाए इसे लेकर जिला प्रशासन पूरी तरह से मुस्तैद है। सभी धार्मिक संगठनों/आयोजन समितियों एवं प्रबुद्ध नागरिकों से सामाजिक समरसता बनाए रखने की अपील की गई है। जिला प्रशासन के जरिये सोशल मीडिया पर पैनी नजर रखी जा रही है। सोशल मीडिया पर गलत एवं भ्रामक मैसेज करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। जिला में सोशल मीडिया मॉनिटरिंग सेल सक्रिय है, जिसमें प्रतिनियुक्त पदाधिकारी सोशल मीडिया पर लगातार निगरानी रखेंगे। आमजन सोशल मीडिया मीडिया पर किसी तरह की भ्रामक पोस्ट की शिकायत सोशल मीडिया मॉनिटरिंग सेल के मोबाइल नंबर 8987790674 पर कर सकते हैं।

छात्रों के मन में धर्म एवं संस्कृति से जुड़ाव आवश्यक : अशोक मिश्रा

भागलपुर, (हि.स.)। सैनिक स्कूल गणपत राय सलारपुरिया सरस्वती विद्या मंदिर भागलपुर में सोमवार को अयोध्या में नवनिर्मित राम मंदिर में श्री राम के प्राण प्रतिष्ठा का लाइव प्रसारण छात्रों एवं आचार्य को दिखाया गया। इस अवसर पर विद्यालय परिसर में स्थित हनुमान मंदिर में सुंदरकांड का पाठ, हवन एवं रामधुन का कार्यक्रम भी आयोजित किया गया। विद्यालय के उप प्रधानाचार्य अशोक कुमार मिश्रा ने कहा कि इस प्रकार के

कार्यक्रम से छात्रों के मन में अपने धर्म एवं संस्कृति से जुड़ाव बढ़ता है। इससे अपने देवी देवता के प्रति आस्था एवं विश्वास का भाव भी जागृत होता है। इन सदुणों से ही उनमें अच्छे संस्कार आते हैं। विभाग प्रमुख विनोद कुमार ने कहा कि यह ऐतिहासिक पल है। 500 वर्षों के इंतजार के उपरांत श्री राम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा का कार्यक्रम देखना सभी के लिए आनंददायक पल है। इसके माध्यम से छात्रों में अपने देश, धर्म एवं संस्कृति के प्रति जुड़ाव होता है। इस अवसर पर विद्यालय के सभी आचार्य बंधु, मीडिया प्रभारी दीपक कुमार झा एवं सभी छात्र उपस्थित थे।

भगवान श्रीराम के प्राण प्रतिष्ठा को लेकर मोतिहारी पुलिस अलर्ट, सोशल मीडिया पर रहेगी नजर

पूर्वी चंपारण, (हि.स.)। अयोध्या में श्री रामलला के प्राण प्रतिष्ठा को लेकर जिला पुलिस की टीम ने सुरक्षा को लेकर व्यापक प्रबंध किये है। इसको लेकर जिले के सभी थाना क्षेत्र के चौक चौराहो व सड़को पर दंडाधिकारी के साथ पुलिस बल की तैनाती की गयी है। सादे लिबास में भी पुलिस बल की तैनाती की जा रही है।साथ ही साइबर पुलिस की टीम की पैनी नजर सोशल मीडिया पर बनी रहेगी। साथ ही जिलाधिकारी के साथ वे स्वयं भ्रमणशील रहेगे। उक्त जानकारी देते एसपी कांतेश कुमार मिश्र ने जिले वासियो से अपील कर कहा है,कि धार्मिक भावनाओं को भड़काने, ठेस पहुंचाने वाले संदेश, अप्रमाणिक जानकारी, भ्रामक मैसेज, तस्वीर, वीडियो इत्यादि सोशल मीडिया यथा फेसबुक, ट्विटर, व्हाट्सएप, इंस्टाग्राम, यूट्यूब आदि पर पोस्ट या शेयर करने से बचे। एसपी श्री मिश्र ने कहा है,कि सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक, भड़काऊ एवं धार्मिक विद्वेष फैलाने वाले या सांप्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने से संबंधित पोस्ट कर अफवाह फैलाने वालो पर विरुद्ध विधिसम्मत कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। उन्होने जिले वासियो से अपील करते यह भी कहा है,कि किसी को भी समाजिक सौहार्द बिगाड़ने का प्रयास करने वाले लोगो की जानकारी मिलती है,तो ससमय नजदीकी थाना,जिला कंट्रोल रूम या डायल 112 पर संपर्क कर सूचना साझा कर सकते हैं।

मोहिनी देवी मेमोरियल स्कूल में सुंदरकांड, निकली प्रभात फेरी

अररिया, (हि.स.)। अयोध्या में मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्री राम की प्राण प्रतिष्ठा समारोह को लेकर आर-एस स्थित मोहिनी देवी मेमोरियल स्कूल परिसर में सोमवार को सुन्दरकाण्ड का पाठ किया गया। इस मौके पर विद्यालय के छात्र-छात्राओं के द्वारा राम,सीता,लक्ष्मण तथा हनुमान की झांकी के साथ स्कूल परिसर से प्रभात फेरी निकाली गई। जो आरएस बाजार घूमकर स्कूल परिसर में आकर समाप्त हुई। प्रभात फेरी की विभिन्न मंदिरों एवं चौक चौराहों पर भव्य स्वागत किया गया तथा आरती उतारी गई। प्रभात फेरी के समय स्कूल प्रबंधन की ओर से एक हजार दीपों का वितरण भी किया गया। विद्यालय परिसर में रामायण पाठ के पश्चात प्रसाद का वितरण किया गया।

मोहिनी देवी मेमोरियल स्कूल भारतीय संस्कृति पर आधारित सभी धर्म को साथ लेकर तथा सामाजिक कार्यों में अपनी महती भूमिका निभाते आया है। कार्यक्रम से छात्रों के अंदर धार्मिक, मानसिक एवं बौद्धिक विकास होता है। विद्यालय के द्वारा इस प्रकार के कार्यक्रम को करने का उद्देश्य यह है कि छात्रों के मन में धार्मिक एवं सामाजिक कार्य करने का भाव जागृत करना है। ट्रस्ट परिवार के रामस्वरूप रुंगटा, महावीर प्रसाद रुंगटा, रामचंद्र प्रसाद रुंगटा ने निदेशक डॉ संजय प्रधान के द्वारा प्रभु श्री राम जी के अयोध्या में स्थापना पर किए गए कार्यक्रमों की सराहना की एवं प्रभु श्री राम के चरणों में नत मस्तक हुए। इस कार्यक्रम में विद्यालय के सभी शिक्षक एवं शिक्षकेत्तर कर्मचारी तथा स्वास्थ्य कर्मी भी उपस्थित थे।

रामलला के प्राण प्रतिष्ठा होते ही मन्दिरों में जुटी भीड़

नवादा (हि.स.)। अयोध्या के राम जन्मभूमि में ऐतिहासिक प्राण प्रतिष्ठा समारोह के साथही नवादा जिले के विभिन्न हनुमान व रामजानकी मंदिरों में श्रद्धालुओं की भीड़ सोमवार को देखने को मिली। जहां जय श्री राम के नारों के साथ श्रद्धालुओं ने मंदिर में प्रसाद व फुल चढकर भगवान की आरती की। सैकड़ों जगह पर रामचरि-त्र मानस का पाठ कराकर भगवान श्रीराम के प्राण प्रतिष्ठा समारोह को ध्यान में रखकर स्वागत गान गए। जगह-जगह पर अयोध्या राम मंदिर का लाइव प्रसारण भी देखा जा रहा था। जैसे ही देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने प्राण-प्रतिष्ठा के साथ आरती

मंगल संपन्न कराया। जय श्रीराम के नारों के साथ नवादा शहर गूंज्यामान हो उठा। सांसद प्रतिनिधि शशि भूषण सिंह बबलू ने इस अवसर पर हवन पाठ ,रामायण पाठ के साथ ही सा-भोज का भी आयोजन कराया। जहां सैकड़ों श्रद्धालुओं ने प्रसाद पाकर भगवान श्रीराम के जयकारे लगाएं । मॉडर्न इंग्लिश स्कूल के हजारों छात्र-छात्राओं ने निदेशक डॉक्टर अनुज कुमार की देखरेख में संपन्न कराया गया। रामायण पाठ में हिस्सा लेकर भगवान श्री राम का बाल रूप में जन्म भूमि में स्थापना का स्वागत करते हुए इसे ऐतिहासिक कार्य बताया। नवादा के सूरज मंदिर सूरज घाट पर हजारों श्रद्धालुओं ने टीवी पर प्रतिष्ठा समारोह का लाइव प्रसारण देखा। सैकड़ों ठिकानों पर खीर का प्रसाद भी श्रद्धालुओं के बीच बांटे गए।

आपके नाम पहले से है घर तो नहीं कर सकेंगे निकासी पीएफआरडीए ने राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली के जारी किए नए नियम

नई दिल्ली ।
पेंशन फंड नियामक एवं विकास प्राधिकरण (पीएफआरडीए) ने राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली (एनपीएस) के तहत निकासी को लेकर नए नियम जारी किए हैं, जो एक फरवरी से लागू हो जाएंगे। इसके तहत, अगर आपके नाम पर पहले से एक घर मौजूद है, तो नया घर खरीदने या बनवाने के लिए एनपीएस खाते से आंशिक निकासी नहीं कर पाएंगे। सर्कुलर में यह भी बताया गया है कि एनपीएस से अधिकतम आंशिक निकासी की सीमा क्या होगी और किन कार्यों के लिए पैसे निकाल सकते हैं। इन कार्यों के लिए निकासी सुविधा, बच्चों की उच्च शिक्षा के लिए।, बच्चों की शादी-विवाह के लिए।, पहला, घर खरीदने, होम लोन पुनर्भुगतान और अन्य के लिए भी निकासी कर सकते हैं। गंभीर, बीमारी, इलाज और मेडिकल संबंधी अन्य खर्च के लिए। , आपात स्थिति में भी निकासी संभव। , किसी तरह का कारोबार शुरू करने या स्टार्टअप के लिए भी निकासी कर सकते हैं।

अन्य शर्तें - पीएफआरडीए के नएनियमों के तहत, आंशिक निकासी वही खाताधारक कर सकेगा, जो तीन साल तक एनपीएस योजना का सदस्य हो। इसके अलावा, 25 फीसदी से ज्यादा रकम एनपीएस खाते से नहीं निकाल सकेंगे। निर्धारण के लिए योगदान पर मिले रिटर्न को नहीं जोड़ा जाएगा। एनपीएस खाताधारकों को अपने खाते से अधिकतम तीन बार ही पैसे निकालने की अनुमति होगी। नए सर्कुलर के मुताबिक, एनपीएस खाताधारक अपने पेंशन खाते में खुद की जमा की गई कुल रकम का अधिकतम 25 फीसदी हिस्सा ही निकाल सकता है। एनपीएस में अगर नियोक्ता की ओर से भी योगदान किया जाता है तो उसका कोई हिस्सा आप नहीं निकाल सकेंगे। आंशिक निकासी के लिए खाताधारक को सेंट्रल रिकॉर्डकीपिंग एजेंसी के प्रतिनिधि सरकारी नोडल अधिकारी के जरिये आवेदन करना होगा। इसमें निकासी की वजह और अन्य जानकारियां देनी होंगी। अगर खाताधारक बीमार है तो इसकी जगह पर परिवार का कोई सदस्या या नॉमिनी आवेदन कर सकता है। आदिल शेट्टी, सीईओ, बैंकबाजार ने बताया कि एनपीएस दीर्घकालिक पेंशन योजना है। इसमें निवेश राशि का इस्तेमाल अन्य कार्यों के लिए नहीं होना चाहिए। इसलिए, पीएफआरडीए ने नियम में बदलाव किया है। पूरी अवधि में तीनों बार आंशिक निकासी के दौरान पांच-पांच साल का अंतराल होना आवश्यक है।

न्यूज ब्रीफ

अंतरिम बजट 2024: आयकर मोर्चे पर राहत की उम्मीद, स्टैंडर्ड डिडक्शन के तहत मिलने वाली छूट को बढ़ा सकती है सरकार

नई दिल्ली । सरकार एक फरवरी, 2024 को आगामी वित्त वर्ष के लिएअंतरिम बजट पेश करेगी।बजट में खासकर नौकरीपेशा लोगों की नजर मुख्य रूप से आयकर के मोर्चे पर होने वाली घोषणाओं और राहत पर होती है। अर्थशास्त्रियों की राय इस पर अलग-अलग है। कुछ का कहना है कि सरकार आम चुनावों से पहले पेश होने वाले अंतरिम बजट में स्टैंडर्ड डिडक्शन की राशि बढ़ाकर आयकरदाताओं को राहत देने के साथ महिलाओं के लिए अलग से कुछ कर छूट दे सकती है। हालांकि, कुछ यह भी मानते हैं कि यह अंतरिम बजट है। ऐसे में आयकर मामले में बदलाव की उम्मीद नहीं है। वित्त मंत्री सीतारमण लोकसभा में एक फरवरी को 2024-25 का अंतरिम बजट पेश करेंगी। यह उनका छठा बजट है। नौकरीपेशा-मध्य वर्ग को उम्मीद सेंटर फॉर डेवलपमेंट स्टडीज के चेयरमैन सुदिप्तो मंडल ने कहा, अंतरिम बजट में नौकरीपेशा और मध्य वर्ग को आयकर मोर्चे पर कुछ राहत मिल सकती है। स्टैंडर्ड डिडक्शन की राशि बढ़ाकर कुछ राहत दिए जाने की उम्मीद है। लेकिन, यह भी ध्यान रखा जाना चाहिए कि गरीब और निम्न मध्य वर्ग आयकर नहीं देता है। फिलहाल स्टैंडर्ड डिडक्शन के तहत 50,000 रुपये की छूट है। कईअन्यचीजों पर निर्भर करेगी राहत करदाताओं को राहत से जुड़े सवाल के जवाब में लखनऊ स्थित गिरि विकास अध्ययन संस्थान के निदेशक प्रमोद कुमार ने कहा, इसके बारे में कुछ कहना मुश्किल है। यह आर्थिक कारकों के अलावा कई अन्य चीजों पर भी निर्भर करता है। हालांकि, इस तथ्य को देखते हुए कि यह आम चुनाव से पहले अंतरिम बजट पेश किया जा रहा है, करदाताओं के वोट को आकर्षित करने के लिए कुछ रियायतें दी जा सकती हैं। महिलाओं के लिएअलग से छूट संभव आर्थिक शोध संस्थान नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ पब्लिक फाइनेंस एंड पॉलिसी में प्रोफेसर लेखा चक्रवर्ती ने कहा, महिला मतदाताओं पर जोर को देखते हुए आयकर कानून की धारा 88सी के तहत महिलाओं के लिए कुछ अलग से कर छूट मिल सकती है। आयकरदाता भारतीय आबादी का एक छोटा हिस्सा हैं, ऐसे में महिलाओं और पुरुषों के लिए कर राहत से जुड़ी घोषणाओं का कम ही प्रभाव पड़ता है। ज्यादा बदलाव की उम्मीद नहीं बंगलूरू के डॉ. बीआर आंबेडकर स्कूल ऑफ इकनॉमिक्स यूनिवर्सिटी के कुलपति एनआर भानुमूर्ति ने कहा, यह अंतरिम बजट होगा। ऐसे में कर व्यवस्था में ज्यादा बदलाव की उम्मीद नहीं है क्योंकि इसका मकसद पूरे साल का बजट पेश होने तक सिर्फ खर्च बजट पर मंजूरी लेने का होता है। वैसे भी कर व्यवस्था और संरचना में बार-बार बदलाव से अनुपालन पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है।

कंपनियों के मुनाफे में आई सुस्ती, वृद्धि की रफ्तार पिछली 14 तिमाहियों में सबसे कम, कंपनियों की बिक्री साल भर पहले के मुकाबले केवल 9.4 फीसदी अधिक रही

नई दिल्ली । चालू वित्त वर्ष की अक्टूबर-दिसंबर तिमाही के अभी तक आए कारोबारी परिणामों से लगता है कि कंपनियों के मुनाफे में इजाफे की रफ्तार मंद पड़ रही है। उनकी आय में इजाफा तो और भी सुस्त रफ्तार से हो रहा है। अभी तक जिन कंपनियों के नतीजे आए हैं, उनमें से 215 का कुल मुनाफा 2022-23 की तीसरी तिमाही के मुकाबले 12.5 फीसदी बढ़ा है, जो 14 तिमाहियों में सबसे धीमी रफ्तार रही। इन कंपनियों की शुद्ध बिक्री साल भर पहले के मुकाबले केवल 9.4 फीसदी अधिक रही, जो दिसंबर, 2020 तिमाही के बाद सबसे खराब प्रदर्शन रहा। उस तिमाही में शुद्ध बिक्री 3.5 फीसदी घटी थी। पिछले साल जुलाई में एचडीएफसी बैंक और एचडीएफसी का विलय हुआ था और आंकड़े उसी के हिसाब से दुरुस्त किए गए हैं। शुरुआत में ही नतीजों की घोषणा करने वाली इन कंपनियों में से अगर बैंक, वित्त, बीमा और शेयर ब्रोकिंग कंपनियों को निकाल दिया जाए तो बची हुई कंपनियों ने और भी बदतर प्रदर्शन किया और अक्टूबर-दिसंबर 2023 में उनका मुनाफा साल भर पहले की अपेक्षा 7.8 फीसदी ही बढ़ा। इस तिमाही में उनकी आय में भी केवल 4.5 फीसदी इजाफा हुआ 2020-21 की तीसरी तिमाही के बाद से गैर बीएफएसआई कंपनियों के राजस्व में यह सबसे धीमी बढ़ोतरी है। अभी तक नतीजे घोषित करने वाली जिन कंपनियों को अपने नमूने में लिए गए हैं उनका मुनाफा तीसरी तिमाही में 1.02 लाख करोड़ रुपये रहा, जबकि साल भर पहले मुनाफा 91,000 करोड़ रुपये ही था।

अंबानी, बिड़ला, मित्तल समेत कारोबार जगत के दिग्गज अयोध्या में, राम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा संपन्न

नई दिल्ली ।
देश के चर्चित उद्योगपति और रिलायंस इंडस्ट्रीज के मुखिया मुकेश अंबानी और उनका पूरा परिवार राम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा समारोह के दौरान मौजूद रहे। उनके अलावा देश के कारोबारी जगत के कई अन्य दिग्गजों ने भी आयोध्या में श्री रामजन्मभूमि मंदिर में आयोजित कार्यक्रम में हिस्सा लिया।

राम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम में पूरा अंबानी परिवार रहा मौजूद - रिलायंस इंडस्ट्रीज के मुखिया मुकेश अंबानी, उनकी पत्नी नीता अंबानी, उद्योगपति अनिल अंबानी श्री राम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा समारोह में पहुंचे। उनके अलावे मुकेश अंबानी के बेटे आकाश अंबानी, उनकी पत्नी श्लोका मेहता अंबानी, बिड़ला समूह के कुमार मंगलम बिड़ला, वेदांता समूह के अनिल अग्रवाल और रेमंड समूह के मुखिया अनिल सिंघानिया भी प्राण प्रतिष्ठा समारोह में शामिल हुए। 500 से अधिक अतिथियों की सूची में भारतीय उद्योगजगत के जाने-माने दिग्गजों के अलावा मनोरंजन, खेल, संगीत और अन्य क्षेत्रों हस्तियों का नाम शामिल था।

मुकेश और नीता अंबानी श्री राम जन्मभूमि मंदिर पहुंचे - रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन और एमडी मुकेश अंबानी और उनकी पत्नी नीता अंबानी राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह में भाग लेने के लिए अयोध्या के श्री राम जन्मभूमि मंदिर पहुंचे।

ईशा अंबानी और आनंद पीरामल भी पहुंचे - ईशा अंबानी और उनके पति आनंद पीरामल भी राम मंदिर में राम मंदिर प्रतिष्ठा समारोह में शामिल होने के लिए अयोध्या के श्रीराम जन्मभूमि मंदिर पहुंचे। इस दौरान ईशा अंबानी ने कहा, हमारे लिए सबसे पवित्र दिनों में से एक है। मैं यहां आकर बहुत खुश हूं। आनंद पीरामल ने कहा, जय श्री राम!।

आकाश अंबानी बोले- यह दिन आकाश के पन्नों में लिखा जाएगा - रिलायंस जियो इन्फोकॉम लिमिटेड के चेयरमैन आकाश अंबानी अपनी पत्नी श्लोका मेहता के साथ प्राण प्रतिष्ठा समारोह में शामिल होने के लिए अयोध्या के श्रीराम जन्मभूमि मंदिर पहुंचे। उन्होंने कहा, ये दिन इतिहास के पन्नों में लिखा होगा, हम यहां आकर खुश हैं।

कुमार मंगलम बिड़ला अयोध्या पहुंचे - बिड़ला ग्रुप के चेयरमैन कुमार मंगल बिड़ला और अनन्या बिड़ला श्री राम जन्मभूमि मंदिर अयोध्या में प्राण प्रतिष्ठा

समारोह में भाग लेने के लिए पहुंच गए हैं। प्राण प्रतिष्ठा के लिए उद्योगपति अनिल अंबानी अयोध्या पहुंचे सुनील भारती मित्तल भी प्राण प्रतिष्ठा समारोह के लिए पहुंचे भारती एंटरप्राइजेज के संस्थापक और अध्यक्ष, सुनील भारती मित्तल राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह में भाग लेने के लिए अयोध्या के श्री राम जन्मभूमि मंदिर पहुंए गए हैं। रेमंड के मुखिया गौतम सिंघानिया ने अयोध्या से किया ट्वीट राम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा समारोह के लिए आमंत्रित बिजनेस लीडर्स रतन एन टाटा, टाटा संस के चेयरपर्सन एन चंद्रशेखरन और उनकी पत्नी ललिता रिलायंस के मुखिया मुकेश अंबानी, उनकी मां कोकिलाबेन, पत्नी नीता, बेटे आकाश और अनंत, बहू श्लोका और होने वाली बहू राधिका मर्चेंट, अदाणी समूह के चेयरमैन गौतम अदाणी

और अनेको को बुलावा

- अनिल अंबानी
- सुनील भारती मित्तल
- खनन मुगल अनिल अग्रवाल
- हिंदुजा समूह के अशोक हिंदुजा
- विप्रो के अजीम प्रेमजी
- बॉम्बे डाइंग के नुस्ली वाडिया
- टोरेंट ग्रुप के फाउंडर और चेयरपर्सन सुधीर मेहता
- जीएमआर ग्रुप के जीएम आर राव
- रियल एस्टेट कारोबारी निरंजन हीरानंदानी
- ■ आदित्य बिड़ला ग्रुप के चेयरपर्सन कुमार मंगलम बिड़ला और उनकी पत्नी नीरजा
- पीरामल ग्रुप के अजय पीरामल
- महिंद्रा एंड महिंद्रा के आनंद महिंद्रा
- डीसीएम श्रीराम के अजय श्रीराम।
- टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) के सीईओ के कृतिवासन
- एचडीएफसी के पूर्व चेयरपर्सन दीपक पारेख
- एचडीएफसी के आदित्य पुरी
- डॉ. रेड्डीज फार्मास्युटिकल्स के के सतीश रेड्डी।

जी एंटरटेनमेंट एंटरप्राइजेज के सीईओ पुनीत गोयनका।

- एलएंडटी के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक एस एन सुब्रमण्यन और उनकी पत्नी तथा कंपनी के पूर्व प्रमुख ए एम नाइक
- डिविस लेबोरेटरीज के दुराली डिवी इंफोसिस के संस्थापक एन आर नारायणमूर्ति
- इंफोसिस के प्रमुख नंदन नीलेकणि और कंपनी के सह-संस्थापक टीवी मोहनदास पई
- जिंदल स्टील एंड पावर के प्रमुख नवीन जिंदल
- मेदांता ग्रुप के नरेश त्रेहन
- कोटक महिंद्रा बैंक के संस्थापक उदय कोटक
- सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया के सीईओ अदार पूनावाला
- गोदरेज ग्रुप के चेयरपर्सन आदि गोदरेज
- भारत बायोटेक के संस्थापक और चेयरपर्सन इला कृष्णा
- श्रीराम ग्रुप के अरुण भरत राम
- जेएसडब्ल्यू स्टील के एमडी सज्जन जिंदल
- जीवीके ग्रुप के जीवीके रेड्डी
- रेमंड के गौतम सिंघानिया
- आरपीजी एंटरप्राइजेज के हर्ष गोयनका
- मैरिको के हर्ष मारीवाला
- डॉ रेड्डीज फार्मास्युटिकल्स के चेयरमैन के सतीश रेड्डी और पत्नी
- हल्दीराम के मनोहर लाल अग्रवाल
- भारत फोर्ज के एमडी बाबा कल्याणी
- सन फार्मा के दिलीप संघवी
- हीरो मोटोकॉर्प के प्रमुख पवन मुंजाल
- इंडिगो के राहुल भाटिया
- शापूरजी पालोनजी ग्रुप के शापूर मिस्त्री
- अपोलो अस्पताल के प्रताप सी रेड्डी
- सिप्ला फार्मास्युटिकल्स के यूसुफ हामिद
- किर्लोस्कर ब्रदर्स लिमिटेड के अध्यक्ष और एमडी, संजय किर्लोस्कर
- एचडीएफसी के सीईओ और एमडी शशि जगदीशन
- बिड़ला इंडस्ट्रीज के सी के बिड़ला
- पिडिलाइट अधेसिव के मधुकर पारेख
- एशियन पेंट्स के महेंद्र चोकसी
- रामदेव फूड प्रोडक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड के हसमुखभाई पटेल

वैश्विक ब्रोकरेज फर्म जेफरीज ने राम मंदिर पर की बड़ी टिप्पणी, कहा हर साल पांच करोड़ लोग पहुंचेंगे

नई दिल्ली ।
वैश्विक ब्रोकरेज फर्म जेफरीज ने एक रिपोर्ट में बताया है कि अयोध्या में राम मंदिर सालाना पांच करोड़ से अधिक पर्यटकों को आकर्षित कर भारत की पर्यटन क्षमता को एक नए स्तर पर ले जाने का मार्ग प्रशस्त कर सकता है। जेफरीज ने भारत की पर्यटन क्षमता पर एक विशेष नोट में कहा, पीएम मोदी द्वारा 22 जनवरी को अयोध्या में राम मंदिर का भव्य उद्घाटन एक बड़ा धार्मिक कार्यक्रम है।

यह एक बड़े आर्थिक प्रभाव के साथ भी आता है क्योंकि भारत को एक नया पर्यटन स्थल मिलता है जो प्रति वर्ष पांच करोड़ से अधिक पर्यटकों को आकर्षित कर सकता है। 85,000 करोड़ रुपये का मेकओवर (नया हवाई अड्डा, नया रेलवे स्टेशन, टाउनशिप, बेहतर सड़क संपर्क आदि) नए होटलों और अन्य आर्थिक गतिविधियों से पर्यटन क्षेत्र नए मुकाम पर पहुंचेगा। यह पर्यटन के लिए बुनियादी ढांचे के विकास के मापदंड भी तय कर सकता है। जेफरीज ने कहा कि अयोध्या में राम मंदिर एक सार्थक रूप से बड़ा आर्थिक प्रभाव पैदा कर सकता है। लगभग 70 एकड़ में फैला मुख्य तीर्थ स्थल, लगभग दस लाख भक्तों को एक साथ होस्ट करने के लिए सुसज्जित होगा। जेफरीज की ओर से कहा गया है कि प्रति दिन 1-1.5 लाख तीर्थयात्रियों के प्रतिदिन पहुंचने की उम्मीद है। जेफरीज ने कहा, धार्मिक पर्यटन अब भी भारत में पर्यटन का सबसे बड़ा खंड है। कई लोकप्रिय धार्मिक केंद्र मौजूदा ढांचागत बाधाओं के बावजूद 10-30 मिलियन के वार्षिक पर्यटक यातायात को आकर्षित करते हैं। इसलिए, बेहतर कनेक्टिविटी और बुनियादी ढांचे के साथ एक नए धार्मिक पर्यटन केंद्र (अयोध्या) का निर्माण एक सार्थक रूप से बड़ा आर्थिक प्रभाव पैदा कर सकता है।

देश के कई राज्यों में पेट्रोल और डीजल की कीमतें बदलीं, ब्रेंट क्रूड का भाव गिरकर 78.24 डॉलर प्रति बैरल

नई दिल्ली ।
वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में लगातार नरमी देखी जा रही है। क्रूड के भाव 80 डॉलर प्रति बैरल से नीचे उतर गए हैं। वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में भी बदलाव दिख रहा है। ब्रेंट क्रूड का भाव गिरकर 78.24 डॉलर प्रति बैरल पहुंच गया है। डब्ल्यूटीआई के भाव भी 73.57 डॉलर प्रति बैरल के भाव पर कारोबार कर रहे थे। इस बीच सरकारी तेल कंपनियों की ओर से जारी पेट्रोल-डीजल की खुदरा कीमतों में बदलाव दिख रहा है। यूपी के कई शहरों में तेल के भाव बढ़ गए हैं तो बिहार में भी पेट्रोल 108 रुपये लीटर के पार चला गया है। सरकारी तेल कंपनियों के अनुसार गाजियाबाद में पेट्रोल 34 पैसे बढ़कर 96.92 रुपये लीटर बिक रहा है तो डीजल 33 पैसे महंगा होकर 90.08 रुपये लीटर हो गया है। यूपी की राजधानी लखनऊ में कीमतें नीचे आईं और पेट्रोल 14 पैसे सस्ता होकर 96.43 रुपये लीटर तो डीजल 13 पैसे टूटकर 89.63 रुपये लीटर बिक रहा है। बिहार की राजधानी पटना में पेट्रोल 32 पैसे चढ़कर 108.12 रुपये लीटर पहुंच गया है, जबकि डीजल 30 पैसे की बढ़त के साथ 94.86 रुपये लीटर बिक रहा है। दिल्ली पेट्रोल 96.72 रुपये और डीजल 89.62 रुपये प्रति लीटर, मुंबई

पेट्रोल 106.31 रुपये और डीजल 94.27 रुपये प्रति लीटर, चेन्नई पेट्रोल 102.63 रुपये और डीजल 94.24 रुपये प्रति लीटर, कोलकाता पेट्रोल 106.03 रुपये और डीजल 92.76 रुपये प्रति लीटर, नोएडा में पेट्रोल 96.92 रुपये और डीजल 90.08 रुपये प्रति लीटर हो गया है। लखनऊ में पेट्रोल 96.43 रुपये और डीजल 89.63 रुपये प्रति लीटर हो गया है। पटना में पेट्रोल 108.12 रुपये और डीजल 94.86 रुपये प्रति लीटर हो गया है।

महंगे बाजार में मल्टीएसेट व बैलेंस्ड फंड अच्छे साधन

नई दिल्ली ।
बात चाहे स्मॉलकैप की हो या मिडकैप की, महंगे बाजार में इनका मूल्यांकन इस समय काफी ऊपर है। लार्जकैप में बढ़ोतरी की गुंजाइश सीमित है। ऐसे में निवेशकों के लिए बैलेंस्ड एडवांटेज और मल्टीएसेट फंड अच्छे निवेश विकल्प हो सकते हैं। इसका पूरा गणित बताती अजीत सिंह की रिपोर्ट- शेयर बाजार में इस समय देखा जाए तो मूल्यांकन महंगा होने से अब गिरावट का समय है। बाजार की आगे की दिशा के मूल्यांकन के डी-रेटिंग और कमाई में बढ़ोतरी से तय होगी। सेक्टर के लिहाज से देखें तो निवेश का सबसे बड़ा अवसर निजी क्षेत्र के बैंकों में दिख रहा है। कुछ अच्छे बैंकों के शेयर लंबे समय के औसत से कम मूल्यांकन पर कारोबार कर रहे हैं। इन मूल्यांकन पर कारोबार करने का कोई बुनियादी कारण नहीं दिख रहा है। ये बैंक उपभोक्ता सेवाओं पर भी सकारात्मक सोच रखते हैं। मांग में कमजोरी के कारण शेयर अच्छे खासे मूल्यांकन पर रहे हैं। ऐसे में जब भी भारत की मध्यम वर्ग की खपत बढ़ेगी, इन क्षेत्रों में मजबूत मांग होगी।

आईटी कंपनियों के शेयर भी हैं आकर्षक

सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) क्षेत्र भी आकर्षक दिख रहा है। जब मूल्यांकन ऊंचे स्तर पर हैं तो ऐसे समय में हाइब्रिड फंड, विशेष रूप से बैलेंस्ड एडवांटेज फंड और मल्टी-एसेट फंड इस समय अच्छे विकल्प हैं। यदि बाजार में गिरावट आती है इन फंडों में निवेश से सुरक्षा मिलेगी। साथ ही, मूल्यांकन में सुधार होने पर इक्विटी निवेश में अपने आप वृद्धि हो जाएगी। ऐसे में लार्ज कैप में

निवेश कर सकते हैं।

वृद्धि वाले शेयर कर सकते हैं बेहतर प्रदर्शन

ग्रोथ स्टॉक इस साल बेहतर प्रदर्शन कर सकते हैं। वैल्यू इंडेक्स अपने पिछले पांच साल के औसत से प्रीमियम पर कारोबार कर रहा है। वैल्यू स्टॉक्स में तेजी निचले आधार पर आई और यह री-रेटिंग के आधार पर हुआ। आय में वृद्धि आगे चलकर स्टॉक की कीमतों को निर्धारित करेगी और इस मोर्चे पर वृद्धि वाले स्टॉक और अच्छा प्रदर्शन करने के लिए बेहतर स्थिति में हैं। अजय त्यागी, इक्विटी प्रमुख, यूटीआई एएमसी ने कहा कि बाजार में पिछले साल बेतहाशा तेजी रही है।

इतनी तेजी के बाद गिरावट की आशंका है। ऐसे में निवेशकों को सावधानी पूर्वक निवेश करना चाहिए।

सेवानिवृत्त होने के बजाय कामकाजी वर्ष बढ़ाएं, बुढ़ापे में वित्तीय सुरक्षा का एकमात्र तरीका

नई दिल्ली ।
किसी व्यक्ति के लिए अपना 90वां जन्मदिन मनाना एक जश्न हो सकता है। उनकी खुशियों का, उनकी सेहत का और उनके परिवारजनों का। लेकिन, उम्र के इस पड़ाव तक पहुंचने के लिए सेवानिवृत्त होने के बजाय आपको अपने कामकाजी वर्षों को बढ़ाने पर ध्यान देना चाहिए। यह बुढ़ापे में वित्तीय रूप से सुरक्षित रहने का एकमात्र तरीका है।

कुछ दिन पहले मैं एक अनोखी पार्टी का गवाह बना। अनोखी इसलिए कह रहा हूं, क्योंकि पार्टी में 25 में से 23 लोग 80 साल से ज्यादा उम्र के थे। मैं और मेरी पत्नी सबसे छोटे थे। हमें एहसास हुआ कि लंबा जीवन जीना बहुत उपयोगी और प्यारा हो सकता है। यह पार्टी एक डॉक्टर के 90वां जन्मदिन मनाने की खुशी में थी, जिसने एक दशक पहले ही पूर्ण रूप से काम करने से सेवानिवृत्त ले लिया था। अजीब बात है कि उनके 60 साल की उम्र के बच्चे अपनी पूर्व प्रतिबद्धताओं के कारण इसमें शामिल नहीं हो सके। हालांकि, इसका कोई बहुत फर्क इस जश्न पर नहीं पड़ा।

इस पार्टी से मुझे जो एहसास हुआ, वह यह कि जब आप बूढ़े हो जाएंगे (जरूरी नहीं कि सेवानिवृत्त हो जाएं) तो जीवन में कई चीजें हैं, जिनका इंतजार करना होगा। सेवानिवृत्ति का मतलब यह नहीं है कि आप काम करना बंद कर दें। आप बस वह काम शुरू कर दें, जो आपको पसंद है। यह बहुत अच्छा है, अगर उस चीज से भुगतान भी मिले। हां, जीवन कई चुनौतियां लाता है, लेकिन आपको इसे सही ढंग से लेने की जरूरत है न कि इससे जूझने की। सकारात्मक मानसिकता रखना हर उम्र में अच्छा है और व्यक्ति को इस दिशा में काम करने की जरूरत है।

सेवानिवृत्ति का मतलब सिर्फ पैसा होना नहीं

बढ़ती लंबी आयु के साथ सबसे अच्छी वित्तीय योजनाएं विफल हो सकती हैं, जिसका अर्थ है कि बुढ़ापे में वित्तीय रूप से सुरक्षित रहने का एकमात्र तरीका अपने कामकाजी वर्षों को जितना संभव हो उतना बढ़ाना है। यह भी सुनिश्चित करना है कि आप समान आयु वाले लोगों की संगति में रहें। जीवन की चुनौतियों का सामना करने के लिए जरूरत पड़ने पर ऐसे लोग भावनात्मक मदद कर सकते हैं। याद रखें, सेवानिवृत्ति का मतलब सिर्फ पैसा होना नहीं है,

बल्कि समय कैसे बिताना है, इसकी चिंता किए बिना आगे बढ़ते रहना भी एक उद्देश्य होगा।

समस्याओं से जूझने के बजाय डटकर करें सामना

हम पार्टी में शामिल अधिकांश लोगों को नहीं जानते थे। कई लोगों ने हमें डॉक्टर का पोता समझ लिया। शुरू में तो हम थोड़ा शर्मिंदा थे, लेकिन जल्द ही डॉक्टर के करीबी परिवार का सदस्य समझे जाने पर यह शर्मिंदगी खुशी में बदल गई। वहां मौजूद लोगों में उम्र संबंधी सामान्य समस्याएं थीं, लेकिन वे सभी अपने दिमाग व शरीर से तेज थे। इस पार्टी में विभिन्न क्षेत्रों के लोग थे। वे कुछ दशकों में स्वामी परिवार के दोस्त बन गए हैं, क्योंकि कई वर्षों से एक ही अपार्टमेंट में रह रहे हैं और साथ ही यात्रा भी कर रहे हैं।

जिस बात ने मुझे बहुत ज्यादा खुश किया, वह यह थी कि उनमें से कुछ लोगों के पास छड़ी थी। उन्हें छोड़कर किसी को भी कोई शारीरिक विकलांगता नहीं थी जैसा कि हम आम तौर पर बुजुर्गों के साथ देखते हैं।

वित्तीय सुरक्षा के लिएकरियर का भी प्रबंधन

आश्चर्य की बात नहीं, उनमें से करीब सभी अपने बच्चों के साथ नहीं, बल्कि घरेलू नौकरों के साथ स्वतंत्र रूप से रह रहे थे क्योंकि अधिकांश बच्चे विदेश में बस गए थे या अलग-अलग शहरों में। ये सभी लोग सामान्य पेशे से थे और वे कोई अमीर परिवार से भी नहीं थे। लेकिन उन्होंने अपने बल पर सारा कुछ अर्जित किया है। कई लोगों के पास पेंशन थी जो पर्याप्त नहीं थी, लेकिन उन्होंने वित्तीय रूप से सुरक्षित होने के लिए अपने पैसे के साथ-साथ अपने करियर को भी चतुराई से प्रबंधित किया था।

एक आम बात यह थी कि सभी ने अपने कामकाजी वर्षों को सामान्य सेवानिवृत्ति आयु 58 या 60 से आगे बढ़ा दिया था। उदाहरण के लिए, एक अकाउंटेंट ने कोचिंग संस्थान में 11वीं-12वीं के छात्रों को पढ़ाना शुरू कर दिया था। एक महिला ने अपने पति के 65 वर्ष की आयु में सेवानिवृत्त होने के बाद संगीत सिखाना और परफॉर्मेंस करना शुरू किया। उन्होंने बताया, जब उनके पति बैंक में काम कर रहे थे, तब नौकरी के कारण बुजुर्ग माता-पिता के साथ उनका ट्रांसफर होता रहा। इससे वह संगीत में रुचि को आगे नहीं बढ़ा सकीं। अब उन्हें अपने जुनून को फिर से शुरू करने का समय मिला।

शुरू कर सकते हैं व्यवसाय

एक सज्जन ने सेवानिवृत्ति के बाद व्यवसाय शुरू किया। विज्ञान के प्रति जुनून ऐसा था कि सेवानिवृत्ति के बाद सेमीकंडक्टर में कारोबार शुरू करने के लिए कुछ 20 साल के युवाओं को साझेदार के रूप में ढूंढ लिया। उन्होंने अनुसंधान एवं विकास पर ध्यान केंद्रित करना जारी रखा है। उनका जीवन उससे बिल्कुल अलग है, जैसा 80 वर्ष से अधिक उम्र के लोग कल्पना करते हैं।

पेरिस सेंट जर्मेन फ्रेंच कप के प्री-क्वार्टर फाइनल में पहुंचा, किलियन एम्बाप्पे ने दागे दो गोल

पेरिस ।
फ्रांस के सुपर स्टार किलियन एम्बाप्पे का इस सत्र में अपने क्लब पेरिस सेंट जर्मेन (पीएसजी) के लिए शानदार प्रदर्शन का क्रम जारी है। फ्रेंच कप में पीएसजी ने तीसरे दर्जे में खेलने वाले क्लब ऑरलियांस को 4-1 से पराजित कर अंतिम-16 में जगह बना ली। एम्बाप्पे ने इस जीत में न सिर्फ दो गोल किए बल्कि बाकी के दोनों गोल में सहायता भी की। इन दो गोल के साथ एम्बाप्पे के इस सत्र में पीएसजी के लिए 26 मैच में 28 गोल हो गए हैं। वहीं उन्होंने क्लब के लिए अपने गोलों की संख्या रिकॉर्ड 240 कर ली है। वह बीते सत्र में उरुग्वे के एडिंसन कवानी का क्लब के लिए सर्वाधिक गोल का रिकॉर्ड तोड़ चुके हैं।

एम्बाप्पे ने खेल के 16वें मिनट में रैंडल कोलो मुआनी के साथ मिलकर गोल किया। इसके बाद उन्होंने 62वें मिनट हैंडबॉल के चलते मिली पेनाल्टी पर गोल दागा। 71वें मिनट में उन्होंने बाएं छोर से क्रांस फेंका जिस पर गोंसालो रामोस ने गोल किया। इसके बाद 88वें मिनट में म्बापे ने सेनी मायुलु को पास दिया, जिस पर उन्होंने आसानी से गोल किया। ऑरलियांस के लिए निकोलस सेंट रुफ ने 86वें मिनट में गोल किया। वहीं 2022 के विजेता नांट्स को लावाल ने 0-1 से पराजित किया।

जॉर्डन ने कोरिया को 2-2 से ड्रॉ पर रोका

एशिया कप फुटबॉल में जॉर्डन ने कोरिया को 2-2 से ड्रॉ पर रोक दिया। कोरिया को यह ड्रॉ जॉर्डन की ओर से किए गए आत्मघाती गोल के जरिए नसीब हुआ। इस ड्रॉ के साथ ग्रुप ई में 1990 में जर्मनी को विश्वकप जिताने वाले पूर्व फुटबॉल जुर्गेन क्लिंसमैन की कोचिंग में खेल रही कोरिया और जॉर्डन के चार-चार अंक हो गए हैं। यह 24 घंटे के अंतराल में दूसरा अप्रत्याशित परिणाम है। इससे पहले इराक ने जापान को 2-1 से पराजित किया था।

कोरिया को टॉटेनहेम के स्टार फुटबॉलर सोन ह्यूंग मिन ने पांचवें मिनट में पेनाल्टी पर बढ़त दिलाई। 37वें मिनट में जॉर्डन ने पार्क यांग वू के आत्मघाती गोल से बराबरी हासिल की। छह मिनट बाद यजान अल नैमत ने गोल कर जॉर्डन को बढ़त दिला दी। दूसरे हाफ के स्टापेज समय में ह्वांग इन के जमीनी शाट को यजान अल अरब ने अपने ही गोल में पहुंचा दिया, जिससे मुकाबला 2-2 की बराबरी पर छूटा। इसी ग्रुप में बहरीन ने मलयेशिया को 1-0 से हराया।

न्यूज ब्रीफ

इंग्लैंड की आक्रामक रणनीति भारत के खिलाफ सफल नहीं रहेगी : हरभजन

नई दिल्ली । टीम इंडिया के दिग्गज स्पिनर हरभजन सिंह ने इंग्लैंड क्रिकेट टीम को आगाह किया है कि

उसकी आक्रामक रणनीति भारत में नहीं चलेगी। भारत और इंग्लैंड के बीच पांच टेस्ट मैचों की सीरीज 25 जनवरी से शुरु होगी। इसी सीरीज को लेकर हरभजन ने कहा कि इंग्लैंड के लिए ये सीरीज आसान नहीं होने वाली हैं। उन्हें कई मुश्किलों का सामना करना पड़ सकता हैं! हरभजन ने कहा, भारत के खिलाफ उनकी आक्रामक रणनीति सफल नहीं रहेगी। साथ ही कहा कि ये सीरीज काफी कठिन रहेगी और उन्हें परेशानियों का सामना करना पड़ सकता हैं। इसका कारण ये है कि पहली ही गेंद से टर्न मिलेगा और दोनों तरफ के स्पिनरों को विकेट लेने का अवसर मिलेगा। हरभजन ने ये भी कहा,, दोनों टीमों के लिए टॉस काफी अहम रहेगा। इंग्लैंड को इस सीरीज में तभी लाभ मिलेगा ज़ब उन्हें स्पिनरों के अनुरुप पिच न मिले। दोनो टीमों के बीच पहला टेस्ट 25 जनवरी से हैदराबाद में , दूसरा 2 फरवरी से विशाखापट्टनम में, तीसरा 15 फरवरी से राजकोट में और चौथा 23 फरवरी से रांची में और पांचवा 7 मार्च से धर्मशाला के मैदान पर खेला जाएगा। इंग्लैंड ने पिछले कुछ समय के अंदर अपनी आक्रामक रणनीत से कई देशों में सीरीज जीती हैं। ऐसे में उसका मानना है कि भारत में भी उसे जीत मिलेगी।

भारत-पाक डेविस कप टेनिस मुकाबला अगले माह

नई दिल्ली । भारत और पाकिस्तान के बीच तीन और चार फरवरी को डेविस कप विश्व ग्रुप एक

प्ले ऑफ मुकाबला होगा। भारत ने इससे पहले अंतिम बार 1964 में पाक का दौरा करते हुए 4-0 से जीत हासि की थी। भारत अभी तक पाकिस्तान से कभी नहीं हारा है और उसका लक्ष्य इस रिकार्ड को बनाये रखना रहेगा। भारतीय टीम ने अब तक पाकिस्तान के खिलाफ सभी आठ मुकाबले जीते हैं। भारत और पाकिस्तान के बीच अंतिम बार 2019 में तटस्थ स्थल पर मुकाबला हुआ था उसे भी भारतीय टीम ने 4-0 से जीता था। इसके लिए भारत की छह सदस्यीय टीम में रामकुमार रामनाथन, एन श्रीराम बालाजी, युकी भांबरी, निकी कालियांदा पूनाचा, साकेत माइनेनी और दिग्विजय प्रताप सिंह जैसे खिलाड़ी हैं। इसमें दिग्विजय प्रताप सिंह रिजर्व खिलाड़ी हैं। रामनाथन और पूनाचा एकल मैच खेल सकते हैं जबकि युकी, बालाजी और माइनेनी में से किन्हीं दो को युगल मैच के लिए चुना जा सकता है। रोहित राजपाल टीम के गैर खिलाड़ी कप्तान होंगे जबकि जीशान अली कोच रहेंगे। अखिल भारतीय टेनिस संघ (एआईटीए) ने कहा कि चयन समिति की बैठक की अध्यक्षता नंदन बल ने की तथा समिति के अन्य सदस्य बलराम सिंह, मुस्तफा घोष, साई जयलक्ष्मी, राजपाल, जीशान और सचिव अनिल धूपर भी इसमें उपस्थित थे।

गुकेश ने वारमेरडैम को हराकर संयुक्त बढ़त बनाई, गुजराती ने हासिल की पहली जीत

नई दिल्ली । भारतीय ग्रैंड मास्टर डी गुकेश ने टाटा स्टील मास्टर्स शतरंज टूर्नामेंट में स्थानीय खिलाड़ी मैक्स वारमेरडैम को हराकर 4.5 अंकों के साथ संयुक्त रूप से बढ़त बना ली है। यह उनकी लगातार तीसरी जीत है। वहीं ग्रैंड मास्टर विदित गुजराती ने फ्रांस के फिरौजा अलीरेजा को हराकर टूर्नामेंट में पहली जीत हासिल की। वह चार अंकों के साथ संयुक्त रूप से आर प्रगनानंदा और फिरौजा अलीरेजा के साथ चौथे स्थान पर हैं। गुकेश के साथ उज्बेकिस्तान के नोदिरबेक अब्दुसत्तारोव और नीदरलैंड के अनीश गिरी 4.5 अंकों के साथ संयुक्त बढ़त पर हैं। प्रगनानंदा ने स्थानीय खिलाड़ी जॉर्डन वॉन फोरीस्ट के साथ ड्रॉ खेला। गिरी को अब्दुसत्तारोव के हाथों टूर्नामेंट में पहली हार का सामना करना पड़ा। सफेद मोहरों से खेल रहे गुकेश को शुरुआत में वारमेरडैम के तेज खेल के आगे समय के दबाव में फंसना पड़ा, लेकिन एंड गेम में गुकेश ने बेहतरीन खेल का प्रदर्शन कर 66 चालों में जीत हासिल कर ली। अब तक ड्रॉ खेलते आ रहे गुजराती ने भी फिरौजा को सफेद मोहरों से खेलते हुए हराया। उन्होंने 42 चालों में जीत हासिल की। वहीं प्रगनानंदा सफेद मोहरों का फायदा फोरीस्ट के खिलाफ नहीं उठा पाए।

क्या अश्विन दुनिया के बेस्ट एक्टिव स्पिनर हैं

हर 51वीं बॉल पर विकेट, टॉप-9 बॉलर्स में बेस्ट ; 500 क्लब से 10 विकेट दूर

नई दिल्ली ।
रविचंद्रन अश्विन टेस्ट में 500 विकेट पूरे करने से महज 10 विकेट दूर हैं। वह 95 टेस्ट खेल चुके हैं और इंग्लैंड के खिलाफ 25 जनवरी से शुरू हो रही 5 मैचों की सीरीज में 100वां टेस्ट खेल सकते हैं। अश्विन सीरीज में 13 विकेट लेते ही एशिया में भी 400 विकेट पूरे कर लेंगे। मौजूदा स्पिनर्स में ऑस्ट्रेलिया के नाथन लायन ही अश्विन से ज्यादा टेस्ट विकेट ले सके हैं लेकिन वह एक विकेट लेने के लिए 63 गेंदें फेंकते हैं। जबकि अश्विन हर 51वीं बॉल पर ही विकेट झटक लेते हैं। जो उनसे ज्यादा टेस्ट विकेट लेने वाले 8 बॉलर्स से बेहतर है। एक्टिव स्पिनर्स में लायन, रवींद्र जडेजा और शाकिब अल हसन ही अश्विन के मुकाबले में खड़े नजर आते हैं। जानते हैं अश्विन के मुकाबले इनका टेस्ट प्रदर्शन कैसा है 95 टेस्ट में 490 विकेट ले चुके अश्विन, 8 बार मैच में 10 विकेट लिए रविचंद्रन अश्विन 95 टेस्ट में 490 विकेट ले चुके हैं। वे 8 बार एक मैच में 10 या उससे ज्यादा विकेट भी ले चुके हैं। अश्विन टेस्ट में करीब हर 51वीं बॉल पर एक विकेट निकालते हैं। टेस्ट में सबसे ज्यादा विकेट के नाम पर वह भारत के दूसरे सबसे सफल बॉलर हैं। लेग स्पिनर अनिल कुंबले ही उनसे ज्यादा 619 विकेट ले सके हैं। 2019 में शुरू हुई वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के 30 मैचों में अश्विन 148 विकेट ले चुके हैं। डब्लूटीसी के टॉप विकेट टेकर्स में वह तीसरे नंबर पर हैं। ऑस्ट्रेलिया के नाथन लायन और पैट कमिंस उनसे आगे हैं। एशिया में अश्विन के नाम महज 46 टेस्ट में 387 विकेट लेते हैं। स्पिन कंडीशन में वह हर 46वीं गेंद पर ही विकेट निकाल लेते हैं। सीरीज में 13 विकेट लेते ही वह एशिया में 400 विकेट लेने वाले पहले एक्टिव स्पिनर बन जाएंगे। ओवरऑल उनसे ज्यादा विकेट श्रीलंका के मुथैया मुरलीधरन (618) और भारत के ही अनिल कुंबले (419) ने लिए हैं।

अश्विन के पास 500 टेस्ट विकेट का मौका - अश्विन इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज में 10 विकेट लेते ही 500 टेस्ट पूरे कर लेंगे। अब तक 8 ही गेंदबाज 500 टेस्ट विकेट ले सके हैं, अश्विन ऐसा करने वाले 9वें गेंदबाज

और पांचवें स्पिनर बन सकते हैं। भारत की स्पिन पिचों को देखते हुए संभव है कि अश्विन का गेंदबाजी स्ट्राइक रेट भी 50 से नीचे पहुंच जाए। जो उनसे ज्यादा विकेट लेने में कोई नहीं कर सका है।

1. नाथन लायन, ऑस्ट्रेलिया: विकेट लेने के लिए अश्विन से 12 गेंदें ज्यादा ले रहे - ऑस्ट्रेलियाई स्पिनर नाथन लायन के नाम 512 विकेट हैं, लेकिन वे 126 मुकाबले खेल चुके हैं। जबकि अश्विन ने 95 मैच ही खेले हैं। यानी लायन हर मैच में औसतन 4 और अश्विन औसतन 5 विकेट लेते हैं। टेस्ट क्रिकेट में अश्विन का बॉलिंग स्ट्राइक रेट (एक विकेट लेने में डाली गई बॉल) भी लायन से बेहतर हैं। अश्विन टेस्ट में हर 51वीं बॉल पर विकेट लेते हैं, जबकि लायन को एक विकेट निकलने में 63 बॉल डालनी पड़ती हैं। डब्लूटीसी में भी बॉलिंग स्ट्राइक रेट के मामले में भारतीय स्पिनर आगे हैं। चैंपियनशिप में लायन 60.5 के बॉलिंग स्ट्राइक रेट से 169 विकेट ले चुके हैं और टूर्नामेंट के टॉप विकेट टेकर हैं। जबकि अश्विन 46.3 के स्ट्राइक रेट से 148 विकेट ले चुके हैं। मौजूदा सीजन में अश्विन ने 3 मैचों में 40.87 के स्ट्राइक रेट से 16 विकेट लिए हैं, जबकि लायन ने 6 मैचों में 44.56 के स्ट्राइक रेट से 25 विकेट हासिल किए हैं। एशिया की पिचें स्पिनर्स के लिए जन्नत की तरह होती हैं। लेकिन यहां भी लायन को एक विकेट लेने के लिए करीब 62 गेंदें लग जा रही हैं। जबकि एशिया में अश्विन 46वीं बॉल पर ही विकेट झटक लेते हैं।

2. रवींद्र जडेजा, भारत: मैच में 10-विकेट लेने में अश्विन बेहतर - दोनों भारतीय स्पिनर्स हैं, लेकिन अश्विन कई मामलों में रवींद्र जडेजा से बेहतर हैं। बात चाहे एशिया में विकेट की हो या फिर करियर विकेट की या फिर स्ट्राइक रेट की। रविचंद्रन अश्विन ने टेस्ट करियर में 8 बार एक मैच में 10 या इससे ज्यादा विकेट लिए, जबकि जडेजा दो बार ही ऐसा कर सके हैं। टेस्ट करियर में जडेजा ने 68 मैचों में 59.46 के स्ट्राइक रेट से 275 विकेट हासिल किए हैं। जडेजा को एक विकेट लेने में 59 गेंद डालनी पड़ती हैं, जो अश्विन से 8 ज्यादा है। जडेजा बैटिंग और फील्डिंग के मामले में जरूर अश्विन से बेहतर हैं। यही वजह है कि पिछले 10 सालों में विदेश के ज्यादातर टेस्ट में अश्विन की जगह उन्हें टीम इंडिया की प्लेइंग-11 में प्राथमिकता दी गई। डब्लूटीसी के 27 मैचों में जडेजा ने 83 विकेट चटकाए हैं, यानी कि एक मैच में औसतन 3 विकेट। जबकि अश्विन हर मैच में औसतन 5 विकेट ले रहे हैं। मौजूदा सीजन के 3 मैचों में जडेजा 7 ही विकेट ले सके हैं, जो अश्विन से 9 कम हैं। एशिया में जरूर जडेजा बहुत तेजी से विकेट लेते हैं। उनके नाम 42 टेस्ट में 207 विकेट हैं, यानी हर मैच में औसतन अश्विन के बराबर 5 विकेट। वह हर 54वीं गेंद पर विकेट लेते हैं, यहां जरूर अश्विन उनसे 8 गेंदें कम फेंक कर सफलता हासिल कर लेते हैं।

3. शाकिब अल हसन, बांग्लादेश: टेस्ट एक्सपीरियंस, स्ट्राइक रेट, इकोनॉमी के मामले में बेहतर हैं भारतीय स्पिनर - दुनिया के टॉप एक्टिव स्पिनर्स में अश्विन, लायन और जडेजा के सामने बांग्लादेश के शाकिब अल हसन बेहद कमजोर नजर आते हैं। लेकिन शाकिब 2007 में अश्विन से 4 साल पहले ही डेब्यू कर चुके हैं और अब तक टेस्ट खेल रहे हैं। 36 साल के शाकिब फिलहाल दुनिया के बेस्ट लेफ्ट आर्म स्पिनर्स में शामिल हैं। शाकिब ने अब तक 66 टेस्ट में 63.4 के बॉलिंग स्ट्राइक रेट से 233 विकेट लिए हैं। वे 2 बार मैच में 10 विकेट ले चुके हैं, जो जडेजा के बराबर है लेकिन अश्विन से बेहद कम। शाकिब हर 63वीं बॉल पर विकेट लेते हैं, जो लायन के बराबर है लेकिन अश्विन के मुकाबले बेहद कमजोर।

स्टोक्स-आर्चर फिट हुए तो टी20 विश्व कप खेलेंगे : कोच

तारोबा ।
ऑलराउंडर बेन स्टोक्स और तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर का 2024 टी20 विश्व कप में खेलना तय नजर आता है। टी20 प्रारूप के लिए इंग्लैंड की टीम के कोच मैथ्यू मोट ने कहा कि स्टोक्स और आर्चर मैच विजेता खिलाड़ी हैं और इनके रहने से अंतर पैदा होगा। इसलिए फिट होने पर इन दोनो को ही टीम में जगह मिलेगी। स्टोक्स के घुटने का नवंबर में ऑपरेशन हुआ था और उम्मीद जतायी जा रही है कि वह जून में होने वाले टी20 विश्व कप तक फिट हो जाएंगे। वहीं आर्चर कोहनी की चोट के कारण मार्च से ही खेल से दूर हैं।

मोट ने इन दोनो की उपलब्धता को लेकर कहा, ' स्टोक्स प्रत्येक विभाग में मैच जिताने की काबिलियत मुहैया कराने के अलावा हमें शीर्ष छह में एक तेज गेंदबाज रखने का विकल्प देते हैं जिससे आपको टीम का संतुलन बनाने के लिए कई विकल्प मिल जाते हैं, इससे चयन भी आसान बन जाता है। इसलिये उन्हें शामिल करना जरुरी है। उन्होंने कहा, 'जहां तक आर्चर की बात है तो वह अपनी तेज रफ्तार से पारी में कोई भी ओवर डाल सकता है। वह सुपर ओवर डाल सकता है, इसके अलावा जरूरत के अनुसार अंतिम ओवर भी फेंक सकता है। गौरतब है कि आर्चर लगातार चोटों के कारण साल 2021 के बाद से ही टेस्ट क्रिकेट से बाहर हैं। उन्होंने 2023 में सफेद गेंद के महज सात मैच खेले हैं। उन्हें जनवरी-मार्च में भारत का दौरा करने वाली टेस्ट टीम में भी जगह नहीं मिली है। टी20 विश्व कप अगले साल वेस्टइंडीज और अमेरिका में जून में खेला जायेगा। मोट के अनुसार जोस बटलर और फिल साल्ट की सलामी जोड़ी के टी20 विश्व कप केलिए टीम में बने रहने की उम्मीद है।

गावस्कर बोले, विराट के सामने नहीं चलेगी इंग्लैंड की आक्रामक रणनीति

नई दिल्ली ।
भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने कहा कि भारतीय टीम के खिलाफ सीरीज में इंग्लैंड की आक्रामक रणनीति काम नहीं करेगी। गावस्कर के अनुसार इस सीरीज में इंग्लैंड की आक्रामक रणनीति का सामना करने के लिए भारत के पास विराट कोहली जैसा अनुभवी बल्लेबाज है। उन्होंने कहा कि इंग्लैंड की रणनीति को नाकाम करने की पूरी क्षमता विराट में है। गावस्कर ने कहा, 'विराट आजकल जिस तरह से बल्लेबाजी कर रहे हैं, उनका मूवमेंट अच्छा है। वह जिस फॉर्म में हैं, उसे देखते हुए इंग्लैंड की आक्रामक रणनीति का सामना करने के लिए हमारे पास विराट जैसा बल्लेबाज है। उन्होंने कहा कि कोहली 152 रन और बनाते

ही टेस्ट क्रिकेट में 9000 रन बनाने वाले खिलाड़ियों के क्लब में जुड़ जाएंगे। वह आगामी सीरीज में भारत के ट्रंपकार्ड होंगें। उनके नाम 113 मैच में 29 अर्धशतक और 30 शतक हैं। गावस्कर ने कहा, 'हां, पारी को बढ़ाने का मतलब अर्धशतक से ज्यादा शतक होना है। कोहली के पास शतक और अर्धशतक करीब करीब बराबर ही हैं, इसका मतलब है कि उनकी अर्धशतक को शतक में बदलने की गति काफी अच्छी है। उन्होंने कहा, 'इंग्लैंड ने पिछले एक दो साल से टेस्ट क्रिकेट में आक्रामक रणनीति का जो नया तरीका अपनाया है उसमें बल्लेबाज तेजी से रन बनाने का प्रयास करते हैं। ये रणनीति भारत में इसलिए कारगर नहीं होगी क्योंकि हमारे पास कई अच्छे स्पिनर हैं।

गुरजोत और रेजा ने जीता कांस्य, भारत की झोली में आठ पदक; तालिका में चौथा स्थान मिला

कुवैत सिटी । 19 वर्षीय रेजा ढिल्लों ने एशियाई शूटिंग चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन करते हुए अपना तीसरा पदक जीता। उन्होंने गुरजोत खंगूड़ा के साथ मिलकर स्कीट की मिश्रित स्पर्धा का कांस्य पदक जीता। इससे पहले उन्होंने महिला स्कीट में रजत जीतकर देश को एक और ओलंपिक कोटा दिलाया था। साथ ही उन्होंने टीम का स्वर्ण भी जीता था। भारत ने इस चैंपियनशिप में एक स्वर्ण, तीन रजत और चार कांस्य पदक जीते। भारतीय शूटर पदक तालिका में चौथे स्थान पर रहे। रेजा के अलावा इस चैंपियनशिप में पुरुषों की स्कीट में अनंतजीत सिंह नरूका ने रजत पदक जीतकर देश को ओलंपिक कोटा दिलाया था। भारतीय शूटर अब तक रिकॉर्ड 19 ओलंपिक कोटा हासिल कर चुके हैं। रेजा और गुरजोत ने कुवैत के अब्दुल्ला अलरशीदी और एमान अल शमा को 41-39 से हराकर कांस्य जीता। इन दोनों शूटरों ने 150 में से 138 का स्कोर किया था।

इंग्लैंड सीरीज के जरिए जायसवाल टेस्ट टीम में अपनी जगह पक्की करेंगे : गावस्कर

नई दिल्ली ।
इंग्लैंड के खिलाफ बहुप्रतीक्षित टेस्ट सीरीज से पहले भारत के पूर्व क्रिकेटर सुनील गावस्कर ने युवा सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल पर भरोसा जताया है। उन्होंने कहा कि यह युवा खिलाड़ी इंग्लैंड श्रृंखला के अंत तक भारतीय टेस्ट टीम में अपनी स्थिति मजबूत करेगा।

भारत और इंग्लैंड 25 जनवरी से हैदराबाद के राजीव गांधी अंतर्राष्ट्रीय स्टेडियम में पहले मैच के लिए आमने-सामने होंगे।

भारत का लक्ष्य इंग्लैंड के खिलाफ अपने प्रभावशाली घरेलू रिकॉर्ड को आगे बढ़ाना है, जिसने 2016/17 सीरीज में 4-0 से और 2020/21 में 3-1 और जीत हासिल की थी।

गावस्कर ने बाएं हाथ के बल्लेबाज की घरेलू परिस्थितियों के अनुकूल ढलने की क्षमता का हवाला देते हुए जायसवाल के प्रदर्शन के बारे में अपनी बात रखी।

गावस्कर ने कहा, मुझे लगता है कि इस सीरीज के बाद वह खुद को भारतीय टेस्ट टीम में पूरी तरह से स्थापित कर लेंगे। साथ ही जायसवाल घरेलू परिस्थितियों में आसानी से जम जाएंगे।

74 वर्षीय ने श्रेयस अय्यर का भी जिक्र किया और उम्मीद जताई कि यह बल्लेबाज इंग्लैंड के खिलाफ चमकेंगे।

भारत के लिए 12 टेस्ट मैचों में 39.27 की औसत से 707 रन बनाने वाले अय्यर के दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ हालिया संघर्ष नेचिंता बढ़ा दी है।

गावस्कर ने विश्व कप के दौरान भारतीय पिचों पर अय्यर के शानदार प्रदर्शन को याद करते हुए टेस्ट सीरीज में भी ऐसे ही प्रदर्शन की उम्मीद जताई है।

गावस्कर ने कहा, विश्व कप में श्रेयस अय्यर ने भारतीय पिचों पर शानदार बल्लेबाजी की, इसलिए मुझे उम्मीद है कि वह टेस्ट श्रृंखला में भी नंबर 5 पर इसी तरह खेलेंगे। उन्होंने आक्रामक बल्लेबाजी की। शुरुआत में काफी सतर्क थे और फिर बाद में उन्होंने स्ट्रोक लगाए। मुझे उम्मीद है कि वह इसे दोहराएंगे।

घरेलू मैदान पर चैंपियन नहीं बन पाए सात्विक-चिराग, इस साल लगातार दूसरे फाइनल में मिली हार

नई दिल्ली ।
सात्विक साईराज रैंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी अपार घरेलू समर्थन के बावजूद इंडिया ओपन सुपर 750 बैडमिंटन टूर्नामेंट का खिताब नहीं जीत सके। नई दिल्ली में विश्व चैंपियन और तीसरी वरीय कोरियाई जोड़ी कांग मिन ह्यूक और सियो सियोंग जेई के हाथों भारतीय जोड़ी को तीन गेमों के संघर्ष में 21-15, 11-21, 18-21 से हार का सामना करना पड़ा। यह मुकाबला एक घंटा चार मिनट तक चला। 2022 में यहां खिताब जीतने वाले दूसरे वरीय सात्विक और चिराग को इस वर्ष लगातार दूसरे टूर्नामेंट के फाइनल में हार का सामना करना पड़ा है। इससे पहले उन्हें मलयेशिया ओपन सुपर 1000 के फाइनल में पराजय मिली थी।

पहला गेम आसानी से जीती भारतीय जोड़ी

कांग मिन और सिंयोंग जेई की जोड़ी ने अब तक इस टूर्नामेंट में एक भी गेम नहीं हारा था, लेकिन फाइनल में सात्विक और चिराग ने उनके खिलाफ पहला गेम आसानी से 21-15 से जीत

लिया। पहले गेम जीतने के बाद लगा कि सात्विक-चिराग यहां खिताबी जीत हासिल कर सकते हैं, लेकिन कोरियाई जोड़ी ने दूसरे गेम में जबरदस्त वापसी की। उन्होंने गेम ब्रेक के दौरान 11-5 की बढ़त बना ली, जिसे उन्होंने अंत तक बरकरार रखा और 21-11 से यह गेम अपने नाम किया।

तीसरे गेम में शुरू से बढ़त पर रही कोरियाई जोड़ी

तीसरे और निर्णायक गेम में भी कोरियाई जोड़ी ने सधी शुरुआत करते हुए ब्रेक के दौरान 11-6 की बढ़त बनाई। इसके बाद सात्विक-चिराग ने संघर्ष किया। वे तीन बार गेम में 16-15, 17-16 और 19-18 के स्कोर तक पहुंचे, लेकिन यहां कोरियाई जोड़ी के जबरदस्त तालमेल ने भारतीय जोड़ी को मौका नहीं दिया। 21-18 से गेम जीतकर कोरियाई जोड़ी ने चैंपियनशिप अपने नाम कर ली। यह गेम 31 मिनट तक चला।

ताई जू यिंग और शी यूकी बनें एकल चैंपियन

इस सत्र के बाद बैडमिंटन को अलविदा कहने जा रहीं ताइवान की ताई जू यिंग ने पहली बार इंडिया ओपन का खिताब अपने नाम कर लिया। उन्होंने फाइनल में चीन की चेन यू फेई को 21-16, 21-12 से पराजित किया। इन्हीं दोनों शटलरों के बीच टोक्यो ओलंपिक का फाइनल भी खेला गया था, लेकिन जब चेन यू फेई ने जीत हासिल की थी। चेन के पास ताई जू यिंग के क्रास कोर्ट स्मैश और उनके ट्रेडमार्क ड्रॉप शॉट्स का कोई जवाब नहीं था। वहीं पुरुष एकल के फाइनल में चीन के शी यूकी ने हांगकांग के ली श्यूक यी के स्वप्निल सफर को थामते हुए 23-21, 21-17 से जीत हासिल की। शी यूकी ने दूसरी बार इंडिया ओपन का खिताब अपने नाम किया।

मात्सुमोतो और नागाहारा ने जीता महिला युगल खिताब

महिला युगल के फाइनल में जापान की मायु मात्सुमोतो और वकाना नागाहारा ने विश्व चैंपियनशिप की कांस्य पदक विजेता चीन की जोड़ी झांग शू जियान और झेंग यू को 21-12, 21-13 से हराकर खिताब जीता। मिश्रित युगल के फाइनल में थाईलैंड की जोड़ी देचापोल पुआवारानुक्रोह और सैप्सिरी तेरातनाचाई ने विश्व नंबर पांच चीनी जोड़ी जियान झेन बांग और वेई या जिन को 21-16, 21-16 से हराकर खिताब जीता। ताई जू यिंग ने खिताब जीतने के बाद कहा कि वह फाइनल से पहले नर्वस थीं, लेकिन खेल के दौरान उन्हें दर्शकों से मिले जबरदस्त समर्थन ने उन्हें अच्छे खेल के लिए प्रेरित किया। वह पेरिस ओलंपिक में पदक जीतने के लिए प्रयास करेंगी। वह जानती हैं कि यह कठिन है, लेकिन वह इसके लिए संघर्ष करेंगी।

अखंड भारत की आजादी के स्वप्नद्रष्टा

नेताजी सुभाष चंद्र बोस

भारत को अंग्रेजों की गुलामी से आजाद कराने का सपना देखकर उसे साकार करने में अपने प्राणों की आहुति देने वाले आजादी के महानायक नेताजी सुभाष चंद्र बोस की आज जयंती देश मना रहा है। गणतंत्र दिवस समारोह 24 जनवरी की जगह 23 जनवरी से शुरू होंगे। *तुम मुझे खून दो मैं तुम्हें आजादी दूंगा* के ओजस्वी उद्घोष से समग्र राष्ट्र में देशभक्ति त्याग और बलिदान के अनियंत्रित तूफान को सृजित करने वाले भारतीय स्वाधीनता संग्राम के क्रांतिधर्मा महानायक सुभाष चंद्र बोस का देश की आजादी के इतिहास में अनुपम और अतुलनीय योगदान हैं। भारत को विश्व की एक महान शक्ति बनाने के लिए संकल्पित सुभाष चंद्र बोस की अमिट छवि भारतीय जनमानस में नेताजी के रूप में अंकित है। 23 जनवरी 1897 को उड़ीसा के कटक में जन्मे सुभाष एक व्यवहारिक चिंतक, अद्भुत संगठनकर्ता और करिश्माई नेतृत्व के धनी थे जिनके स्वाभिमानी व्यक्तित्व में जादुई आकर्षण था। उनकी वाणी में अद्भुत ओज था। विचारों की स्पष्टता, प्रखरता, दूरदर्शिता, लक्ष्य की दृढ़ता, सिद्धांतों की प्रतिबद्धता, राष्ट्रभक्ति और जन सेवा के प्रति समर्पण एवं अपने कार्य के प्रति असीम आत्मविश्वास के साथ गहन निष्ठा का भाव उनके व्यक्तित्व में इस तरह समाहित था कि उन्होंने बिना झिझक अंग्रेज साम्राज्य के विरुद्ध सशस्त्र संघर्ष का आव्हान किया। उस अंग्रेजी साम्राज्य के विरुद्ध जिसमें कभी सूर्यास्त नहीं होता था और ब्रिटेन के विद्रोही कवि अर्नेस्ट जोन्स के शब्दों में वह इतना क्रूर भी हो गया था कि उसके उपनिवेशों में रक्त भी कभी नहीं सूखता था। उन्होंने साहसपूर्वक अंग्रेजी हुकूमत से टक्कर लेते हुए युवाओं में क्रांति की चेतना जागृत की और दुनिया के अन्य राष्ट्रों से चर्चा कर भारत की आजादी के पक्ष में विश्व जनमत निर्माण का ऐतिहासिक कार्य किया। सुभाष का बचपन से ही अध्यात्म की ओर झुकाव रहा। कटक में प्रारंभिक शिक्षा प्राप्त की। कोलकाता के प्रेसिडेंसी कॉलेज और कैंब्रिज विश्वविद्यालय से उच्च शिक्षा प्राप्त करने के बाद देश की आजादी के लिए आजीवन ब्रह्मचर्य का संकल्प लेने वाले सुभाष के मन में भारत की सांस्कृतिक चेतना के प्रति अगाध श्रद्धा, आस्था और अटूट प्रेम था। कलकत्ता के प्रेसिडेंसी कॉलेज के प्रोफेसर ओटन जो भारतीय छात्रों को घृणा की दृष्टि से देखता था, उन्हें गंवार और जंगली कहकर अपमानित करता था। यह स्वाभिमानी सुभाष को बिल्कुल स्वीकार्य नहीं था। अत: उन्होंने उसके विरुद्ध कॉलेज में छात्रों के साथ मिलकर हड़ताल की, कक्षाओं का बहिष्कार किया और एक दिन मौका पाकर अन्य छात्रों के साथ मिलकर कक्षा में ही उसे करारा सबक सिखाने के लिए जमकर पिटाई कर दी। उस प्रोफेसर के होश उड़ गए। अंतत: प्रोफेसर ने छात्रों से क्षमा मांगी और भारतीयों का अपमान करना बंद कर दिया। यद्यपि इस घटना के बाद सुभाष को कॉलेज से निकाल दिया गया किंतु इसका उन्हें तनिक भी अफसोस नहीं हुआ, बल्कि उनका मन प्रफुल्लित हुआ। सुभाष ने कहा कि भारतीय होने का अर्थ यह नहीं है कि हम असभ्य और गंवार हैं। हम पूरी तरह से सभ्य और सुसंस्कृत हैं। किसी को भी हमें अपमानित करने का अधिकार नहीं है तत्पश्चात स्कॉटिश चर्च कॉलेज से उन्होंने दर्शनशास्त्र में स्नातक की परीक्षा प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण की। उन्होंने मिलिट्री प्रशिक्षण भी प्राप्त किया। पिताजी चाहते थे कि सुभाष इंग्लैंड जाएं और सर्वोच्च प्रशासनिक सेवा आईसीएस होकर लौटे। किंतु जन्मजात विद्रोही सुभाष के मन में अंग्रेजी हुकूमत को जड़ से उखाड़ फेंकने की बगावत का बीजारोपण तो हो ही चुका था। समाज सेवा, राष्ट्र सेवा और जन सेवा का कर्तव्य भाव उन्हें पुकार रहा था। ना चाहते हुए भी पिता की आज्ञा का पालन किया और इंग्लैंड से आईसीएस की परीक्षा उत्तीर्ण कर ली, किन्तु उनकी सरकारी नौकरी करने की इच्छा बिल्कुल नहीं थी। उन्होंने दृढ़ता पूर्वक प्रतिकार करते हुए कहा कि वह शासन तंत्र जो मेरी मातृभूमि को दासता की जंजीरों में जकड़ा हुआ है उसकी कठपुतली या पुर्जा बनना मुझे स्वीकार नहीं है। विदेशी हुकूमत हमारे युवकों को गोलियों से भून रही है उन्हें जेलों में यातनाएं दे रही है और मैं उनकी गुलामी करूं यह असंभव है और 22 अप्रैल 1922 को उन्होंने पिता की इच्छा के विरुद्ध आईसीएस से त्यागपत्र दे दिया। एक अंग्रेज पुलिस अधिकारी ग्रीफीथ जो सुभाष को पूर्व से जानता था उन्हें गिरफ्तार करने के लिए गिरफ्तारी वारंट लेकर उनके कमरे पर पहुंचा जहां वे साधारण कपड़े में बैठे थे, कोने में एक तरफ मिट्टी का घड़ा रखा हुआ था। उसने कहा मैं तुम्हें गिरफ्तार करने आया हूं। तुम क्या हो सकते थे और क्या हो गए। सुभाष ने कहा कि ठीक कहा तुमने मैं गुलाम हो सकता था लेकिन आज मैं अपने देश की स्वाधीनता का सजग सिपाही हूं। पुलिस अधिकारी ने कहा कि मुझे तुम्हारे कमरे की तलाशी भी लेनी है। हां हां क्यों नहीं तलाशी भी ले सकते हो। पुलिस अधिकारी ने कमरे की हर चीज को देखा लेकिन उसे कोई भी वस्तु आपत्तिजनक नहीं मिली। तब उसने चौकी पर रखी चांदी की डिबिया खोली पूछा कि इसमें ये चूर्ण जैसा क्या है। सुभाष ने कहा यह मेरे देश की पवित्र मिट्टी है। मैं प्रतिदिन इसकी पूजा करता हूं और देश की स्वाधीनता के अपने उद्देश्य का स्मरण करता हूं। अधिकारी ने कहा सुभाष तुम अवश्य ही पागल हो गए हो अन्यथा भला कोई मिट्टी की भी पूजा करता है। सुभाष बोले यह बात तुम्हारी समझ में नहीं आएगी। तुम्हारा जन्म इंग्लैंड में हुआ है। अगर तुम भारत भूमि में पैदा हुए होते तो जान पाते की मां और मातृभूमि की महत्ता क्या है। जिसे तुम मिट्टी कह रहे हो वह मेरी भारत माता की चरण रज है। मैं इसे माथे पर लगाता हूं। तुम इन बातों को समझने योग्य नहीं हो। मुझे गिरफ्तारी का कोई भय नहीं है। कष्ट और त्याग ये दोनों स्वराज की नींव है और इन्हीं पर हमारे स्वतंत्र राष्ट्र का निर्माण होगा। यदि देश के युवक उसके लिए स्वयं को अर्पित करने के लिए तैयार हों तो स्वतंत्रता की कल्पना को साकार करने में देर नहीं लगेगी। सुभाष के इस विलक्षण उत्तर से पुलिस अधिकारी निरुत्तर हो गया। बंगाल के देशभक्त चितरंजन दास की प्रेरणा से सुभाष राजनीति में आए स्वयंसेवक बने फिर राष्ट्रीय विद्यापीठ के आचार्य और कॉंग्रेस स्वयंसेवक दल के प्रमुख। अपने साथियों के साथ सेवादल बनाकर मानव सेवा में जुट गए। उनकी ख्याति युवा नेता और समाजसेवी के रूप में विख्यात हो गई। उत्तर बंगाल के बाढ़ पीड़ितों की अद्भुत सेवा की। स्वराज पार्टी के प्रमुख पत्र फॉरवर्ड के संपादक बनाए गए। 1924 में जब देशबंधु कोलकाता के मेयर बने तब सुभाष को मुख्य कार्यकारी अधिकारी नियुक्त किया गया। जहां उन्होंने प्रशासनिक दक्षता, राष्ट्रवादी भावनाओं और जन हितेषी कार्यों से अपनी प्रामाणिकता सिद्ध की। इस दौरान प्रिंस ऑफ वेल्स के स्वागत के बहिष्कार के संबंध में उन्हें गिरफ्तार किया गया। यहीं से उनकी जेल यात्राएं प्रारंभ हुई जो सन 1941 तक तब तक चलती रही जब तक वे चुपके से निकलकर जर्मनी नहीं चले गए। वे कुल 11 बार गिरफ्तार किए गए और लगभग 15 वर्षों तक जेल में रहे। 1928 में प्रांतीय कांग्रेस के अध्यक्ष चुने गए लगातार परिश्रम से वे बीमार हो गए। बमुश्किल 1932 में जर्मनी में चिकित्सा के लिए गए और वहां से लौटने पर 1939 में पट्टाभी सीतारमैया को चुनाव में पराजित कर पुन: कांग्रेस के अध्यक्ष बन गए। गांधीजी ने इसे अपनी व्यक्तिगत हार माना। गांधी के अहिंसा वादी विचारों का सुभाष के क्रांतिकारी विचारों से मेल नहीं होता था। अत: उन्होंने अध्यक्ष पद से त्यागपत्र दे दिया। उग्रवादी विचारधारा के अमर सेनानी सुभाष का दृढ़ विश्वास था कि ब्रिटिश शासन की नृशंसता का सशस्त्र बल से विरोध करने पर ही भारत मां को आजाद किया जा सकता है। अपना रक्त दिए बिना भारत को मुक्त नहीं किया जा सकता। भारतीय संस्कारों से युक्त पूर्ण स्वराज का लक्ष्य लेकर उन्होंने फॉरवर्ड ब्लॉक की स्थापना की। गांधी के व्यक्तिगत सत्याग्रह प्रारंभ करने के दौरान सुभाष बाबू ने बंगाली जनता को हालवेल, ब्लैक होल स्मारक को हटा देने एवं सामूहिक आंदोलन करने का आव्हान किया। फलस्वरुप आंदोलन के लिए उमड़ते तूफान की आशंका से भयभीत हो सुभाष को पुन: जेल में डाल दिया गया। जहां उनके अनशन प्रारंभ करने पर उन्हें छोड़ दिया गया। किंतु उनके घर में ही उन्हें फिर नजरबंद कर दिया गया। 26 जनवरी 1941 को वे वेश बदलकर गूंगे बहरे पठान जियाउद्दीन मौलवी के रूप में विषम परिस्थितियों और भयानक खतरों का सामना करते हुए काबुल होते हुए इटली से जर्मनी पहुंच गए। उनका विश्वास था कि कांग्रेस के असहयोग और सत्याग्रह आंदोलन के शस्त्र की धार इतनी पैनी नहीं है कि वे ब्रिटिश राजनीति के मोटे कवच को भेदकर उनकी हृदय गति को बंद कर सकें। अंतत: उन्होंने देश से बाहर जाकर विदेशी सहायता से सेना को संगठित करने का निश्चय किया। उन्होंने पश्चिमी देशों में घटित क्रांतियों, सर्वहारा वर्ग के हित में बनाए गए उन देशों के संविधानों का अध्ययन किया। लेनिन, स्टालिन, डी बलेरा, कमाल अतातुर्क, हिटलर, मुसोलिनी आदि की नेतृत्व क्षमता का तुलनात्मक अध्ययन कर वे इस नतीजे पर पहुंचे कि भारत में राष्ट्रीय चेतना का स्वरूप निस्तेज है और उसे जागृत करने के लिए युवाओं को प्रेरित करना आवश्यक है। युवा शक्ति की भागीदारी के बिना आजादी संभव नहीं है। उन्होंने देश की हालत के संबंध में रोम्याब-रोलां से भी मुलाकात की। मुसोलिनी ने जब सुभाष से पूछा कि उनका विश्वास सुधारवाद में है या क्रांति में। तो सुभाष ने उत्तर दिया क्रांति में। यह सुनकर मुसोलिनी मुस्कुराए और कहा तब तो भारत की आजादी पक्की है। 1939 में द्वितीय विश्वयुद्ध प्रारंभ हुआ। सुभाष बाबू को लगा कि इस समय इंग्लैंड संकट में है और देश की आजादी के लिए ये उपयुक्त अवसर है। किंतु कांग्रेस को अपने अनुकूल परिवर्तित करने में वे सफल नहीं हो सके। जहां साधना होती है वह साधनों की अल्पता अर्थहीन हो जाती है। जर्मनी से भारत को अंग्रेजी दासता से मुक्त कराने में सहायता प्राप्त करना कठिन था। किंतु सुभाष के महान व्यक्तित्व, आत्मबल और उद्देश्य की पूर्ति करने के लिए सर्वस्व न्योछावर करने के दृढ़ संकल्प से प्रभावित होकर हिटलर ने *प्राईज इंडिशे फुहरर* अर्थात आजाद हिंद के नेता के रूप में उनका स्वागत किया। वहां से वे जापान पहुंचे जहां इंडियन इंडिपेंडेंस लीग के संस्थापक और गदर पार्टी के क्रांतिकारी रासबिहारी बोस से मिले और जापान में रहकर आजाद हिंद सेना का गठन किया। ब्रिटेन और अमेरिका के विरोध में युद्ध लड़ना आरंभ किया। 21 अक्तूबर 1943 को अंतत: सिंगापुर में आजाद भारत की अस्थाई सरकार की घोषणा कर दी गई। जापान जर्मनी इटली चीन आदि देशों ने आजाद हिंद सरकार की स्वतंत्रता को एक मत से स्वीकार कर लिया। सुभाष के *दिल्ली चलो* और *जय हिंद* के बुलंद नारों ने सिपाहियों में जादू सा प्रभाव डाला। कोहिमा मणिपुर के युद्ध में आजाद हिंद फौज के सिपाहियों ने अद्भुत पराक्रम दिखाया। किंतु अचानक विश्व युद्ध का रुख बदल गया। ब्रिटेन और मित्र राष्ट्रों ने विजय प्राप्त कर ली। हिटलर की आत्महत्या और जर्मनी की हार से आजाद हिंद फौज की लड़ाई प्रभावित हुई। जापान के हिरोशिमा और नागासाकी पर अमेरिका द्वारा बम गिराने से जापान ने भी आत्मसमर्पण कर दिया। सुभाष ने कहा कि यह एक सामान्य सामयिक असफलता है। हम शीघ्र ही यह युद्ध प्रारंभ करेंगे और जीतेंगे। हमारी भारत भूमि अब अधिक दिनों तक गुलाम नहीं रहेगी। 23 अगस्त 1945 को अचानक जापान के टोक्यो न्यूज एजेंसी ने यह अविश्वसनीय खबर प्रसारित की कि 18 अगस्त को सुभाष चंद्र बोस हवाई जहाज की दुर्घटना में इस संसार से चले गए। यद्यपि आज भी उनके अवसान को लेकर रहस्य बना हुआ है। निसंदेह सुभाष चंद्र बोस के लिए भारत की आजादी अपने प्राणों से भी ज्यादा प्यारी थी किंतु वे अखंड भारत की आजादी के प्रबल समर्थक थे। उनकी अर्चना और आराधना के राष्ट्र का स्वरूप बहुत विराट था। वह संपूर्ण प्रभुत्व सम्पन्न और शक्तिशाली और विश्ववंद्य भारत था। वे अखंड भारत की आजादी के लिए कुछ वर्षों के विलंब के लिए तैयार थे किंतु यह उन्हें बिल्कुल स्वीकार नहीं था कि भारत माता का कोई अंग काटकर उसे बंधन मुक्त किया जाए क्योंकि उनकी कल्पना में खंडित भारत की आजादी का स्वप्न था ही नहीं। सदियों से वे भारत के मुक्ति संग्राम के ऐसे अपराजेय योद्धा हैं जो हमारे प्रेरणा दीप बन कर राष्ट्र की बलिवेदी पर अपने प्राणों को न्यौछावर करने की प्रेरणा देते रहेंगे। सुभाष जैसे महान क्रांतिकारी युगदृष्टा को शत-शत नमन।

नेताजी की प्रतिमा भी रंगी केसरिया रंग में

हरियाणा के रोहतक में नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती को लेकर तैयारी जोरों पर है। इसके तहत नेताजी की प्रतिमा की मरम्मत की गई। इसके बाद इसे केसरिया रंग में रंग दिया। एक दिन पहले तक यह प्रतिमा सुनहरे रंग की थी। राजकीय स्नातकोत्तर महिला महाविद्यालय में 23 जनवरी को नेताजी की जयंती पर समारोह होना है। यहां मुख्यमंत्री मुख्य अतिथि रहेंगे। इसके चलते प्रतिमा को दुरुस्त किया गया है। समारोह के लिए काफिला दिल्ली रोड से सुभाष चौक होते हुए महाविद्यालय परिसर पहुंचेगा। शुक्रवार को निगम अधिकारियों ने प्रतिमा का निरीक्षण किया व शनिवार को प्रशासन ने प्रतिमा को भी केसरिया रंग में रंग डाला। रविवार को नवीन जयहिंद ने कहा कि नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती पर सीएम के रोहतक आगमन से पहले सुंदरीकरण के नाम पर रंग बदलने पर सीएम को जवाब देना चाहिए। नेताजी क्रांतिकारी व देशभक्त हैं। उनकी मूर्ति का रंग बदलने के नाम पर राजनीति न की जाए। प्रतिमा का रंग बदलने पर शासन व प्रशासन से जल्द स्थिति स्पष्ट करने की अपील करते हुए जयहिंद ने कहा कि पर्दे के पीछे कहानी सामने आनी चाहिए। उपायुक्त नेताजी की वर्दी का रंग उसी तरह कराएं, जिस तरह की वर्दी वे पहनते थे। उन्होंने कहा कि नेताजी की प्रतिमा पर किए जाने वाले रंग पर राजनीति की गई तो खुद नेताजी की वर्दी वाला रंग प्रतिमा पर करने से पीछे नहीं हटेंगे। उपायुक्त अजय कुमार ने बताया कि राज्य सरकार की योजना के तहत 23 जनवरी को नेताजी सुभाष चंद्र बोस जयंती पर राजकीय स्नातकोत्तर महिला महाविद्यालय, रोहतक में कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम में हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल बतौर मुख्य अतिथि शिरकत करेंगे। उपायुक्त अजय कुमार ने बताया कि कार्यक्रम की जिला प्रशासन की ओर से जोर-शोर से तैयारी की जा रही है। कार्यक्रम की सफलता सुनिश्चित करने के लिए अलग-अलग विभागों की ड्यूटी में जिम्मेदारी निर्धारित कर दी गई है। उपायुक्त ने बताया कि प्रदेश सरकार की ओर से संत-महापुरुष सम्मान व विचार प्रचार-प्रसार योजना क्रियान्वित की गई है। इस योजना के तहत महापुरुषों की जयंतियां व स्मृति दिवसों को सरकारी स्तर पर मनाया जाता है। इस योजना का मुख्य उद्देश्य यही है कि युवा पीढ़ी को संत महापुरुषों की जीवनी से समाज कल्याण की प्रेरणा मिल सके। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री मनोहर लाल 23 जनवरी को सर्वप्रथम मॉडल टाउन स्थित गुफा वाले मंदिर में पूजा-अर्चना करेंगे।

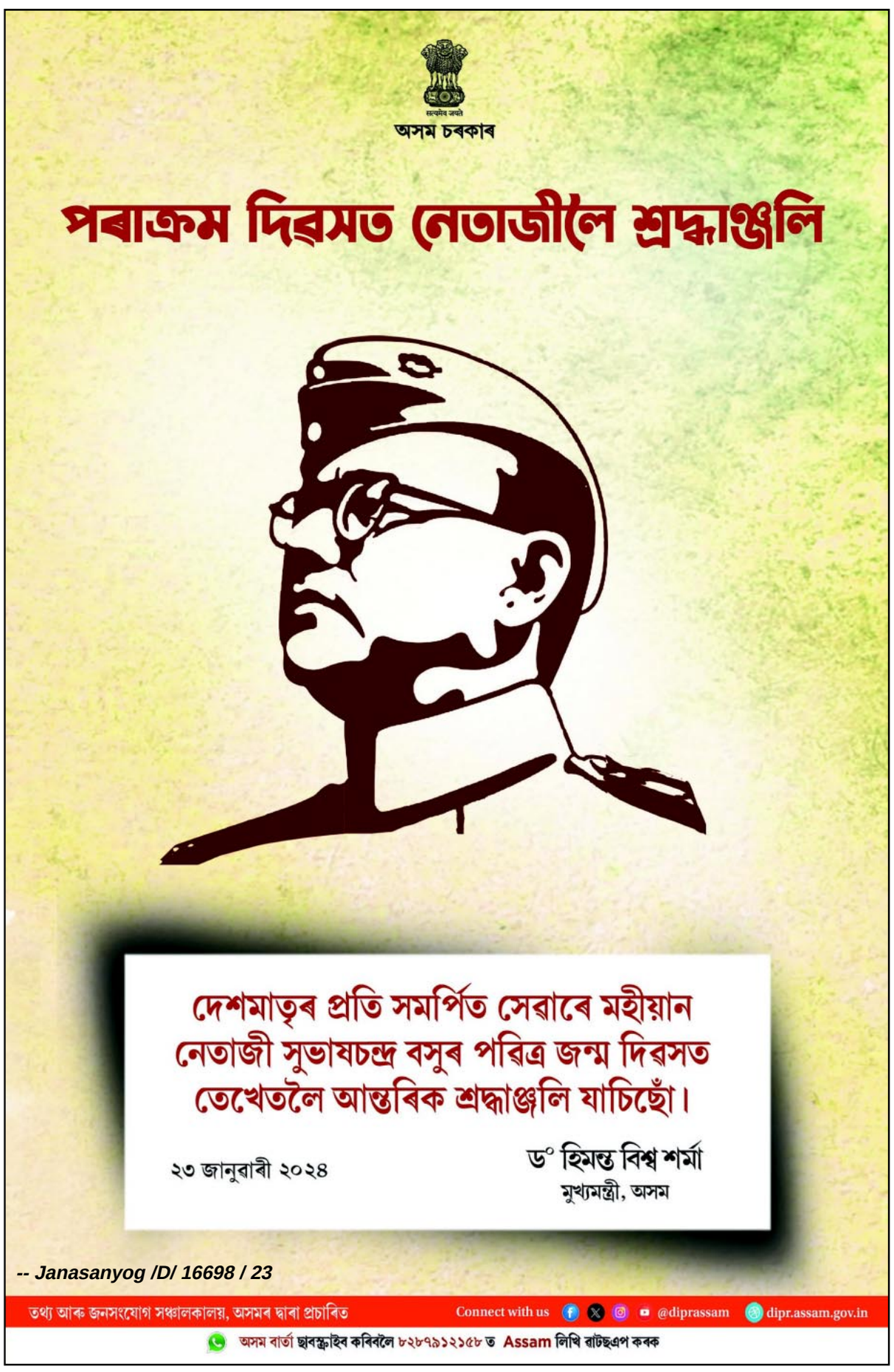

মুদ্রক एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**